@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 15 अक्टूबर 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 340 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

कांग्रेस की हार में संगठन की कमी भी अहम वजह: कुमारी सैलजा

रोहतक, 14 अक्टूबर। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा में कांग्रेस की हार पर कहा है कि इसकी एक अहम वजह पार्टी का प्रदेश, जिला व ब्लॉक स्तर पर संगठन का न होना भी रहा। मुझे मलाल है कि प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए संगठन नहीं बना सकी। आलाकमान प्रदेश में हार की समीक्षा कर रहा है। अब केंद्रीय नेतृत्व को निर्णय लेना है। सैलजा एक दिन पहले रोहतक में एक प्रार्थना सभा में पहुंची थी। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा भी सभा में पहुंचे थे। इस दौरान कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश में हार की समीक्षा की जा रही है। लोगों से बातचीत कर फीडबैक लिया जा रहा है। उनको भी इनपुट मिल रहे हैं, जिन्हें आलाकमान के सामने रखा जाएगा। जहां तक ईवीएम का सवाल है, पार्टी ने चुनाव आयोग के सामने मामले को रखा है। आयोग के जवाब का इंतजार किया जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के खिलाफ उठ रही आवाज के सवाल पर कुमारी सैलजा ने कहा कि यह विषय आलाकमान का है। केंद्रीय नेतृत्व को ही इस संबंध में निर्णय लेना है। पार्टी का शीर्ष नेतृत्व जो निर्णय लेगा, उसे माना जाएगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की हार की एक वजह पार्टी का संगठन न होना भी रहा। प्रदेश के अलावा, जिला व ब्लॉक स्तर पर संगठन होना चाहिए था। इससे कार्यकर्ताओं को पहचान मिलती है। उनको इस बात का मलाल रहेगा कि वे प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए संगठन नहीं बना सकी। उनके बाद भी संगठन नहीं खड़ा किया जा सका। विधानसभा चुनाव में पार्टी के प्रत्याशियों को संगठन की कमी खली। चुनाव प्रचार के दौरान व्यक्तिगत टिप्पणी के सवाल पर कांग्रेस सांसद ने कहा कि वे खुद कुछ नहीं कहना चाहती, लेकिन समाज व आम लोग तो सब देखते हैं। विपक्ष में रहते हुए पांच साल सड़क से लेकर विधानसभा व संसद तक लोगों की आवाज उठाएंगी। भाजपा की गलत नीतियों का विरोध किया जाएगा। भाजपा सरकार को बहुमत मिला है, पार्टी को आम लोगों की समस्याओं का समाधान करना चाहिए। चाहे परिवार पहचान पत्र का मुद्दा हो या दूसरी समस्याएं। भाजपा को ऐसे कदम उठाने चाहिए, जिससे लोगों को समस्याओं से राहत मिल सके। भाजपा नेता अनिल विज व राव इंद्रजीत की मुख्यमंत्री पद की दावेदारी के सवाल पर कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा में भी कुछ ठीक नहीं लग रहा है, लेकिन वे कोई टिप्पणी नहीं करना चाहेंगी।

कोरोना वैक्सीन के दुष्प्रभावों का आरोप लगाने वाली याचिका खारिज: सुप्रीम कोर्ट

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें कोविड-19 टीकों के कार खून के थक्के जमने का आरोप लगाया गया था। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने याचिका पर सुनवाई की। पीठ ने कहा कि याचिका केवल सनसनी पैदा करने के लिए की गई थी। पीठ ने क्लास एक्शन दायर करने के लिए कहा। उन्होंने आगे कहा, यह भी समझने की कोशिश करें कि अगर आपने वैक्सिन नहीं ली तो इसका दुष्प्रभाव क्या हो सकता है। हम इस मुद्दे को उछालना नहीं चाहते हैं। यह केवल सनसनी पैदा करने के लिए किया गया था। याचिका प्रिया मिश्रा और अन्य याचिकाकर्ताओं द्वारा दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने दूरदर्शन पर 24 घंटे सिंधी भाषा का चैनल शुरू करने का केंद्र को निर्देश देने संबंधी एक याचिका सोमवार को खारिज कर दी। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) सिंधी संगत की याचिका खारिज कर दी। शीर्ष अदालत ने कहा कि भाषा को संरक्षित करने के अन्य तरीके भी हो सकते हैं। कोर्ट के सामने एनजीओ की ओर से पेश

वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने कहा कि भाषा को संरक्षित करने का एक तरीका सार्वजनिक प्रसारण है। हाईकोर्ट ने 27 मई को एनजीओ की याचिका खारिज कर दी थी, जिसे उसने शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उत्तराखंड में चारधाम परियोजना का 75 फीसदी काम पूरा हो चुका है। यह परियोजना 900 किलोमीटर लंबी है और इसका मकसद उत्तराखंड के चार पवित्र स्थलों यमुनोत्री, गंगोत्री, केंदारनाथ और बद्रीनाथ को आपस में जोड़ना है। केंद्र की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने जस्टिस सी.टी.रवि कुमार और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ को बताया कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से नियुक्त निगरानी समिति ने शीर्ष कोर्ट में दो रिपोर्टें पेश की हैं। भाटी ने कहा कि यह निगरानी समिति पूर्व जज ए.के. सीकरी की अध्यक्षता में काम कर रही है। भाटी ने बताया कि समिति की रिपोर्ट अगस्त 2024 में प्रस्तुत की गई थी, जिसमें कहा गया था कि आवंटित काम का 75 फीसदी पूरा हो चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया, जिसमें भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) से अप्राकृतिक यौन संबंध के अपराधों के लिए दंडात्मक प्रावधानों को हटाने की मांग की गई थी। चीफ जस्टिस डी.वाई.चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि यह मुद्दा संसद के दायरे में आता है और कोर्ट इस मामले में कोई निर्देश नहीं दे सकते। पीठ ने कहा, हम संसद को कानून बनाने के लिए मजबूर नहीं कर सकते। हम किसी अपराध को नहीं बना सकते..अनुच्छेद 142 के तहत अदालत यह निर्देश नहीं दे सकती कि कोई विशेष कार्य अपराध है।

चुनाव से पहले सौगात: मुंबई से जुड़े सभी पांच बूथ टोल फ्री

नरेश मल्होत्रा

मुंबई, 14 अक्टूबर। महाराष्ट्र में छोटे वाहन चालकों के लिए बड़ी खुशखबरी है। विधानसभा चुनाव से पहले शिंदे कैबिनेट ने बड़ा एलान किया है। राज्य सरकार ने मुंबई में प्रवेश करने वाले सभी पांच टोल बूथों पर हल्के मोटर वाहनों के लिए टोल शुल्क को पूरी तरह से माफ करने की घोषणा की है। यह नियम आज रात 12 बजे से लागू हो जाएगा। विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने से पहले इसे महायुति सरकार का मास्टरस्ट्रोक माना जा रहा है। राज्य कैबिनेट की बैठक में इस संबंध में बड़ी घोषणा की गई। फिलहाल हल्के मोटर वाहनों से 45 रुपये टोल वसूला जाता है, इससे राहत मिली है। कैबिनेट का यह फैसला अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनावों में महायुति के पक्ष में मतदाताओं को लुभाने के लिए कई उपायों के बाद आया है। महाराष्ट्र के मंत्री दादाजी दगडू भुसे ने कहा, मुंबई में प्रवेश करने के दहिसर, आनंद नगर, वैशाली, ऐरोली और मुलुंड सहित पांच टोल प्लाजा थे। इन टोल पर 45 रुपये और 75 रुपये वसूले जाते थे, यह 2026 तक लागू था। लगभग 3.5 लाख वाहन आते-जाते थे। इनमें से लगभग 70 हजार भारी वाहन थे और 2.80 लाख हल्के वाहन थे। आज सरकार ने रात 12 बजे के बाद हल्के वाहनों को टोल से छूट देने का फैसला किया है। लोगों को कतारों में लगने वाला समय बचेगा। सरकार कई महीनों से इस पर चर्चा कर रही थी और आज यह क्रांतिकारी फैसला लिया गया है। महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) ने मुंबई में 55 फ्लाईओवर बनाए। इन पुलों की लागत वसूलने के लिए सबसे पहले मुंबई के प्रवेश द्वारों पर टोल बूथ बनाए गए। जैसे ही पुलों का निर्माण जैसे ही अंतिम चरण में पहुंचा तो टोल बूथों के निर्माण के लिए वर्ष 1999 में एक निविदा जारी की गई। वर्ष 2002 में सभी पांच टोल बूथ चालू हो गए। इसके बाद, मुंबई टोल बूथों पर प्रवेश बिंदुओं पर टोल वसूली शुरू की गई। महाराष्ट्र में, मुख्य रूप से मुंबई में, मनसे और कई कार्यकर्ता टोल माफ करने के लिए आंदोलन कर रहे हैं। हाल ही में, यूबीटी सेना और राज्य के पूर्व

मंत्री आदित्य ठाकरे ने भी मुंबई में टोल माफ करने की मांग की थी। महाराष्ट्र सरकार के मुंबई में प्रवेश के लिए घोषित टोल माफी के फैसले से रोजाना औसतन 2.8 लाख वाहनों को फायदा होने की संभावना है। महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) के एक अधिकारी ने बताया कि हर दिन 3.6 लाख वाहन एलबीएस रोड और मुलुंड में ईस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, ऐरोली क्रीक ब्रिज, दहिसर में वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे और वाशी क्रीक ब्रिगेड पर स्थित पांच टोल बूथों से गुजरते हैं। शहर में प्रवेश करने के लिए इन पांच टोल प्लाजा से गुजरने वाले कुल 3.6 लाख वाहनों में से औसतन 2.8 लाख हल्के मोटर वाहन होते हैं। हालांकि, ट्रांसपोर्टरों के एक संगठन ने सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए उस पर ट्रांसपोर्टर समुदाय के साथ सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया। अखिल भारतीय मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस की कोर कमेटी के अध्यक्ष बाल मलकीत सिंह ने कहा, ट्रांसपोर्ट समुदाय के सदस्य के रूप में मुझे इस क्षेत्र के साथ सौतेला व्यवहार देखकर दुख होता है, जो मुंबई के लोगों को आवश्यक सेवाएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने मांग की कि टोल छूट को वाणिज्यिक वाहन ऑपरेटरों तक बढ़ाया जाए। उन्होंने सीमा चौकियों को समाप्त करने की मांग दोहराई।

बहराइच में सड़क पर पिस्टल लेकर उतरे एनकाउंटर स्पेशलिस्ट

बहराइच, 14 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश में दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान रविवार रात को कई जिलों में बवाल हुआ। गोंडा, बलरामपुर के बाद बहराइच जिला पथराव और आगजनी से सुलग उठा। युवक की हत्या के बाद जमकर बवाल हुआ। देर रात तक प्रदर्शन और जगह-जगह आगजनी होती रही। इस बीच पुलिस और प्रशासन बैकफुट पर नजर आया। वहीं अगले दिन जब प्रशासन जागा तो सड़क पर खुद अपर पुलिस महानिदेशक अमिताभ यश भीड़ को खदेड़ते हुए नजर आए। सोशल मीडियो पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें वह हाथ में पिस्टल लेकर भीड़ को भगाते हुए नजर आ रहे हैं। वह सिपाहियों से कहते हुए नजर आ रहे हैं भगाव...मारो सालों को। यह पूरा वाकया रमपुरवा चौकी के पास का है। जहां अमिताभ यश के सामने भी जब उग्र भीड़ नहीं रुकी और एक वाहन तोड़ दिया। जिसके बाद उन्होंने अपनी पिस्टल से हवा के एक फायर किया और भीड़ को खदेड़ा। बहराइच में महसी तहसील के महराजगंज कस्बे में गाने को लेकर हुए विवाद के बाद दूसरे समुदाय के युवकों ने पथराव शुरू कर दिया। इससे दुर्गा प्रतिमा खंडित होने पर पूजा समिति के सदस्यों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया तो दूसरे समुदाय के लोग रामगोपाल मिश्रा (24) को घर के अंदर घसीट ले गए और गोली मार दी। उसे बचाने पहुंचे राजन (28) भी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना का पूरे जिले में विरोध शुरू हो गया। विसर्जन कमेटी के लोगों ने बहराइच-सीतापुर हाईवे पर चहलारी घाट पुल के पास जाम लगा प्रदर्शन शुरू कर दिया। बहराइच-लखनऊ हाईवे भी जाम कर दिया गया। बवाल के बाद रात को सैकड़ों जगह प्रतिमा विसर्जन रोक दिया गया। मामला बढ़ता देख छह थानों की पुलिस व पीएसी तैनात कर दी गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रविवार शाम महसी तहसील की प्रतिमा को विसर्जन के लिए ले जाया जा रहा था। महराजगंज कस्बे में पहुंचने पर दूसरे समुदाय के कुछ लोग मौके पर पहुंचे और गाली गलौज शुरू कर दी। प्रतिमा के साथ चल रहे लोगों ने इसका विरोध किया तो छतों से पथराव शुरू कर दिया गया। इस पर समिति के सदस्य प्रदर्शन करने लगे तो हजारों की भीड़ मौके पर पहुंची और उपद्रव शुरू कर दिया। सूचना पर भारी पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची।

हाथ और साइकिल होते साथ तो बदल सकती थी तस्वीर

कौमी संवाददाता

लखनऊ, 14 अक्टूबर। हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से मिली उपेक्षा के बावजूद सपा ने सकारात्मक सबक लिया है। एकला चलो की रणनीति से सिर्फ नुकसान ही हाथ लगेगा। इसलिए यूपी के विधानसभा उपचुनाव में इंडियन गठबंधन को बरकरार रखा जाएगा। इसमें कांग्रेस को सीटों के लिहाज से हिस्सेदारी मिल सकती है। हरियाणा चुनाव में कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन में शामिल सपा और आम आदमी पार्टी को कोई हिस्सेदारी नहीं दी थी। इस पर सपा ने तो वहां कोई प्रत्याशी नहीं उतारा, जबकि आम आदमी पार्टी ने चुनाव लड़ा। परिणाम पर नजर डालें तो कांग्रेस को 39.09 प्रतिशत, आम आदमी पार्टी को 1.79 प्रतिशत वोट ही मिला। वहीं, भाजपा 39.94 प्रतिशत वोट लेकर अकेले दम पर बहुमत हासिल करने में सफल रही। मुकाबला आमने-सामने का होने पर मतों में एक फीसदी का अंतर भी बड़ा मायने रखता है। इंडिया गठबंधन के रणनीतिकारों का मानना है कि अगर कांग्रेस ने अन्य दलों का साथ लेते हुए चुनाव लड़ा होता तो परिणाम की तस्वीर दूसरी ही होती। कांग्रेस 13 सीटें 5 हजार से कम मतों से हारी। सपा की हरियाणा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष सुरेंद्र भाटी तो यहां तक कहते हैं कि सपा का साथ न लेने से कांग्रेस को 35 सीटों पर नुकसान हुआ।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को जेड कैटेगरी सिक्योरिटी दी गई

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की सुरक्षा बढ़ाने का फैसला किया है। अब चिराग को जेड कैटेगरी की सुरक्षा देने का फैसला किया है। बताया गया है कि इससे पहले चिराग को एसएसबी के कमांडो की सुरक्षा मिली हुई थी। हालांकि, जेड कैटेगरी की सिक्योरिटी मिलने के साथ ही अब उन्हें सीआरपीएफ के जवान सुरक्षा देंगे। जेड कैटेगरी की सुरक्षा में चिराग के आसपास 22 सुरक्षाकर्मी तैनात होंगे। इनमें सीआरपीएफ जवानों के अलावा चार से पांच एनएसजी कमांडो और कुछ पुलिसकर्मी तैनात होते हैं। इसके अलावा उनकी सुरक्षा में एक एस्कॉर्ट गाड़ी, एक पायलट वाहन और यात्रा के दौरान सुरक्षा के अलग-अलग दायरे तय कर दिए जाते हैं। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत को भी केंद्र सरकार की तरफ से जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान करने का फैसला किया गया है। वह भी चिराग पासवान की तरह ही सीआरपीएफ जवानों के सुरक्षा घेरे में रहेंगे। बता दें कि जेड सुरक्षा उन्हीं लोगों को दी जाती है जिन्हें जान का गंभीर खतरा रहता है। अभी भारत में प्रमुख रूप से चार सुरक्षा श्रेणियां हैं।

इनमें जेड प्लस (36 सुरक्षाकर्मियों का घेरा), जेड (22 सुरक्षाकर्मियों का घेरा), वाई (11 सुरक्षाकर्मियों का घेरा) और एक्स (2 सुरक्षाकर्मियों का घेरा) शामिल हैं। इसके अलावा भारत के प्रधानमंत्री को एसपीजी सुरक्षा मिलती है, जो कि देश में सुरक्षा श्रेणियों का उच्चतम स्तर है। कुछ स्थितियों में पीएम के परिवार को भी इसी सुरक्षा घेरे में रखा जाता है।

दम है तो साजिशकर्ताओं का एनकाउंटर करिए: संजय राउत

तेजिन्दर कौर बब्बर

मुंबई, 14 अक्टूबर। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और अजित पवार वाली एनसीपी के दिग्गज नेता बाबा सिद्दीकी की शनिवार देर रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। अब इस मामले में जहां विपक्ष कानून व्यवस्था पर सवाल उठा रहा है। वहीं राज्य सरकार आरोपियों को कड़ी सजा देने की बात कर रही है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता संजय राउत ने केंद्र सरकार पर हमला बोला। वहीं, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि सरकार सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। संजय राउत ने कहा, मैंने पहले भी कहा था कि इस सरकार के बाद मुंबई में गैंगवार और अंडरवर्ल्ड की ताकत बढ़ सकती है। इस सरकार को अंडरवर्ल्ड का भी समर्थन हासिल है। अंडरवर्ल्ड गुजरात से चलाया जा रहा है। आज गुजरात में 5,000 करोड़ रुपये का ड्रग्स जब्त किया गया है। इसका मतलब है कि देश में 50,000 करोड़ रुपये का ड्रग्स पहले ही बांटा जा चुका है। अब इसका पैसा कहां किस पार्टी को जा रहा है इसे जनता को बताने की जरूरत नहीं है। उन्होंने आगे बोला, गुजरात की साबरमती जेल में बंद एक गैंगस्टर बाबा सिद्दीकी की हत्या की जिम्मेदारी लेता है। सिद्दीकी कोई आम नेता नहीं हैं। ऐसे शख्स की पुलिस सुरक्षा में हत्या हो गई। इसकी जिम्मेदारी कौन ले रहा है, जो एटीएस गुजरात की हिरासत में गैंगस्टर है वो। यह कितनी गंभीर बात है। केंद्रीय गृह मंत्री के लिए एक चुनौती है जो गुजरात से हैं। अजित पवार को अमित शाह के

इस्तीफे की मांग करनी चाहिए। राउत ने कहा कि उन्होंने (सीएम शिंदे) अक्षय शिंदे (बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी) को गोली मारने के बाद खुद को सिंघम घोषित कर दिया। अब इस सिंघमगिरी को यहां दिखाएं। हिम्मत है तो बाबा सिद्दीकी मर्डर केस के साजिशकर्ताओं का एनकाउंटर करिए। वहीं, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद राज्य की कानून व्यवस्था पर उठ रहे सवालों पर कहा कि सरकार सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसे अपराधों के लिए जिम्मेदार आरोपियों को जवाबदेह ठहराया जाए और उन्हें बख्शा नहीं जाए। शिंदे ने इस बात की पुष्टि की कि मुंबई पुलिस ने दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। साथ ही कहा कि महाराष्ट्र के नागरिकों की सुरक्षा सरकार के लिए सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, बाबा सिद्दीकी की हत्या की घटना दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद है। मुंबई पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी एक यूपी से और दूसरा हरियाणा से है। तीसरा आरोपी फरार है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उसे बख्शा नहीं जाएगा चाहे वो कोई भी हो, चाहे वह बिश्नोई गैंग हो या कोई अंडरवर्ल्ड गैंग। सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिन लोगों को धमकी मिल रही है, उनकी सुरक्षा राज्य सरकार की जिम्मेदारी है और वह अपनी जिम्मेदारी निभाएगी। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) नेता बाबा सिद्दीकी का अंतिम संस्कार रविवार को मुंबई के बड़ा कब्रिस्तान में राजकीय सम्मान के साथ किया गया। बाबा सिद्दीकी के अंतिम संस्कार के दौरान बड़ा कब्रिस्तान में प्रफुल्ल पटेल, छगन भुजबल और अजीत पवार सहित एनसीपी नेता मौजूद थे। महाराष्ट्र के दिग्गज नेता बाबा सिद्दीकी को रविवार को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया।

कौमी पत्रिका में

बहुत ही सस्ते रेटों पर विज्ञापन छपवाएं !

SANJAY KUMAR
Senior Marketing Executive

Advertisement Office. - 5, BAHADUR SHAH ZAFAR MARG , PRESS AREA, ITO, NEW DELHI 110002
PHONE: 9312051236
E-mail ID: qpatrika@gmail.com

हिजबुल्लाह ने ड्रोन के जरिये इजरायल के बिनयामिना बेस पर किया हमला

एजेंसी

तेल अवीव। हिजबुल्लाह आंदोलन ने ड्रोन के जरिये बिनयामीना-गिवात अदा के पास इज़राइल रक्षा बल (आईडीएफ) बेस पर हमला किया,

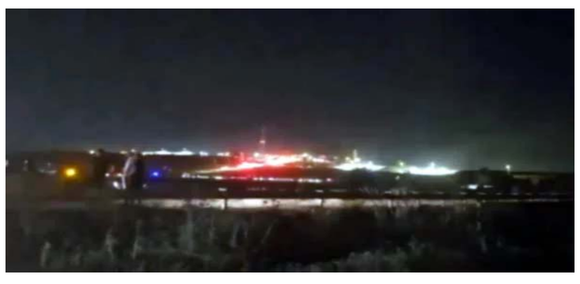

जिसमें चार सैनिक मारे गए और कई अन्य घायल हुए हैं। इजरायली सेना ने सोमवार को कहा, कल (रविवार), हिजबुल्लाह आतंकवादी संगठन ने ड्रोन के जरिये बिनयामीना से सटे एक सेना के बेस पर हमला किया। सभी घायल व्यक्तियों को अस्पतालों में ले जाया गया है और उनके परिवारों को सूचित कर दिया गया है। घटना में चार सैनिक मारे गए और सात अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सेना ने कहा कि वह घटना की जांच कर रही है। इज़राइली एम्बुलेंस सेवा (एमडीए) ने पहले बताया था कि ड्रोन हमले के कारण 60 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

गाजा में नुसेरात शरणार्थी शिविर पर इजरायली हमले में 13 की मौत

गाजा। मध्य गाजा पट्टी में नुसेरत शरणार्थी शिविर में विस्थापित लोगों के आवास वाले एक विद्यालय पर इजरायली हमले में कम से कम 13 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। एक चिकित्सा स्रोत ने रूस की न्यूज एजेंसी स्पूतनिक को यह जानकारी दी। सूत्र ने कहा, मध्य गाजा पट्टी में नुसेरत शिविर में विस्थापित लोगों के आवास वाले एक विद्यालय पर इजरायल ने टैंक से हमले किया, जिसके कारण कम से कम 13 लोग मारे गए। उल्लेखनीय है कि हमास ने गत वर्ष सात अक्टूबर इज़रायल की सीमा में घुसकर और गाजा पट्टी से बड़े पैमाने पर रॉकेट दाकर हमला किया था, जिसमें लगभर लगभग 1,200 लोग मारे गए थे। इस दौरान हमास के लड़ाकों ने 200 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया था। इसके बाद इज़रायल रक्षा बलों ने गाजा पट्टी में 'ऑपरेशन आयरन स्वॉर्ड्स' शुरू किया और एन्क्लेव की पूरी नाकाबंदी की घोषणा की। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार,गत वर्ष सात अक्टूबर से अब तक मरने वालों की संख्या 41,900 से अधिक हो गई है और 97,300 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

बंगलादेश में हिंदू दुर्गा पूजा उत्सव हुआ समाप्त

ढाका। बंगलादेश में हिंदुओं के सबसे बड़े हिंदू त्योहारों में से एक दुर्गा पूजा मूर्तियों के विसर्जन के साथ समाप्त हो गई। पांच दिवसीय दुर्गा पूजा उत्सव में हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार देवी दुर्गा की शक्ति और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक पूजा की जाती है। कई दिनों तक पूजा करने के बाद रविवार को आंखों में आंसू लिए भक्तों ने अपनी

प्रिय मां दुर्गा को अलविदा कहा। पांचवें दिन मां दुर्गा की मूर्तियों को तालाबों, झीलों और नदियों में विसर्जित कर दिया गया। बंगलादेश पूजा उद्‌जापन परिषद (बीपीयूपी) के अनुसार, इस वर्ष देश भर में 31,400 मंडपों में दुर्गा पूजा मनाई गई। भक्तों ने त्योहार मनाने के लिए नृत्य और पारंपरिक ढोल वादन सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया।

सऊदी में काम पर गए युवक की 15वीं मंजिल से गिरकर हुई मौत, परिवार में छाया मातम

बिजनौर। जनपद के कस्बा किरतपुर के एक युवक की सऊदी अरब में बिल्डिंग की 15 वीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई जिसकी सूचना देर रात मिलने पर परिवार में कोहराम मच गया । मामला सऊदी अरब की राजधानी रियाद का है जहाँ किरतपुर के मोहल्ला चाह रोनक निवासी

खालिद राइन का 23 वर्षीय पुत्र मोहम्मद नोमान 4 दिसम्बर 23को काम करने रियाद गया था । 12 अक्टूबर को रियाद शहर में नोमान 29 मंजिला इमारत की 15 वीं मंजिल पर काम कर रहा था जहाँ उसके साथ पाकिस्तान का एक अन्य युवक भी था। बताया गया है कि दोनों काम करते समय 15 वीं मंजिल से गिरे जहाँ दोनों की मौत हो गई। सूचना मिलने पर नोमान के घर मातम छा गया। नोमान के पिता खालिद ने भारत सरकार से अपील की है कि हमारे पुत्र के जनाजे को भारत लाने में सहायता करें ।

नाटो ने उत्तरी यूरोप में बड़े पैमाने पर परमाणु अभ्यास शुरू किया

एजेंसी

ब्रुसेल्स। उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) उत्तरी यूरोप में बड़े पैमाने पर परमाणु अभ्यास 'स्टीडफास्ट नून' शुरू कर रहा है, जिसमें 13 गठबंधन देशों के 2,000 सैनिक और 60 सैन्य विमान भाग लेंगे।नाटो महासचिव मार्क रट ने कहा, अभ्यास मुख्य रूप से ब्रिटेन, उत्तरी सागर, साथ ही बेल्जियम और नीदरलैंड में होंगे। उन्होंने कहा कि इन अभ्यासों से विरोधियों को पता चल जाएगा कि नाटो किसी भी खतरे का जवाब देने के लिए तैयार है। नाटो ने पहले कहा था कि अभ्यास की योजना एक साल से अधिक समय पहले तैयार की गयी थी और अभ्यास में किसी भी लड़ाकू हथियार का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा।

युद्धाभ्यास दो सप्ताह तक चलेगा। इसमें आठ एयरबेस शामिल होंगे। विशेष रूप से परमाणु हथियार, बमवर्षक, एस्कॉर्ट फाइटर और ईंधन भरने वाले विमान ले जाने में सक्षम विभिन्न विमान, साथ ही टोही और इलेक्ट्रॉनिक युद्धक विमान अभ्यास में भाग लेंगे। नाटो प्रेस सेवा ने कहा कि गठबंधन लगातार परमाणु निरोधक

बलों की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रहा है। विशेष रूप से, 2024 में, नए डच लड़ाकू विमानों एफ35ए को परमाणु निरोधक मिशनों में उपयोग के लिए उपयुक्त माना गया। गौरतलब है कि इस तथ्य के बावजूद कि नाटो का यह अभ्यास पूर्व निर्धारित है, युद्ध-विरोधी संगठनों ने अंतरराष्ट्रीय जगत में जारी तनावों के संदर्भ में उसके आचरण की आलोचना की है। नाटो रणनीतिक अवधारणा में गठबंधन के नेताओं ने कहा है कि जब तक परमाणु हथियार मौजूद हैं, तब तक नाटो एक परमाणु गठबंधन बना रहेगा।

सूडान में बाजार पर हवाई हमले में 23 की मौत

एजेंसी

खार्तूम। सूडान के दक्षिणी खार्तूम के एक मुख्य बाजार में हवाई हमले में कम से कम 23 नागरिक मारे गए और 40 से अधिक अन्य घायल हो गए। स्थानीय स्वयंसेवक और गैर-सरकारी समूहों ने यह जानकारी दी।

स्थानीय स्वयंसेवी समूह साउथ खार्तूम इमरजेंसी रूम ने एक बयान में कहा, यह घटना तब हुई जब युद्धक विमानों ने कल (शनिवार) दोपहर खार्तूम में अल-सूक अल-मरकजी (केंद्रीय बाजार) पर बमबारी की।बयान में कहा गया, घायलों को इलाज के लिए बशीर, एलराज़ी और अलराकी अस्पतालों में स्थानांतरित किया गया। कुछ की हालत गंभीर है।

अभी तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। सैन्य सूत्रों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सूडानी सशस्त्र बल (एसएएफ) ने 26 सितंबर को राजधानी खार्तूम में अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के खिलाफ एक

महत्वपूर्ण आक्रमण शुरू किया, जो शहर पर नियंत्रण हासिल करने के लिए महीनों में इसका सबसे महत्वपूर्ण प्रयास था। संयुक्त राष्ट्र मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय के नवीनतम अनुमान के अनुसार, 15 अप्रैल, 2023 से सूडान एसएएफ और आरएसएफ के बीच हिंसक संघर्ष में उलझा हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप लगभग 20 हजार मौतें, हजारों घायल और लाखों लोग विस्थापित हुए हैं।

श्रीलंका में भारी वर्षा से तीन लोगों की मौत, 1.34 लाख से अधिक विस्थापित

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका में सोमवार सुबह तक भारी वर्षा से हुई आपदाओं के कारण तीन लोगों की मौत हो गई। श्रीलंका के आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) ने सोमवार को बताया कि देश भर के 12 जिलों में सात अक्टूबर से जारी भारी वर्षा से होने वाली आपदाओं के कारण आज सुबह तक 34,492 परिवारों के 1,34,484 लोग विस्थापित हो चुके हैं। श्रीलंका के सिंचाई विभाग ने पांच मुख्य नदियों के किनारे बसे सात स्थानों पर बाढ़ की चेतावनी दी है। देश के मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, पश्चिमी, सबारागामुवा, उत्तर-पश्चिमी और उत्तरी प्रांतों तथा गैले और मतारा जिलों में कुछ स्थानों पर 100 मिलीमीटर से अधिक भारी वर्षा होने के आसार हैं।

चीन ने ताइवान के प्रमुख बंदरगाहों पर युद्धाभ्यास शुरू किया

एजेंसी

बीजिंग। चीन ने ताइवान के बंदरगाहों और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा उन पर नियंत्रण के लिए ज्वाइंट सॉर्ड -2024बी सैन्य अभ्यास शुरू किया है। चीन के पीपुल्स लिबरेशन सेना के प्रवक्ता एवं नौसेना सीनेटर कैप्टन ली शी ने सोमवार को बताया कि द्वीप के प्रमुख बंदरगाहों और क्षेत्रों पर हमले को अवरूद्ध करने, सुरक्षा सुनिश्चित करने और क्षेत्र को नियंत्रण में लेने का अभ्यास करने के लिए सोमवार को ताइवान के चारों ओर ज्वाइंट सॉर्ड -2024बी सैन्य अभ्यास शुरू किया गया।

श्री शी ने चीनी रक्षा मंत्रालय की वेबसाइट पर प्रकाशित एक बयान में कहा, पीएलए ईस्टर्न थिएटर कमांड ने 14 अक्टूबर को ताइवान द्वीप के उत्तर, दक्षिण और पूर्व के क्षेत्रों में ताइवान स्ट्रेट में ज्वाइंट सॉर्ड -

2024 बी अभ्यास करने के लिए अपनी जमीनी सेना, नौसेना और वायु सेना, मिसाइल और अन्य सैनिकों को भेजा था। उन्होंने बताया कि सैन्य अभ्यास के दौरान पीएलए जहाज और विमान अलग-अलग दिशाओं से ताइवान की ओर आ रहे हैं और विभिन्न बल संयुक्त हमला युद्धाभ्यास करेंगे तथा नौसेना और वायु सेना के संयुक्त गश्त पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्रमुख बंदरगाहों और क्षेत्रों को अवरुद्ध करने और नियंत्रण लेने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। उल्लेखनीय है कि चीन की केंद्र सरकार और उसके द्वीप प्रांत के बीच औपचारिक संबंध 1949 में तब टूट गए, जब चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के साथ गृह युद्ध में हारने के बाद चियांग काई-शेक की कुओमितांग सेना ताइवान चली गयी। द्वीप और मुख्य भूमि चीन के बीच व्यापार और अनौपचारिक संपर्क 1980 के दशक के अंत में फिर से शुरू हुए। नब्बे के दशक की शुरुआत से, दोनों पक्ष गैर-सरकारी संगठनों - बीजिंग स्थित एसोसिएशन फॉर द डेवलपमेंट ऑफ रिलेशन्स अक्रॉस द ताइवान स्ट्रेट्स और ताइपे स्थित क्रॉस-स्ट्रेट एक्सचेंज फाउंडेशन के माध्यम से संपर्क में रहे हैं।

पाकिस्तान के कुर्रम में हुयी झड़पों में 15 की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कुर्रम क्षेत्र में दो गुटों के बीच हुयी झड़प में दो महिलाओं और एक बच्चे सहित पंद्रह लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। पुलिस सूत्रों का दावा है किसुबह मकबल आदिवासियों की ओर से गोलीबारी किये जाने के बाद लड़ाई शुरू हुयी। गोलीबारी से दो कंज अलीजई आदिवासी घायल हो गये।

पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार उन्होंने कहा कि घटना के तुरंत बाद यात्रियों और अन्य कारों पर हमले हुए और लड़ाई तेजी से जिले के कई इलाकों तक फैल गई। सूत्रों के मुताबिक, मृतकों और घायलों को पाराचिनार के जिला अस्पताल लाया गया। पाराचिनार डीएचक्यू के चिकित्सा पर्यवेक्षक डॉ. सैयद मीर हसन ने कहा, 'एक घायल व्यक्ति को यहां भर्ती किया गया है और अन्य को अन्य अस्पतालों में ले जाया गया है।' कुर्रम के उपायुक्त

जावेदुल्लाह महसूद ने कहा कि पारगमन में उपयोग के लिए राजमार्गों को सुरक्षित करने और स्थायी शांति लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।पीर हैदर शाह नाम के एक स्थानीय आदिवासी परिषद के सदस्य ने कहा कि आगजनी की घटना के कारण क्षेत्र में शांति स्थापित करने के प्रयासों के लिए झटका है। उल्लेखनीय है कि दोनों जनजातियों को संवाद करने में मदद करने के लिए जिला प्रशासन ने सितंबर में एक स्थानीय जिरगा बुलाई। इसके अलावा, केपी सरकार ने भूमि मुद्दों के समाधान के लिए एक भूमि आयोग की स्थापना की। क्षेत्र में संपत्ति संघर्ष के परिणामस्वरूप पिछले महीने 46 मौतें हुईं।

यूक्रेन संघर्ष के कारण अलग हुए 48 परिवारों का पुनर्मिलन हुआः रूस

एजेंसी

मास्को। रूसी मानवाधिकार आयुक्त तात्याना मोस्कलकोवा ने कहा है कि यूक्रेनी लोकपाल दिमित्रो लुबिनेट्स और रूसी विदेश मंत्रालय से अपील के बाद विशेष सैन्य अभियान के दौरान अलग हुए 48 परिवारों को फिर से मिला दिया गया है। श्री मोस्कलकोवा ने आर्गुमेंटी आई फैक्टी अखबार को दिए एक साक्षात्कार में सैन्य संघर्ष में अलग हुए बच्चों के माता-पिता को फिर से मिलाने की समस्याओं के बारे में एक सवाल का जवाब देते हुए कहा, 48 परिवारों को पहले ही फिर से मिला दिया गया है। हर कहानी बहुत कठिन है।

उन्होंने कहा कि रूसी मानवाधिकार आयुक्त के कार्यालय को कुर्स्क क्षेत्र के एक हजार से अधिक निवासियों के बारे में अपीलें मिली हैं, जिन्हें यूक्रेनी सशस्त्र बलों ने उनके रिश्तेदारों के पास से जबरन हटा दिया हैं। उनके रिश्तेदार उन्हें

खोजने की कोशिश कर रहे हैं। रूसी लोकपाल ने कहा कि नागरिकों को उनके स्थायी निवास स्थानों से जबरन हटाना जिनेवा समझौते का घोर उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि रूस के 65 क्षेत्रों में नागरिकों के लिए 960 अस्थायी आवास केंद्र बनाए गए हैं और यूक्रेनी सेना द्वारा की गई गोलाबारी के कारण वर्तमान में उनमें 30,415 लोग रह रहे हैं, जिनमें से 7,670 बच्चे हैं।

धार्मिक कर्मकांड विरोधी कम्युनिस्ट पार्टी के मुख्यालय का शिलान्यास शास्त्रीय विधि एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न

काठमांडू। धार्मिक कर्मकांड एवं पूजा-पाठ का विरोध करने वाली नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) के मुख्यालय भवन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास का कार्यक्रम पूरे शास्त्रीय विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। पार्टी कार्यकर्ताओं को धर्म-कर्म के मामलों से दूर रहने की नसीहत देने वाली नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के अध्यक्ष खुद पूरे विधि-विधान पूर्वक पूजा-पाठ करते हुए नजर आए। नेपाल में सत्तारूढ़ नेकपा (एमाले) के मुख्यालय भवन का भूमि पूजन एवं शिलान्यास काठमांडू में विजयादशमी के शुभ अवसर पर संपन्न हुआ। पार्टी मुखिया एवं देश के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली अपनी पत्नी सहित इस भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्य यजमान के रूप में उपस्थित थे।

नेपाल सीमा पर चीनी अतिक्रमण संबंधी सरकारी फाइल गायब, कर्मचारियों के मुंह खोलने पर प्रतिबन्ध

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल की उत्तरी सीमा पर चीन के अतिक्रमण को लेकर तैयार की गई सरकारी रिपोर्ट की फाइल गायब होने का खुलासा हुआ है।विदेश मंत्रालय की तरफ से संसदीय समिति को भेजे गए पत्र में जांच रिपोर्ट की फाइल मिसिंग होने की बात कही गई है। इतना ही नहीं, इस रिपोर्ट को तैयार करने वाले सभी सरकारी कर्मचारियों के कुछ भी बोलने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।

नेपाल और चीन के बीच सीमा विवाद की बात उठने के बाद 2021 में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउवा की सरकार ने जांच के लिए गृह मंत्रालय के सहसचिव जयनारायण आचार्य के संयोजकत्व में पांच सदस्यीय समिति का गठन किया था। इस समिति ने तीन महीने तक नेपाल-चीन की सीमाओं का भ्रमण कर उसके आधार पर रिपोर्ट तैयार करके सरकार को सौंप दी थी लेकिन उस रिपोर्ट को कभी सार्वजनिक नहीं किया गया। अब

जब उस रिपोर्ट की फाइल खोजी जा रही है तो वह रिपोर्ट ही गायब होने की बात बताई जा रही है। कुछ दिन पहले ही संसद की अंतरराष्ट्रीय संबंध समिति ने विदेश मंत्री को बुलाकर नेपाल-चीन सीमा से संबंधित रिपोर्ट के बारे में पूछा तो विदेश मंत्री डॉ. आरजू देउवा ने इस बारे में पता लगाकर संसदीय समिति को जानकारी देने की बात कही थी। अब विदेश मंत्रालय की तरफ से सोमवार को संसदीय समिति को भेजे गए पत्र में जांच रिपोर्ट की फाइल मिसिंग होने की बात कही गई है। समिति के सभापति राजकिशोर यादव ने बताया कि आज ही विदेश मंत्री को दोबारा संसदीय समिति में खुद हाजिर होकर इस पर जवाब देने के लिए पत्र भेजा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार इतनी असंवेदनशील कैसे हो सकती है। समिति के सभापति यादव ने कहा कि यह एक बड़ा षड्यंत्र है। नेपाल की सीमा पर चीन के अतिक्रमण की बात जगजाहिर है लेकिन सरकार के दस्तावेज से रिपोर्ट ही गायब हो जाना शर्मनाक है। जांच समिति के संयोजक रहे जयनारायण आचार्य मौजूदा ओली सरकार में काठमांडू के प्रमुख जिला अधिकारी हैं। इस रिपोर्ट के बारे में पूछने पर आचार्य ने कुछ भी प्रतिक्रिया देने से इंकार कर दिया। इस समिति के एक सदस्य ने नाम नहीं लिखने की शर्त पर बताया कि सरकार की तरफ से उनको इस रिपोर्ट के बारे में सार्वजनिक तौर पर या मीडिया में कुछभी बोलने पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके लिए बकायदा लिखित में आदेश दिया गया है।

राष्ट्रपति मुर्मु अल्जीरिया में मिलीं भारतीय समुदाय से, कहा-आप भारत के सच्चे राजदूत

एजेंसी

अल्जीयर्स। भारतीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अल्जीरिया की राजधानी अल्जीयर्स में भारतीय समुदाय के स्वागत समारोह में हिस्सा लिया। राष्ट्रपति ने कहा कि आप भारत के सच्चे राजदूत हैं। अल्जीरिया में भारतीय समुदाय अपने देश के हितों और सॉफ्ट पावर को आगे बढ़ाने वाला पुल है। राष्ट्रपति मुर्मु रविवार को यहां पहुंचीं हैं। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर साझा की गई सचित्र पोस्ट में यह जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि आप में से प्रत्येक व्यक्ति अपने भीतर हमारी प्राचीन भूमि के मूल्य और संस्कृति को समेटे हुए है। जब भी आप किसी अल्जीरियाई व्यक्ति से मिलते हैं, तो आप उसका परिचय भारत की भावना से कराते हैं। भारत सरकार और भारतीय समाज ने विदेशों में भारत की

स्थिति, प्रतिष्ठा और प्रतिष्ठा को बढ़ाने में भारतीय समुदाय के योगदान को हमेशा महत्व दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में कल अल्जीरिया पहुंचीं। यह किसी भारतीय राष्ट्रपति की अल्जीरिया की पहली यात्रा है। हवाई अड्डे पर अल्जीरिया के राष्ट्रपति अब्देलमदजीद तेब्बौने ने उनका जोरदार स्वागत किया। अल्जीरिया सरकार की कैबिनेट के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

इजराइल की सैन्य ताकत बढ़ेगी, अमेरिका 100 सैनिकों के साथ भेजेगा उन्नत मिसाइल रक्षा प्रणाली

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका ने इजराइल को उन्नत मिसाइल रक्षा प्रणाली भेजने का फैसला किया है। साथ ही इसे संचालित करने के लिए लगभग 100 अमेरिकी सैनिक भी भेजे जाएंगे। सात अक्टूबर, 2023 को हमास के हमलों के बाद यह इजराइल में अमेरिकी सेना की पहली तैनाती होगी। यह जानकारी पेंटागन ने दी। द न्यूयार्क टाइम्स की खबर के

अनुसार, इस कदम से बैलिस्टिक मिसाइलों से बचाव के लिए डिजाइन की गई जमीन-आधारित इंटरसेप्टर प्रणाली का संचालन करने वाले अमेरिकी सैनिक मध्य पूर्व में व्यापक युद्ध के करीब पहुंच जाएंगे। पेंटानग ने यह कदम ईरान के पहली अक्टूबर को इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइलों सहित लगभग 200 मिसाइलें दागने के बाद उठाया है। इस समय ईरान पर इजराइल जवाबी कार्रवाई की योजना बना रहा है। खबर में कहा गया है कि रविवार को जब इस बारे में पूछा गया तो राष्ट्रपति जो बाइडेन ने केवल इतना कहा कि उन्होंने पेंटागन को इजरायल के लिए रक्षा प्रणाली तैनात करने का आदेश दिया है। इस बीच हिजबुल्लाह ने उत्तरी इजराइल में एक सैन्य अड्डे के खिलाफ ड्रोन हमले की जिम्मेदारी ली है। इस हमले में दर्जनों लोग घायल हुए हैं।

चीन के दौरे पर जाएंगे नेपाल के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा चीन दौरे की तैयारी में जुटे हैं। काठमांडू स्थित चीनी दूतावास के अधिकारी प्रधानमंत्री कार्यालय और विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के साथ लगातार बैठकें कर रहे हैं। दौरे का एजेंडा तय किया जा रहा है। इस दौरे में नेपाल बेल्ट एंड रोड इनिसिएटिव के कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर हो सकता है। नवंबर के पहले हफ्ते में विदेश मंत्री डॉ. राणा बीजिंग जाएंगी। काठमांडू स्थित चीनी दूतावास के अधिकारी विदेश मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक कर चीन दौरे के एजेंडे को अंतिम रूप देने में लगे हुए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अमृत राई ने विजयादशमी पर आयोजित शुभकामना कार्यक्रम में कहा कि विदेश मंत्री डॉ. राणा नवंबर के प्रथम सप्ताह में चीनी विदेश मंत्री वांग यी के निमंत्रण पर बीजिंग जाएंगी। औपचारिक तारीख का ऐलान जल्द होगा।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

महिला डॉक्टर के यौन शोषण मामले में आआपा की महिला विधायक एलजी से करेंगी मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में महिला डॉक्टर के साथ यौन शोषण करने वाले मेडिकल सुपरिटेंडेंट (एमएस) पर एफआईआर और उसकी गिरफ्तारी को लेकर आम आदमी पार्टी (आआपा) की महिला विधायक और महिला पार्षद दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) वीके सक्सेना से आज दोपहर 2 बजे मुलाकात करने जाएंगी। उल्लेखनीय है कि आआपा नेता संजय सिंह ने शनिवार को प्रेस वार्ता कर कहा था कि दिल्ली के एक सरकारी अस्पताल में काम करने वाली महिला डॉक्टर के साथ यौन उत्पीड़न हो रहा है और आरोपित मेडिकल सुपरिटेंडेंट है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और एलजी जिन्हें शिकायत मिली वो इस मामले पर कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं।

हर चुनाव में ईवीएम का दुरुपयोग होता रहा है : कपिल सिब्बल

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने ईवीएम के दुरुपयोग की बात की और कहा कि हर चुनाव में ऐसा होता रहा है। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मैं शुरू से ही यह कहता हुआ आ रहा हूं कि ईवीएम का दुरुपयोग हमेशा से ही होता रहा है। चाहे वो लोकसभा के चुनाव हो या विधानसभा के चुनाव। हर चुनाव में ईवीएम का दुरुपयोग होता रहा है। उन्होंने आगे कहा, मैं हमेशा से ही ईवीएम के खिलाफ बयान देता हुआ आया हूं। मेरे कई बयान आपको याद हो होंगे। मैंने कई दफा इस बातचीत पर बल दिया है कि सभी चुनावों में ईवीएम का दुरुपयोग हो रहा है। उन्होंने कांग्रेस का जिक्र कर कहा, अब कांग्रेस ने हाल ही के चुनाव में ईवीएम के दुरुपयोग का मुद्दा उठाया है। यही नहीं, कांग्रेस ने इस संबंध में चुनाव आयोग में शिकायत तक दर्ज कराई है। अब आने वाले दिनों में कांग्रेस इस संबंध में सबूत भी आयोग को मुहैया कराएगी। इसके बाद आगे की स्थिति खुद ब खुद स्पष्ट हो जाएगी।उन्होंने कहा कि इस बात को खारिज नहीं कर सकते हैं कि चुनावों में ईवीएम का दुरुपयोग होता आया है। हम कई बार इस मुद्दे को विभिन्न चुनावी मंचों पर भी उठा चुके हैं। ज्ञात हो कि हाल ही में सम्पन्न हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने ईवीएम के दुरुपयोग का मुद्दा उठाया था। सत्ता विरोधी लहर के बावजूद भारतीय जनता पार्टी की शानदार जीत के बाद कांग्रेस ने ईवीएम को लेकर चुनाव आयोग में भी शिकायत की। कांग्रेस का आरोप है कि वोट की काउंटिंग होने के बावजूद भी आंकड़े देरी से सार्वजनिक किए गए, जिसे लेकर कई तरह के गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

वायु प्रदूषण नियंत्रण संबंधित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट दिल्ली में वायु प्रदूषण नियंत्रण से संबंधित एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर प्रकाशित वाद सूची के अनुसार, न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति एजी. मसीह की पीठ मामले की सुनवाई करेगी। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने धान की पराली जलाने वाले किसानों से नाममात्र का मुआवजा वसूलने पर चिंता जताई थी। सुप्रीम कोर्ट ने पराली जलाने के मामले में एक भी अभियोजन मामला नहीं चलाने के बावजूद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को उसके निर्देशों को लागू करने के लिए कोई प्रयास नहीं करने के लिए फटकार लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद, सीएक्यूएम ने हाल ही में एक निर्देश जारी किया, जिसमें पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के एनसीआर क्षेत्रों के जिलाधिकारियों को निष्क्रियता बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया था। पंजाब और हरियाणा के हॉटस्पॉट जिलों में 26 केंद्रीय टीमों को तैनात करने का निर्णय लिया गया है, जो जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ संपर्क बनाए रखेंगी। इसके अलावा, चंडीगढ़ में पैडी स्टब्ल मैनेजमेंट सेल (धान पराली प्रबंधन प्रकोष्ठ) स्थापित करना का फैसला लिया गया है, ताकि जो क्षेत्र स्तरीय कार्रवाई की समन्वित और निरंतर निगरानी करेगा। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन के लिए 2020 में सीएक्यूएम की स्थापना की गई थी, ताकि वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) से जुड़ी समस्याओं का बेहतर समन्वय, अनुसंधान, पहचान और समाधान किया जा सके।

गुरनाम सिंह चढूनी के बयान का जेडीयू नेता केसी त्यागी ने किया समर्थन

नई दिल्ली। जेडीयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने हरियाणा चुनाव में कांग्रेस की हार पर किसान नेता गुरनाम सिंह चढूनी के बयान, मुंबई में बाबा सिद्दीकी की हत्या और कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम के बयान पर प्रतिक्रिया दी। मुंबई में बाबा सिद्दीकी की हत्या उनके बेटे के कार्यालय के पास कर दी गई। इस घटना के बाद विपक्षी पार्टियों ने कानून व्यवस्था पर तमाम तरह के सवाल उठा रही हैं। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए जेडीयू नेता केसी त्यागी ने कहा, बाबा सिद्दीकी मुंबई प्रांत के बड़े नेताओं में से एक थे। वह स्वर्गीय सुनील दत्त के बेहद करीबी थे। उनकी हत्या पर हमें शोक है और यह कानून व्यवस्था पर भी प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है। किसान नेता गुरनाम सिंह चढूनी ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि किसान ने कांग्रेस का साथ दिया। लेकिन, कांग्रेस ने किसानों के बारे में नहीं सोचा। इस पर जेडीयू नेता ने कहा, न्यूनतम समर्थन मूल्य से लेकर लाभकारी मूल्य तक, किसान समय-समय पर कांग्रेस के शासनकाल में यह मांग करते रहे हैं। लेकिन, कांग्रेस के शासन काल में किसानों की मांग पूरी नहीं हुई।

मोदी ने भारत मंडपम में पीएम गतिशक्ति अनुभूति केंद्र का किया दौरा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिना किसी पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के प्रगति मैदान के भारत मण्डपम में पीएम गति शक्ति के अनुभूति केंद्र का दौरा किया।

पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय वृहद योजना मल्टीमॉडल परिवहन एवं यातायात क्षेत्र की परियोजनाओं के नियोजन और क्रियान्वयन के लिए एक नई पहल है ,जिसमें सभी संबंधित विभाग पूरे आंकड़ों के साथ परियोजनाओं का निर्धारण और क्रियान्वयन करते हैं इससे समय और संसाधनों की बचत हो रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने तीन साल पहले आज ही के दिन पीएम गतिशक्ति पहला लागू करने की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री ने इसकी तीसरी वर्षगांठ पर आज भारत

मंडपम में स्थापित पीएम गतिशक्ति अनुभव केंद्र का दौरा किया जिसमें इस पहल के बाद तमाम पर यह परियोजनाओं के नियोजन और क्रियान्वयन की झाकियां प्रस्तुत की गई है। प्रधानमंत्री कार्यालय की विज्ञप्ति में कहा गया है किअनुभूति केंद्र पीएम गतिशक्ति की प्रमुख विशेषताओं, उपलब्धियों और मील के पत्थर को प्रदर्शित करता है।

सरकार का कहना है कि श्री मोदी ने पीएम गतिशक्ति के प्रभाव के कारण देश भर में परियोजनाओं की योजना और कार्यान्वयन में हुई प्रगति की सराहना की। उन्होंने सभी क्षेत्रों में इसे अपनाने की सराहना की, जिससे विकसित भारत के दृष्टिकोण को पूरा करने में गति मिल रही है।

प्रधानमंत्री गतिशक्ति प्रणाली के तहत अब तक 15.39 लाख करोड़ की 200 से अधिक परियोजनाओं का नियोजन और क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस अवधारणा को अब जिला स्तर पर ले जाने के लिए औद्योगिक एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईटी) पायलट परियोजनाएं शुरू कर रहा है।

नेपाल और श्रीलंका ने भी प्रधानमंत्री गतिशक्ति एप्लीकेशन के उपयोग के लिए भारत सरकार के साथ करार किए हैं।

दिल्ली सरकार ने दिल्ली विश्वविद्यालय के अपने वित्तपोषित कॉलेजों के लिए जारी किए 100 करोड़

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली विश्वविद्यालय के अपने वित्तपोषित कॉलेजों के लिए तीसरी तिमाही में भी लगभग 100 करोड़ रुपये जारी किए हैं। दिल्ली सरकार द्वारा इन वित्तपोषित कॉलेजों के लिए वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 400 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन में राज्य सरकार के लिए शिक्षा हमेशा सबसे बड़ी प्राथमिकता रही है। जबसे दिल्ली में केजरीवाल के नेतृत्व की सरकार आयी है हर साल बजट में शिक्षा को सबसे बड़ा हिस्सा दिया जाता है। स्कूलों के साथ-साथ दिल्ली सरकार ने उच्च शिक्षा पर ध्यान केंद्रित किया और तीन नए विश्वविद्यालय खोले, मौजूदा विश्वविद्यालयों का विस्तार किया। दिल्ली की उच्च शिक्षा में दिल्ली सरकार द्वारा पूर्णतः वित्तपोषित दिल्ली विश्वविद्यालय के 12 कॉलेज महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनमें आचार्य नरेन्द्र देव कॉलेज, अदिति महाविद्यालय, भगिनी निवेदिता कॉलेज, भास्कराचार्य कॉलेज, दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज, डॉ.भीम राव अम्बेडकर कॉलेज, इंदिरा गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज, केशव महाविद्यालय, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, महर्षि वाल्मीकि कालेज, शहीद राजगुरु कॉलेज और शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनस स्टडीज कॉलेज शामिल हैं।सौंप दिया गया।

दिल्ली व गुजरात पुलिस ने संयुक्त अभियान में की 5000 करोड की कोकेन बरामद

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार की मादक पदार्थों के खिलाफ के खिलाफ 'ज़ीरो टॉलरेंस' की नीति और 'नशा मुक्त भारत अभियान' के अंतर्गत दिल्ली पुलिस एवं गुजरात पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में 5,000 करोड़ रुपये मूल्य की 518 किलोग्राम कोकेन बरामद की है।

सूत्रों ने यहां बताया कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और गुजरात पुलिस ने गुजरात के अंकलेश्वर में अवकार ड्रग्स लिमिटेड कम्पनी की तलाशी में 518 किलोग्राम कोकेन बरामद की। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब 5,000 करोड़ रुपये है। इस महीने की एक तारीख को दिल्ली की स्पेशल सेल ने महिपालपुर में तुषार गोयल नामके व्यक्ति के गोदाम पर छापेमारी करके 562 किलोग्राम कोकीन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक मारिजुआना की खेप को जब्त किया था। जांच के दौरान 10 अक्टूबर को दिल्ली के रमेश नगर

की एक दुकान से लगभग 208 किलो अतिरिक्त कोकेन बरामद हुई। पूछताछ के दौरान ज्ञात हुआ कि बरामद मादक पदार्थ फार्मा सलूशन सर्विसेज नाम की कम्पनी का था और यह मादक पदार्थ गुजरात के अंकलेश्वर की अवकार ड्रग्स लिमिटेड कम्पनी से आया था। इस मामले में अब तक कुल 1,289 किलोग्राम कोकेन और 40 किलोग्राम हाइड्रोपोनिक थाईलैंड की मारिजुआना बरामद हो चुकी है, जिसकी कीमत 13,000 करोड़ रुपये है।

हार की हताशा में हाहाकारी तमाशा में जुटी कांग्रेस : नकवी

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि 'हार की हताशा में हाहाकारी तमाशा' में जुटी कांग्रेस, 'नफ़रती रंजिश में नकारात्मक बंदिश की बंधक' बन गई है।

श्री नक़वी ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि कांग्रेस, राष्ट्रवादियों को आतंकवादी और राष्ट्र विरोधियों को राष्ट्रवादी के सर्टिफिकेट का 'मल्टीनेशनल वितरण सेंटर' बन गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी से कुनबे की सनकी नफ़रत, कांग्रेस की सियासी मुसीबत बनती जा रही है।

श्री नक़वी ने कहा कि अपने आंगन के कंटक को अखाड़े का संकट साबित करने मे लगी कांग्रेस का अपने आंगन की कलह का अखाड़े पर कोप और अंधाधुंध आक्रमण की आत्मसंतुष्टि की कोशिश अक्लमंदी नहीं अंहकार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अपने घर के घमासान का ठीकरा ईवीएम के व्यवधान पर फोड़कर आज भी

आत्मचिंतन के बजाय आत्मसंतुष्टि में खुश है। इसे कहते हैं, 'नांच न आए आंगन टेढ़ा।' श्री नकवी ने संघ प्रमुख के उद्बोधन पर कांग्रेस की आलोचना पर कहा कि संघ प्रमुख के 'संविधान, संस्कार, संस्कृति, समरसता, सामाजिक सुरक्षा' के सर्वस्पर्शी सशक्त राष्ट्रवादी संदेश पर ऐसे राजनैतिक पूर्वाग्रह से भरपूर उपदेश देने वालों की मूर्खतापूर्ण धूर्तता है,इसीलिए धूलधूसरित हो रही है। उन्होंने कहा कि छद्म सेक्युलर छलचंदों का राष्ट्रीय एकजुटता के संदेश पर भी सांप्रदायिक सियासी उपदेश, अधजल गगरी छलकत जाय, जैसी, मुहब्बत की दुकान में नफ़रत का सामान, से ज़्यादा कुछ नहीं है।

इस बार दिल्ली की हवा साफ रही : गोपाल राय

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि सरकार की ओर से उठाये गये विभिन्न कदमों और जनता के सहयोग से दिल्ली में इस बार दशहरा के अगले दिन भी हवा साफ रही है। श्री राय ने कहा कि पूरे उत्तर भारत और खास तौर से दिल्ली में सर्दियों का मौसम प्रदूषण लेकर आता है लेकिन आज हम लोग दशहरा के अगले दिन दिल्ली की साफ हवा के बीच सांस ले रहे हैं। आमतौर पर दशहरा के अगले दिन दिल्ली में हवा की गुणवत्ता खराब स्थिति में पहुंच जाती है। दिल्ली में पिछले 10 दिनों से बारिश नहीं हुई है। इसके बावजूद वायु गुणवत्ता सूचकांक खराब स्थिति से बाहर है। यह दिल्ली के अंदर लगातार दूसरा साल है। पिछले साल भी जनवरी से 12 अक्टूबर तक 200 दिन ऐसे थे, जिनकी गिनती अच्छे दिनों में थी। उन्होंने कहा कि 2016 के बाद केवल लॉकडाउन के दौरान 2020 में दिल्ली ने 200 अच्छे दिनों के आंकड़े को पार किया

था। बिना लॉकडाउन के दिल्ली के अंदर लगातार दूसरे साल 365 में से 200 अच्छे दिनों को प्राप्त करना दिल्लीवालों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। वर्ष 2016 में इनकी संख्या केवल 109 थी। यह आंकड़े केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के अधीन काम करने वाले केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जारी किए हैं। भाजपा के नेता हर बार झूठ बोलते हैं कि दिल्ली में प्रदूषण बढ़ रहा है।

श्री राय ने कहा कि दिल्ली के लोगों को यह अच्छे दिन इसलिए मिल रहे हैं क्योंकि सरकार के प्रयास के साथ-साथ बारिश अधिक हुई। हर साल दिपावली के बाद प्रदूषण बढ़ने की आशंका रहती है। इन दिनों में हवा रुक जाती है और बारिश भी नहीं होती है। ऐसे में तापमान कम होने पर प्रदूषण के कण जमीन की सतह के करीब रहते हैं और प्रदूषण बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि दिल्लीवालों के सहयोग से ही दिल्ली में प्रदूषण का स्तर कम हो रहा है। पिछले 5-7 सालों में ''आप'' सरकार में प्रदूषण को कम करने के लिए कई कदम उठाए गए और इससे दिल्ली के लोगों में जागरूकता बढ़ी है तथा उनमें संवेदनशीलता आई है। इसका परिणाम यह है कि लोग अब इलेक्ट्रिक वाहन खरीद रहे हैं, अपने घरों में पौधे लगा रहे हैं और बच्चों में भी जागरूकता आई है।

पर्यावरण मंत्री ने कहा कि सोमवार से दिल्ली के अंदर धूल प्रदूषण पैदा करने वालों पर किसी भी तरह की ढील नहीं बरती जाएगी। अगर कोई भी धूल से प्रदूषण फैलाता हुआ पाया जाएगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आग्रह किया कि वायु प्रदूषण के खिलाफ इस लड़ाई में सभी लोग दिल्ली सरकार का सहयोग करें और दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाने की मुहिम में सहभागी बनें।

हत्या के मामले में वांछित आरोपित को मुठभेड़ के बाद दबोचा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने ग्रेटर कैलाश हत्याकांड मामले में वांछित शूटर को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। ये मुठभेड़ नरेला इलाके में हुई। मुठभेड़ में लारेंस बिश्नोई गैंग के शार्प शूटर मधुर उर्फ अयान को गोली लगी है। पुलिस और शूटर के बीच करीब 11 राउंड गोलियां चलीं। मधुर उर्फ अयान ने ग्रेटर कैलाश इलाके में नादिर शाह नाम के व्यक्ति की ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर हत्या कर दी थी। पुलिस के अनुसार 08:56 बजे स्पेशल सेल/एनडीआर की एक टीम ने लॉरेंस बिश्नोई-हाशिम बाबा गिरोह के एक वांछित शार्पशूटर मधुर उर्फ अयान को न्यू नरेला-बवाना रोड, दिल्ली से हाउसिंग कॉम्प्लेक्स जी2/जी6 की ओर जाने वाली रोड पर मुठभेड़ के बाद दबोचा। इस मुठभेड़ में आरोपित मधुर के दाहिने पैर के घुटने और बाएं पैर के टखने में गोली लगी है। आरोपित द्वारा चलाई गई गोली एसआई आदेश कुमार द्वारा पहने गए

बुलेट प्रूफ जैकेट में भी लगी। इस गोलीबारी के दौरान कुल 11 राउंड फायर किए गए। आरोपित मधुर द्वारा 5 राउंड और जवाबी कार्रवाई में पुलिस द्वारा 6 राउंड फायर किए गए। आरोपित को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर हुई संयुक्त संसदीय समिति की बैठक

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर सोमवार को पार्लियामेंट एनेक्सी में संयुक्त संसदीय समिति की बैठक हुई। एक सदस्य के बयान को लेकर विपक्षी सांसदों ने बैठक का बहिष्कार कर दिया। सदस्यों ने आरोप लगाया कि समिति नियमों और विनियमों के अनुसार काम नहीं कर रही है। वहीं जमीयत उलमा ए हिंद के प्रतिनिधियों और अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन और उनके पिता हरि शंकर जैन अपनी टीम के साथ समिति के सदस्यों से मुलाकात की। बैठक का कांग्रेस के गौरव गोगोई और इमरान मसूद, डीएमके के ए राजा, शिव सेना (उद्धव) के अरविंद सावंत, एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी, समजवादी पार्टी के मोहिबुल्लाह और आम आदमी पार्टी के संजय सिंह समेत कई विपक्षी सांसदों ने विरोध किया।

नाम परिवर्तन
मेरा नाम मोहम्मद सलमान है और पहले सलमान सिद्दीकी लिखता था अब में अपना नाम मोहम्मद सलमान लिखता हूं मेरे आधार कार्ड पर मोहम्मद सलमान लिखा हुआ है मोहम्मद सलमान और सलमान सिद्दीकी दोनों एक ही व्यक्ति हैं

NAME CHANGE
I, JC-471987N Rank-SUB Name-DEVENDER KUMAR Presently residing at VPO-NIMBI, DIST-MAHENDERGARH, HARYANA-123029, have changed my son's name from RUPENDRA SINGH to RUPENDER SINGH for all future purposes vide Affidavit dated 14/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SUNITA AHUJA W/O JAGAN NATH AHUJA R/O VILLA NO-18 G, F BLOCK 3, EROS GARDEN, CHARM WOOD VILLAGE SURAJ KUND, FARIDABAD, HARYANA 121009 HAVE CHANGED MY NAME TO SUNITA RANI AHUJA FOR ALL FUTURE PURPOSES.

PUBLIC NOTICE
I, hitherto known as DABLU KUMAR SINGH S/O PANCHANAND SINGH R/OH.No- 144, Taimoor Nagar, VTC: New Friends colony, Sub District: Difence Colony, South Delhi, Delhi - 110025 , have changed my name and shall hereafter be known as DEV KUMAR SINGH.

NAME CHANGE
I hitherto known as Prerna D/O Hemant Kumar, R/0 107/21,Railway Colony Delhi-7.VTC: Kishan Ganj, PO: Malka Ganj, District: North Delhi,State: Delhi - 110007,have changed my name and shall hereafter be known as PRERNA ARYA.

NAME CHANGE
I hitherto known as Vibhuti D/O Hemant Kumar, R/O 107/21,Railway Colony Delhi-7.VTC: Kishan Ganj, PO: Malka Ganj, District: North Delhi,State: Delhi - 110007,have changed my name and shall hereafter be known as VIBHUTI ARYA.

PUBLIC NOTICE
I, Shehla Jafri W/O Unwan Amrohi R/O -1941,Gali Chunna Mal Sui Walan, Darya Ganj , Central Delhi, Delhi -110002, have changed the name of my minor Son namely Abeer Unwan aged 13 years and he shall hereafter be known as Abeer Ahmed

NAME CHANGE
I, hitherto known as NAVEEN KUMAR GULATI alias NAVEEN KUMAR S/o MOHAN LAL GULATI residing at C-2, First Floor, Type -3 , Opposite ND Market, Maurya Enclave Police Station, Pitampura, North West Delhi, Delhi - 110034 have changed my name and shall hereafter be known as NAVEEN KUMAR.

NAME CHANGE
I, TETARA DEVI W/O PARAS NATH residing at HOUSE NO- B E-377, GALI NO-8, HARI NAGAR, MAYA PURI, DELHI-110064 have changed my name to ASHA DEVI for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MOHAMMED SHOAB / MOHD SHOAB S/O MOHAMMED NASIM residing at H NO-4267/3, ANSARI ROAD, DARYA GANJ, DELHI-110002 have changed my name to MOHD SHOAB KHAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SHALU SENI W/O DEEPAK SAINI residing at 3717, MAMAN STREET, PAHARI DHIRAJ SADAR BAZAR, DELHI 110006 have changed my name to SHALU SAINI for all future purposes.

NAME CHANGE
I, ZEENAT W/O MEHBOOB ALI residing at 162, U/G2 J-EXTN, STREET NO-5, LAXMI NAGAR, SHAKARPUR, DELHI-110092have changed my name to ZEENAT JAHAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, No. 15802553H Rank-NK Name-PAWAN Presently residing at VILL-ROJANA, PO-ROJANA, TEH-JAORA, DIST-RATLAM, MADHYA PRADESH-457226 have changed my father's name from JAGDISH to JAGDISH PATIDAR for all future purposes vide Affidavit dated 14/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, SAJIDA GHUFRAN W/O MOHD SHOAB KHAN residing at H NO-4267/3, ANSARI ROAD, DARYA GANJ, DELHI-110002 have changed my name to SAJIDA GUFRAN for all future purposes.

NAME CHANGE
I, ANIL VAIDYA S/O PURAN CHAND RESIDING AT 21/72-73 TRILOK PURI DELHI-110091 Declare that ANIL is my given name and my surname is VAIDYA

NAME CHANGE
I, hitherto known as JYOTI ARORA alias KUSUM MEHNDIRATTA D/o YASH PAL ARORA W/o SANJAY KUMAR MENDIRATTA residing at T-138, Near Sanatan Dharam Lal Mandir, Baljeet Nagar, Patel Nagar, Central Delhi, Delhi - 110008 have changed my name and shall hereafter be known as KUSUM MEHNDIRATTA.

NAME CHANGE
I, JC-734320N Rank-SUB Name-KISHORE GANPAT GAIKWAD R/o AT PO-KHARSHI, TEH-JAWALI, DIST-SATARA, MAHARASHTRA-415020 have changed my mother's name from GAIKWAD NANISHA GANPAT to MANUKA GANPAT GAIKWAD for all future purposes and in my service record her date of birth wrongly mentioned as 09/07/1953 instead of her correct date of birth as 01/01/1954 vide Affidavit dated 14/10/2024 before Executive Magistrate, Delhi

NAME CHANGE
It is for general information that I, MANISH KUMAR S/o GIRDHARI LAL, R/o 7028, Quila Kadam Sharif, Shankar Marg, Pahar Ganj, Swami Ram Tirth Nagar Central Delhi, Delhi-110055, declare that name of my minor Son has been wrongly written as MUKUND in my minor Son namely MUKUND KUMAR aged 14 years in his SC Caste Certificate No. 90510000051970. The actual name of my minor son is MUKUND KUMAR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MANGLA SINGH Father of No-16011848P, Rank-HAV, Name-CHANDRA BALI SINGH R/o VILL-KUNDA KHURD, PO-MUGHAL SARAI, DISTT-CHANDAULI, UP-232101 have changed my name from MANGLA SINGH to MANGALA SINGH for all future purposes vide Affidavit Dated 14/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, JC-734320N Rank-SUB Name-KISHORE GANPAT GAIKWAD R/o AT PO-KHARSHI, TEH-JAWALI, DIST-SATARA, MAHARASHTRA-415020 have changed my father's name from GAIKWAD GANPAT BHIKU to GANPAT BHIKU GAIKWAD for all future purposes and in my service record his date of birth wrongly mentioned as 06/08/1948 instead of his correct date of birth as 15/05/1947 vide Affidavit dated 14/10/2024 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE
It is for general information that I, WILSON SIDHU S/o MANWAL SIDHU R/o B-2, Fourth Floor, Jungpura-B, Jungpura, South Delhi, Delhi-110014, declare that name of mine and my father have been wrongly written as WILSON and SH MANWAL in my Driving Licence No. DL03 20049105249. The actual name of mine and my father are WILSON SIDHU and MANWAL SIDHU respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I hitherto known as LEENA VERMA ALIAS LEENA ATREY D/O Rajesh Kumar Verma W/O: Karan Pal Atrey, R/O 351-A 3rd Floor, Dhakka Village, Near Bhai Parmanand Colony, VTC: G.t.b Nagar, Sub District: Model Town, PO: G.t.b Nagar, District: North West Delhi,State: Delhi - 110009, Have changed my name and shall hereafter be known as LEENA VERMA.I have change my name not my religion.

NAME CHANGE
I, ADITYA SINGH S/o PARMOD MANDAL, R/o B-11/19, Kh.No.43/12, Baprola Vihar, West Delhi-110043 hereby undertake that I, ADITYA SINGH want to change my name to MANNAT MANDAL and gender as FEMALE. I, ADITYA SINGH henceforth be known as MANNAT MANDAL D/o PARMOD MANDAL.

PUBLIC NOTICE
I, Shakshi Devi is Daughter Of JC-778693F NB SUB. Sanjay Kumar Tiwari, Residing of Vill. Purva (Amiliya), Post.Padari, tehsil-Teonthar, District. Rewa Madhya Pradesh-486226, Have Change My Name From Shakshi Devi to Shakshi Tiwari Vide Affidavit No.. CN 115642 Dated. 08/07/2024, Notary public Teonthar, Madhya Pradesh

NAME CHANGE
It is for general information that I, SHAMSHER KHAN S/o MOHD KHAN R/o A-67, GALI NO-3, JOHRI FARM NOOR NAGAR, JAMIA NAGAR, OKHLA, SOUTH DELHI, DELHI-110025, declare that name of my wife has been wrongly written as SHAHINA PARVEEN in my minor daughter RIZA AHMED aged 16 years in her 10th class education documents . The actual name of my wife is SHAHINA PARWEEN, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Arati Spouse of Army No. 14831857M Rank - HAV, Name - Sandeep Patil Presently Posted at Unit 980 TPT Coy ASC Type B, Sujanpur Cantt, Pathankot (Punjab) Pin - 905980 & Permanent Resident of Village - Bhat Nanganur, Post - Appachiwadi, Tehsil - Chikkodi, Dist - Belagavi, State - Karnataka, Pin - 591241 have changed my Date of Birth from 28/09/1988 to 23/07/1987 for all future purposes. Vide Affidavit Dated 14th Oct. 2024 before The Notary Public at Delhi in presence of Advocate Madan Lal Gupta.

NAME CHANGE
I, No. 16017722L Rank-HAV Name-ASHOK KUMAR S/o KARAN SINGH TANWAR Presently residing at VPO-JATTU LOHARI, TEH-BHAWANI KHERA, DIST-BHIWANI, HARYANA-127032 have changed my wife's name from REKHA to REKHA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 14/10/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, No-15183135Y Rank-NK Name-POOJARI RAMANJULU S/o P VENKATARAMANA Presently residing at BALIJAPALLI, CHINNAMANDEM, T SAKIBANDA, CUDDAPAH, ANDHRA PRADESH-516214 have changed my minor daughter's name from PUJARI KUSHELA to PUJARI KUSHALA for all future purposes vide Affidavit dated 14/10/2024 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
All concerned are hereby informed through this Public Notice that my clients Sh Ganga Sahaey S/o Late Gyarsa Ram and Smt Kamala Devi W/o Sh Ganga Sahaey both R/o C-16, Bharat Vihar, Uttam Nagar, West Delhi, Delhi-110059 have disowned and debarred their son namely Sh Om Prakash and his wife Smt Rajni Devi from all their moveable and immoveable properties and severed all their relations with them in future as the aforesaid son and daughter-in-law used to harass, torture and quarrels with my clients and totally out their control. My clients shall not be held responsible for any of their acts, deed and things in whatsoever in any manner and if anyone deals with them shall be deal as per his/her own risk, cost and consequences.
ISHWAR SINGH ADVOCATE
CHAMBER NO.757. ADVOCATES LAWYERS' CHAMBERS, DWARKA DISTRICT COURTS DWARKA, NEW DELHI

NAME CHANGE
I Mohammad sajid s/o vaseem R/o G-19, Vijay Vihar , Vijay Vihar Sector -7 Delhi 110085 have changed my name from Sajid to Mohmmad Sajid for all future Purposes

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि श्री रमेश कुमार प्लॉट नंबर C-14 (पहली मंजिल को छोड़कर, जिसमें छत के अधिकार नहीं हैं) का मालिक हैं, जिसका क्षेत्रफल 130 वर्ग गज है। यह संपत्ति सिंधोरा कलान क्षेत्र, गुलाबी बाग, संजय बस्ती, दिल्ली-110007 में स्थित है। पूरी संपत्ति का अधिग्रहण श्रीमती शीला रानी (50 वर्ग गज) और श्री बंसी लाल (50 वर्ग गज) ने श्री मोहन सिंह से दो बिक्री पत्रों के माध्यम से 05.04.1974 और 02.04.1974 को किया था। इसके बाद, श्री बंसी लाल ने उक्त संपत्ति को 28.02.1985 को श्री राज कुमार को एक सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, व बिक्री के समझौते और वसीयत को श्रीमती शीला रानी के माध्यम से स्थानांतरित किया। श्रीमती शीला रानी ने इसके बाद श्री मोहन सिंह से 40 वर्ग गज की अतिरिक्त संपत्ति का अधिग्रहण 01.06.1995 को एक सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, बिक्री के समझौते और वसीयत के माध्यम से किया। इसके बाद, श्री राज कुमार और श्रीमती शीला रानी दोनों का निधन हो गया, जिससे उनके कानूनी वारिस, श्रीमती सुनिता इंदेरियास और श्री रमेश कुमार बचे। उसके बाद, श्रीमती सुनिता इंदेरियास ने 14.12.2018 को एक त्याग विलेख के माध्यम से अपनी हिस्सेदारी श्री रमेश कुमार के पक्ष में स्थानांतरित की। इस संपत्ति को आरबीएल बैंक लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित किया जा रहा है, जिसका पता,स्न 19, 20, 21 स्नस्न आदित्य मॉल, इंदिरापुरम, गाज़ियाबाद, यूपी 201012 है। यदि किसी व्यक्ति को संबंधित संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया नोटिस की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को पंजीकृत डाक के माध्यम से निम्नलिखित पते पर और ई-मेल के माध्यम से भेजा जा सकता है। यदि ऐसा नहीं किया जाता है, तो उपर्युक्त के अनुसार दावा को संबंधित संपत्ति के संबंध में शून्य और अमान्य माना जाएगा।
[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

सातवीं बार विधायक बनने पर पार्टी पदाधिकारियों ने अनिल विज को दी बधाई

एजेंसी

हिसार। अंबाला कैंट से लगातार सातवीं बार जीतकर विधायक बनने पर पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने वरिष्ठ नेता अनिल विज को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं से जुड़ाव व जनहित में कार्य करने की वजह से ही अनिल विज को अंबाला कैंट की जनता अपना नुमाइंदा चुन रही है। वरिष्ठ नेता एवं पूर्व गृह मंत्री अनिल विज की ऐतिहासिक जीत पर हिसार से बधाई देने उनके अंबाला स्थित आवास पर पहुंचे वरिष्ठ नेता डॉ. योगेश बिदानी विधानसभा चुनाव मीडिया इंचार्ज राजेन्द्र सपड़ा, डॉ. तिलक आहुजा, लाडी मेहता एवं वरिष्ठ कार्यकर्ता मनोहर लाल नागपाल ने कहा कि अनिल विज ने लगातार सातवीं बार चुनाव जीतकर इतिहास बनाया है। यह सब उनकी मेहनत, कुशल नेतृत्व, जनता से जुड़ाव व जनता के लिए लगातार काम करते रहने के कारण ही हो पाया है। उन्होंने नवनिर्वाचित विधायक अनिल विज को सातवीं बार जीत की बधाई दी और कहा कि प्रदेश में तीसरी बार बनी भाजपा सरकार में अहम भूमिका होगी। डॉ. योगेश बिदानी एवं राजेन्द्र सपड़ा ने कहा कि जनता ने केन्द्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों पर मुहर लगाते हुए पहले केन्द्र में व अब प्रदेश में तीसरी बार भाजपा को सत्ता सौंपी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों को जनता का यह जनादेश हजम नहीं हो रहा और वे अनाप-शनाप बयानबाबजी कर रहे हैं, जो जनादेश का अपमान है। उन्होंने विश्वास बताया कि तीसरी बार बनी भाजपा सरकार जनकल्याणकारी नीतियों व कार्यक्रमों को और तेज गति से आगे बढ़ाएगी।

किरण चौधरी बोलीं- जहां ये हुड्डा और उनका बेटा बैठे हैं, वहां नाश होना तो तय था

भिवानी। राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने कहा कि हरियाणा में भाजपा की पूर्ण बहुमत से सरकार बनाना तय था। कांग्रेस की हार पर एक बार फिर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा व उनके सांसद बेटे दीपेंद्र हुड्डा को निशाने पर लिया। उन्होंने ईवीएम पर कांग्रेस के सवाल पर कहा है कि अच्छा होता कांग्रेस जनमत को स्वीकार करती। किरण चौधरी अपनी विधायक बेटी श्रुति चौधरी के साथ गोलागढ़ गांव में अपने समर्थक के घर बेटा होने की खुशी पर आयोजित समारोह में पहुंची थी। इस दौरान मीडिया से मुखातिब होते हुए राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने सबसे पहले कहा कि हमें पता था कि भाजपा पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी। क्योंकि जहां हुड्डा व उनके बेटे बैठे हैं, वहां नाश होना तय है। किरण चौधरी ने कहा कि कांग्रेस टांग खिंचाई, आपसी फूट, गलत टिकट वितरण, क्षेत्रवाद व भ्रष्टाचार के कारण हारी। वहीं भाजपा ईमानदारी, बिना पर्ची व खर्ची के नौकरी देने व विकास करने पर जीती है। किरण चौधरी ने कहा कि लोगों को समझ आया और हरियाणा में बापू-बेटा को नकारा गया। उन्होंने कांग्रेस द्वारा ईवीएम पर सवाल उठाने व चुनाव आयोग में शिकायत देने के सवाल पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि यहां अंगूर खट्टे वाली कहावत है। कांग्रेस जहां जीती वहां कोई सवाल नहीं, जहां हारे वहां हार का ठीकड़ा ईवीएम पर फोड़ रहे हैं।

रेवाड़ी में सिलिंडर फटने से तीन लोगों ने तोड़ा दम, भोजन बनाते समय हुई घटना

रोवाड़ी। हरियाणा के रेवाड़ी के गांव खोल में 10 दिन पूर्व रसोई घर में भोजन बनाते समय सिलिंडर फट गया था जिसमें एक महिला सहित तीन लोग झुलस गए थे। तीनं का इलाज दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में चल रहा था। इलाज के दौरान तीनों ने एक-एक करके दम तोड़ दिया। गांव खोल के रहने वाले दयाशंकर ने बताया कि दो अक्तूबर को सुबह उसकी पत्नी शकुंतला रसोई घर में भोजन बना रही थीं। इसी दौरान गैस सिलिंडर फट गया जिससे आग लग गई। आग की चपेट में आने से पत्नी शकुंतला व बेटा शोभित और भीम सिंह गंभीर रूप से झुलस गए थे। ग्रामीणों के सहयोग से तीनों को उपचार के लिए रेवाड़ी के ट्रामा सेंटर पहुंचाया गया। वहां तीनों की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने रेफर कर दिया था। तीनों को दिल्ली सफदरजंग अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया था। वहां इलाज के दौरान एक-एक करके तीनों ने दम तोड़ दिया। दयाशंकर का कहना है कि गैस एजेंसी की लापरवाही से घटना हुई। सिलिंडर से गैस लीक होने के कारण घटना हुई थी। उन्होंने गैस एजेंसी पर ही लापरवाही का आरोप लगाया है।

आप प्रदेशाध्यक्ष बोले- कांग्रेस को आत्ममंथन करने की जरूरत, अति उत्साह से हरियाणा में नुकसान हुआ

झज्जर। हरियाणा के झज्जर में आम आदमी पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष सुशील गुप्ता ने कहा कि भविष्य में आम आदमी पार्टी सभी चुनाव प्रदेश में अपने दम पर लड़ेगी। चाहे वह पंचायत का चुनाव हो या नगर परिषद, नगरपालिका, जिला परिषद, ब्लॉक समिति का हो। पार्टी अपने संगठन को और मजबूत करने का काम करेगी। वह कबलाना गांव में रोहतक और भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र के चुनाव लड़ने वाले सभी उम्मीदवारों, लोकसभा क्षेत्रों से संबंधित प्रदेश स्तर के सभी पदाधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोग अरविंद केजरीवाल को चाहते थे और सबने उत्साह भी बढ़ाया, लेकिन यदि इंडिया गठबंधन में चुनाव लड़ा जाता तो निश्चित तौर पर सरकार बदलती और बीजेपी की विदाई होती। आज कार्यकर्ताओं ने तय किया है कि हम सभी मिलकर पूरी मेहनत से आगे के लिए संघर्ष करेंगे। अब हरियाणा से बीजेपी को आम आदमी पार्टी ही भगाएगी।

हरियाणा में भाजपा विधायक दल की बैठक 16 को

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा में नई सरकार के गठन की तैयारी हो चुकी है। कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सैनी और मंत्रियों का शपथ ग्रहण कार्यक्रम तय होने के बाद अब भारतीय जनता पार्टी ने 16 अक्टूबर को चंडीगढ़ में विधायक दल की बैठक आहूत की है। बैठक में पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में नायब सैनी को विधायक दल का नेता चुना जाएगा। भाजपा 17 अक्टूबर को होने वाले शपथ ग्रहण समारोह की सफलता को लेकर युद्ध स्तर पर तैयारी में जुटी है। दिनभर पंचकूला में पार्टी के आला नेताओं की बैठक चलती रही। शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने वाले नेताओं को आमंत्रण भेजे जा रहे हैं। दूसरे राज्यों के जिन मुख्यमंत्रियों की स्वीकृति आ चुकी है उनके अनुसार यहां पर प्रबंध किए जा रहे हैं। भाजपा सूत्रों के अनुसार अभी तक असम, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश तथा राजस्थान के

मुख्यमंत्रियों की स्वीकृति आ चुकी है। केंद्रीय मंत्रियों का कार्यक्रम मंगलवार तक पहुंचेगा। समारोह स्थल पर प्रोटोकॉल के अनुसार बैठने की व्यवस्था की जाएगी। इसे लेकर आज दिनभर पुलिस के आला अधिकारियों ने जहां समारोह स्थल का दौरा किया वहीं भाजपा नेताओं के साथ भी बैठकें कीं। इस बीच भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने 16 अक्टूबर को चंडीगढ़ में भाजपा विधायक दल की बैठक आहूत की है। बैठक में सभी 48 विधायकों को शामिल होने के लिए कहा गया है। भाजपा मुख्यालय द्वारा भेजे गए पत्र में कहा गया है कि सभी विधायक दो दिन के लिए चंडीगढ़ में प्रवास करेंगे। इसकी व्यवस्था वह करके आएं। कार्यक्रम के अनुसार 16 अक्टूबर को विधायक दल की बैठक होगी। इसमें पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में नायब सैनी को विधायक दल का नेता चुना जाएगा। इसके बाद नायब सैनी राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 17 अक्टूबर को राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय नायब सैनी तथा मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। हरियाणा के विभिन्न हलकों से आने वाले विधायकों के ठहरने के लिए चंडीगढ़ स्थित एमएलए हास्टल में व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा आज ही एमएलए हास्टल के अधिकारियों को भी निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

इनेलो ने बैठक में की चुनाव परिणामों की समीक्षा, कार्यकर्ताओं ने दिए सुझाव

एजेंसी

झज्जर। इंडियन नेशनल लोकदल बहादुरगढ़ के कार्यकर्ताओं ने बहादुरगढ़ में नजफगढ़ रोड स्थित राठी फार्म में बैठक करके विधानसभा चुनाव में हार की समीक्षा की और चुनाव अभियान में सहयोग के लिए कार्यकर्ताओं का धन्यवाद किया। बैठक में कार्यकर्ताओं ने विधानसभा चुनाव के दौरान रही खामियों पर अपने-अपने विचार रखे और उन्हें भविष्य में दूर किए जाने की बात कही। विधानसभा चुनाव में इनेलो-बसपा गठबंधन प्रत्याशी रही शीला नफे सिंह राठी ने कार्यकर्ताओं द्वारा की गई मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि हार जीत चुनाव का हिस्सा है। इससे निराश होने की बजाय सीख लेकर भविष्य में और अधिक मेहनत करने की आवश्यकता है। चुनाव के दौरान कार्यकर्ताओं ने पूरे जी जान से कार्य किया और जनता के बीच जाकर पार्टी के पक्ष में मतदान किया और करवाया। जिस प्रकार कार्यकर्ताओं ने दिन-रात मेहनत की है, इसके लिए वह दिल की गहराईयों से सभी का धन्यवाद करती हैं और सभी मतदाताओं का भी आभार प्रकट करती हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से चुनाव के दौरान जो खामियां रही, उसे दूर कर भविष्य में एक बार फिर मजबूती के साथ पार्टी के लिए काम करने का आह्वान किया। शीला नफे सिंह राठी ने कहा कि यह चुनाव हलके के विकास के साथ-साथ स्व. नफे सिंह राठी को न्याय दिलाने के लिए लड़ा गया। आगे भी इनेलो बहादुरगढ़ के विकास के लिए भरसक प्रयास करती रहेगी और हलके की जनता के हकों की आवाज उठाती रहेगी। इनेलो ने हमेशा बहादुरगढ़ हलके के विकास को प्राथमिकता दी है। जिसके लिए लगातार आगे भी स्व. नफे सिंह राठी का परिवार जनता के साथ उनकी हर लड़ाई में साथ खड़ा रहेगा। स्व. नफे सिंह राठी के पुत्रों भूपेंद्र राठी, जितेंद्र राठी और भतीजों कपूर राठी व दीपक राठी ने भी हलके की जनता का चुनाव में साथ देने के लिए धन्यवाद किया।

भाजपा सरकार में किसानों को नहीं मिल रही एमएसपी : रणदीप सुरजेवाला

एजेंसी

कैथल। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला ने नई अनाज मंडी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने धान की खरीद में हो रही कोताही को लेकर भाजपा सरकार पर जुबानी हमला बोला।

सुरजेवाला ने कहा कि न तो भाजपा सरकार धान की खरीद कर रही है और न ही किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) मिल रहा है। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के 8 अक्टूबर के बाद 3,100 रुपए प्रति क्विंटल धान खरीदने के वादे का जिक्र करते हुए कहा कि किसानों को 2,350 रुपए की बजाय 2,000-2,100 रुपए प्रति क्विंटल में धान बेचने पर मजबूर होना पड़ रहा है। भाजपा सरकार के कुप्रबंधन, धांधली और लापरवाही के कारण किसान, आढ़ती और मजदूर सभी परेशान हैं। सरकार चैन की बांसुरी बजा रही है और मंत्रिमंडल में मलाईदार विभागों का खेल चल रहा है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि क्या वादे के अनुसार किसानों को 3,100 रुपए प्रति क्विंटल मिलेंगे? जो किसान कम मूल्य पर धान बेच चुके हैं, क्या उन्हें फार्म 17 के आधार पर बकाया राशि उनके खाते में जमा कराई जाएगी? कैथल से भाजपा के हारे हुए प्रत्याशी लीलाराम पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि लीलाराम को हार को स्वीकार कर जनादेश का सम्मान करना चाहिए। अगर लड़ाई लड़नी है तो सरकार से लड़ें, लेकिन कैथल की जनता का अपमान न करें।

उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार ने आढ़तियों को सजा दी है। सरकार का कसूर है और आढ़तियों को सजा मिल रही है। सवाल यह है कि किसान अपनी फसल कहां डालें? क्या वह अपने सिर पर रखकर धान बेच सकते हैं? उन्होंने भाजपा सरकार से मांग की कि वे अपनी नींद से जागे और किसानों को 3,100 रुपए प्रति क्विंटल धान की कीमत दे। इसके अलावा, जो किसान डेढ़ सौ या दो सौ रुपये प्रति क्विंटल नुकसान पर धान बेच चुका है, उसे भी बकाया राशि उसके खाते में जमा कराई जाए। आढ़ती की ढाई प्रतिशत कमी को बहाल किया जाए और हरियाणा में कहीं भी धान डालने की जरूरत पड़ने पर सड़क का ट्रैफिक रोककर उसे अस्थायी मंडी घोषित किया जाए। अन्यथा, किसान अपनी फसल कहां डालेंगे? उन्होंने कहा कि कैथल की अनाज मंडी में कई गुना नुकसान हुआ है। चालीस प्रतिशत धान मंडी में आया ही नहीं। बार-बार किसानों को दूसरी मंडियों में जाकर अपनी फसल बेचनी पड़ी, जिससे उन्हें और अधिक नुकसान हुआ। ट्रांसपोर्ट का खर्च और डीजल का खर्च भी बढ़ गया है। भाजपा सभी के पेट पर लात मार रही है।

एनसीपी नेता की हत्या होना बहुत दुखद घटना है : अनिल विज

एजेंसी

अम्बाला। हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री एवं अम्बाला छावनी से नवनिर्वाचित विधायक अनिल विज ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे को बौखलाया हुआ आदमी बताते हुए कहा कि ÷वे अपनी सुध बुध खो चुके है और उन्हे जाकर साइकेट्रिस्ट को चेक करवाना चाहिए। वही, एनसीपी नेता की हत्या मामले में कहा कि ये बहुत दुखद घटना है तथा विज ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को मिट्टी का शेर भी बताया। विज आज मीडिया कर्मियों के सवालों का जवाब दे रहे थे।

हरियाणा के पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने खड़गे के उस बयान पर पलटवार किया है जिसमे उन्होंने कहा था कि पीएम मोदी की पार्टी आतंकी पार्टी है, इस पर विज ने कहा कि खड़गे जी बौखला चुके है, जिस प्रकार की उन्हें (कांग्रेस) शिकस्त मिली है वो अपनी सुध बुध खो बैठे है,इसलिए उन्हें (खड़गे) साइकेट्रिस्ट को उन्हे चेक करवाना चाहिए।

एनसीपी नेता की हत्या पर पॉलिटिकल दोषारोपण ठीक नहीं - विज

वही, केजरीवाल का कहना है कि एनसीपी नेता की सरेआम हत्या करना देश का माहोल खराब करना है और देश में दहशत फैलाना है, इस पर जवाब देते हुए अनिल विज ने कहा कि ÷हत्या हुई है इसमें जांच की जा रही है लेकिन इसमें पॉलिटिकल दोषरोपण करना सही नहीं है।

कांग्रेस कार्यकर्ता मिट्टी के शेर जो सिर्फ जलेबीयां खाते है - विज

इधर, राहुल गांधी ने ट्वीट कर हरियाणा में हुई हार का विश्लेषण करने के साथ साथ हरियाणा के कार्यकर्ताओं को बब्बर शेर कहा तो विज ने हरियाणा के कांग्रेसियों को मिट्टी का शेर बताया और व्यंग करते हुए कहा कि ये सिर्फ जलेबीयां खाते हैं और कुछ नहीं खाते। उधर, भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत के बाद पूर्व गृहमंत्री अनिल विज के आवास पर कार्यकर्ताओं व अन्य लोगों की शुभकामनाएं व बधाइयां देने वालों का लगातार तांता लग रहा है और आज इसी कड़ी में महिला एवं अन्य कार्यकर्तायों ने पूर्व गृहमंत्री को भाजपा की प्रचंड जीत पर बधाई और शुभकामनाएं उनके आवास पर आकर दी।

कपास के भाव बीते साल से अधिक तो धान 1509 के कम

एजेंसी

जींद,। इन दिनों उचाना मंडी में कपास, धान 1509 की आवक शुरू हो चुकी है। धान 1509 के जो भाव किसानों को प्राइवेट बोली पर मिल रहे हैं वो बीते साल से कम है तो कपास के भाव बीते साल से अधिक किसानों को मिल रहे है। कुछ दिनों धान 1509 के भाव में तेजी है। किसानों को उम्मीद है कि बीते साल जो भाव मिल रहे थे वो इस बार मिलेंगे। मार्केट कमेटी में दर्ज आंकड़ों के अनुसार अब तक 7271 क्विंटल कपास की खरीद हो चुकी है।

इन दिनों 7900 रुपये प्रति क्विंटल तक के भाव मिल रहे है तो बीते साल 7100 से 7200 रुपये प्रति क्विंटल तक के भाव मिल रहे थे। इस साल 700 रुपये प्रति क्विंटल के भाव अधिक मिल रहे है। आने वाले दिनों में भाव बढ़ने की उम्मीद

किसानों को है। धान 1509 अब तक 27383 क्विंटल मंडी आ चुकी है। इस साल भाव 2800 से 3100 रुपये प्रति क्विंटल मिल रहे है। बीते साल इन दिनों भाव 3500 से 3700 रुपये प्रति क्विंटल तक मिल रहे थे। इस साल भाव 500 रुपये से 600 रुपये प्रति क्विंटल कम मिल रहे है।

किसान सुलतान, बिजेंद्र, राजू ने कहा कि कपास के भाव बीते साल से अधिक है तो धान 1509 के भाव जरूर बीते साल से कम किसानों को मिल रहे हैं। इस बार किसानों को भाव कम मिलने से नुकसान है। फसल के अनकुल मौसम नहीं रहने से किसानों को बार-बार धान की रोपाई करनी पड़ी। किसानों को अब भाव बढने से उम्मीद है। कपास के भाव जरूर बीते साल से अधिक मिल रहे है। मार्केट कमेटी सचिव संदीप कासनिया ने कहा कि कपास के भाव बीते साल से अधिक तो धान 1509 के बीते साल से कम इन दिनों मिल रहे हैं।

अधिकार कार्यकर्ता रजत कलसन भारतीय त्रिरत्न अवार्ड से सम्मानित

एजेंसी

हिसार। हरियाणा के मशहूर दलित अधिकार कार्यकर्ता व चर्चित वकील रजत कल्सन को दिल्ली के समता बौद्ध विहार, पश्चिम पुरी, नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य सम्मेलन में समता बुद्ध विहार प्रबंधक संघ द्वारा भारतीय त्रिरत्न अवॉर्ड सम्मानित किया।

बुद्ध विहार प्रबंधक संघ के सचिव सुधीर भास्कर ने बताया कि अधिवक्ता रजत कलसन को पिछले 15 वर्षो में उनके द्वारा दलित समाज के साथ हो रहे अत्याचार व हिंसा के मामलों में दर्ज मुकदमों में दलित समाज की मजबूत पैरवी करने तथा जातिवादी गुंडों को विभिन्न अत्याचार के मामलों में जेल भिजवाने तथा समाज में संवैधानिक व कानूनी जागरूकता फैलाने के लिए सम्मानित किया गया है। उन्होंने बताया कि पूरे देश से केवल छह लोगों को इस सम्मान के लिए चुना गया था। सम्मान पाने वाले एडवोकेट रजत कल्सन, प्रोफेसर डॉ. राजकुमार, सामाजिक व राजनैतिक विद्वान, सुमित चौहान धार्मिक, सामाजिक व राजनीतिक विश्लेषक व न्यूज़ बीक के संपादक, रतनलाल केन, आरटीआई के माध्यम से बहुजन समाज के सम्मान व हितों की रक्षा करने वाले व उम्मेदसिंह गौतम, राष्ट्रीय कमांडर समता सैनिक दल, तथा दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश, बिहार आदि राज्यों में जगह-जगह जाकर लोगों के बीच महापुरुषों की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचा करुणाशील रोशन शामिल थे। इस अवसर पर वरिष्ठ अधिवक्ता रिखीराम, अधिवक्ता दीपक सैनीपुरा, सामाजिक कार्यकर्ता विकास भाटला, सचिन चोपड़ा भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

शपथ ग्रहण से पहले नायब सैनी ने शुरू किया जनता दरबार

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सैनी शपथ ग्रहण समारोह से पहले ही सक्रिय हो गए हैं। चुनाव परिणाम के बाद कई दिनों तक दिल्ली में बैठक करने के बाद शनिवार को देर रात चंडीगढ़ लौटे नायब सैनी ने रविवार से जनता दरबार शुरू कर दिया।

चुनाव परिणाम के बाद पहली बार चंडीगढ़ में थे। आज सुबह संत कबीर कुटीर मुख्यमंत्री आवास पर न केवल मुख्यमंत्री को बधाई देने वालों का तांता लग रहा है, बल्कि मुख्यमंत्री ने जनसमस्याएं भी सुनीं।

नायब सैनी भी सीएम आवास पर पहुंचने वाले आगंतुकों का दिल खोल अभिवादन किया। नायब सैनी की खासियत मिलनसार व्यक्तित्व की है, उसे साधते हुए नायब सैनी सीएम आवास पर पहुंचने वाले लोगों से खुलकर संवाद कर रहे हैं और सीएम आवास पर पहुंचे आगंतुक भी खुश होकर लौट रहे हैं। पहले कार्यकाल में नायब सैनी 56 दिन मुख्यमंत्री

रहे। 56 दिन के कार्यकाल में नायब सैनी ने 126 घोषणाएं की है। अब इन घोषणाओं को सैनी मूर्तरूप देंगे। यही नहीं डबल इंजन की सरकार में विकास कार्य भी रफ्तार पकड़ेंगे।नई सरकार के गठन के साथ ही राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था में बड़े स्तर पर बदलाव की संभावना है। सबसे पहले मुख्यमंत्री कार्यालय में अधिकारियों का फेरबदल होगा। इसके साथ ही जिला उपायुक्तों और महत्वपूर्ण विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव व निदेशक स्तर के अधिकारियों को भी बदले जाने की संभावना है। सीएमओ में अब तक पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की पसंद के अधिकारियों को रखा गया था, लेकिन अब सैनी अपनी पसंद के अधिकारियों को अहम पदों पर नियुक्ति देंगे। यही नहीं, प्रशासनिक सचिवों के साथ विभागों के प्रमुख और जिला स्तर पर भी बड़े पैमाने पर अधिकारियों में फेरबदल होगा। सीएम को बधाई देने वाले गोहाना की जलेबी लेकर पहुंच रहे

हरियाणा विधानसभा चुनावों के दौरान विपक्ष की ओर से गोहाना की जलेबी की चाशनी में राजनीति को चमकाने की कोशिश की गई। खुद लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने गोहाना की जलेबी के बड़े कारखाने लगाने का दावा किया था। ऐसे में गोहाना की जलेबी खूब ट्रोल हो रही है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने बाकायदा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को जलेबी भिजवाई है। यही नहीं सीएम आवास पर मुख्यमंत्री को बधाई देने के लिए पहुंचने वाले आगंतुक गोहाना की जलेबी लेकर पहुंच रहे हैं। सोनीपत जिले में स्थित गोहाना की जलेबी देशभर में मशहूर है।

राज्य में पराली जलाने के मामले बढ़े, एक दिन में सबसे ज्यादा 98 केस

चंडीगढ़। हरियाणा में पराली जलाने के मामलों में लगातार वृद्धि होने लगी है। पराली जलने से रोकने के लिए तैनात अधिकारी, जिला स्तरीय टीम और कमेटियां नाकाम साबित हो रही हैं। इस सीजन में शनिवार को राज्य में एक दिन के अंदर सबसे ज्यादा 98 मामले आए हैं। इस सीजन पराली जलाने के 378 मामले आ चुके हैं। जो पिछले वर्ष 12 अक्तूबर तक के कुल 345 मामलों से ज्यादा हैं। हरियाणा के साथ पंजाब में भी पराली जलाने के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। पंजाब में पराली जलने के 710 मामले आ चुके हैं। हरियाणा में पराली जलने के सबसे ज्यादा कैथल में 58, कुरुक्षेत्र में 57 और करनाल में 47 मामले आ चुके हैं। 12 अक्तूबर तक राज्य में पराली जलाने के कुल 378 मामले सरकारी आंकड़ों में दर्ज हैं। जबकि सेटेलाइट से ट्रैक आंकड़ों के मुताबिक पराली जलाने के 397 मामले सामने आ चुके हैं।

हादसों में घायलों की मदद कर परिवार को बिखरने से बचाएं: मकसूद अहमद

एजेंसी

हिसार। हांसी के पुलिस अधीक्षक मकसूद अहमद ने कहा है कि यातायात नियमों का पालन करके सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना हम सभी का दायित्व है। छोटी सी भी गलती हो जाने से किसी भी प्रकार की दुर्घटना हो सकती है और यातायात के नियमों के पालन के अभाव में किसी की भी जान जा सकती है जिसका खामियाजा परिवार के लोगों को भुगतना पड़ सकता है। पुलिस अधीक्षक मकसूद अहमद ने कहा कि यातायात नियमों की पालना करके सुरक्षित सफर पर जोर डालते हुए कहा कि यातायात के नियमों का पालन करने से ट्रैफिक जाम की समस्या से भी निजात पाई जा सकती है। अगर आप सुरक्षित रहना चाहते हैं तो सड़क पर वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करना बहुत जरूरी है। नियमों का पालन करने से सड़क दुर्घटना की संभावना भी कम होगी और आप अपने गंतव्य तक सही सलामत पहुंच सकते हैं। विशेष कर मोटरसाइकिल चलाते समय हेलमेट का प्रयोग जरूर करना चाहिए। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सुरक्षित यात्रा के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा यातायात नियमों की पालना के लिए लगातार जागरूक कार्यक्रम भी

आयोजित किए जा रहे हैं। पुलिस प्रशासन द्वारा शहर के प्रमुख मार्गों पर विशेष वाहन चेकिंग अभियान चला रखा है। वाहन चेकिंग का मुख्य उद्देश्य दोपहिया वाहन चालक हेलमेट पहनें, मार्गों पर वाहनों की गति को नियंत्रण में रखें, कभी रांग साइड से ओवरटेक न करें। आंकड़े बताते हैं कि ज्यादातर दुर्घटनाएं तेज और अनियंत्रित रफ्तार के कारण होती हैं। इनमें यातायात नियमों का उल्लंघन भी एक बड़ा कारण है।

यातायात के निर्देशों का पालन करने से आप जहां स्वयं भी सुरक्षित रहेंगे वहीं दूसरे को भी सुरक्षित रख सकते हैं। उन्होंने कहा कि जो चालक नियमों का पालन नहीं करते हैं, ऐसे लोगों पर कानूनी शिकंजा कसा जाता है। जो लोग यातायात नियमों को तोड़ते हुए पाए जाते हैं, उन पर जुर्माना लगाया जाता है। यह अक्सर देखा जाता है कि कुछ लोग मोटरसाइकिल पर पूरे परिवार को ही बिठा लेते हैं और यह उनकी सुरक्षा के साथ खिलवाड़ है। खुद व परिवार की सुरक्षा के साथ औरों की सुरक्षा का भी ख्याल रखना जरूरी है। किसी भी दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत नहीं होती, बल्कि उसका पूरा परिवार उजड़ जाता है। उन्होंने कहा कि गोल्डन ऑवर्स में सड़क दुर्घटना दौरान घायल व्यक्तियों की अवश्य मदद करें, आपकी द्वारा की गई छोटी सी मदद किसी के परिवार को बिखरने या उजड़ने से बचा सकती है।

जींद की मंडी में 13 हजार क्विंटल से अधिक पहुंची पीआर धान

एजेंसी

जींद। पीआर धान की खरीद उचाना में सुचारू रूप से चल रही है। मार्केट कमेटी में दर्ज आंकड़ों के अनुसार अब तक उचाना में पीआर धान के 137 गेट पास काटे गए है। मंडी में 13526 क्विंटल पीआर धान आ चुकी है। अब तक 4762 क्विंटल पीआर धान की खरीद हो चुकी है। लोडिंग का काम शुरू हो चुका है। उचाना में सेलरों द्वारा खरीद की जा रही है। आढ़तियों द्वारा यहां पर मिलरों की संख्या बढ़ाने की मांग की। उचाना विधायक देवेंद्र चतुरभूर्ज अत्री से इस मांग को लेकर आढ़ती जींद उनके निवास पर मिले। पीआर धान की खरीद हाइवे स्थित अतिरिक्त मंडी में हो रही है। पुरानी मंडी में धानए कपास सहित अन्य फसल आने से पुरानी मंडी की जगह हाइवे स्थित अतिरिक्त मंडी में खरीद की जा रही है ताकि किसानों को किसी तरह की परेशानी फसल उतारेए बेचने में न हो। खाद्य आपूर्ति विभाग, मार्केट कमेटी कर्मचारी ढेरी दर ढेरी जाकर जो पीआर धान सरकारी नियमानुसार मिल रही है, उसकी खरीद कर रही है। मंडी में से दो गेट में से एक गेट को सीजन शुरू होते ही खोला गया है।

यहां पर मार्केट कमेटी द्वारा एक कर्मचारी की ड्यूटी नियमित रूप से लगाई गई है। किसानों के लिए पुख्ता प्रबंध सफाईए पीने के पानी के लिए किए गए है। पीआर का रेट इस पर सरकार ने 2320 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया।

जानकारी देते हुए मार्केट कमेटी सचिव संदीप कासनिया ने बताया कि पीआर धान की खरीद को लेकर किसी तरह की परेशानी न हो इसको लेकर पुख्ता प्रबंध किए है। दो मिलर इन दिनों खरीद कर रहे है। आढ़तियों द्वारा मिलर बढ़ाने की मांग की है। कपास मंडी स्थित किसान सेवा केंद्र में अटल कैंटीन में 10 रुपये थाली शुरू की है। किसान साफ, सुखी धान मंडी में लेकर आएं ताकि उनकी मंडी में आते ही फसल बिके।

NAME CHANGE

I, hitherto known as RAJESH KUMAR SHARMA alias RAJESH SHARMA S/o CHANDRA PRAKASH SHARMA residing at House No. -2992 , Sector-23, Gurgaon, Haryana - 122001 have changed my name and shall hereafter be known as RAJESH SHARMA.

युवाओं ने हाथोंहाथ लिया पीएम इंटर्नशिप स्कीम को

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार के युवाओं को देश की 500 प्रमुख कंपनियों में इंटर्नशिप कराने की योजना पीएम इंटर्नशिप स्कीम को बड़े पैमाने पर युवाओं को समर्थन मिला है और एक दिन 1.55 लाख से अधिक युवाओं ने पंजीयन कराया है। कंपनी मामलों के मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि बजे पंजीयन के लिए खुले पीएम इंटर्नशिप पोर्टल पर 155109 युवाओं ने पंजीयन कराया है। कंपनी मामलों के मंत्रालय के अधीन संचालित हो रही इस योजना का यह पायलट है और इसके बाद यह योजना पूरी तरह से खुलेगी। इसके तहत पांच वर्ष में पांच करोड़ युवाओं को इंटर्नशिप कराने का लक्ष्य रखा गया है और इस योजना के तहत, भारत की शीर्ष 500 कंपनियों में 12 महीने की इंटर्नशिप का अवसर मिलेगा, जहां बेहतरीन लोगों से सीखने का मौका मिलेगा। हर महीने 5000 रुपये की इंटर्नशिप राशि और 6000 रुपये की एकमुश्त अनुदान राशि दी जाएगी।

5जी के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था में आएंगे 37 लाख करोड़ रुपये, दूरसंचार मंत्री सिंधिया ने किया दावा

नई दिल्ली। दूरसंचार क्षेत्र की 5जी तकनीक के कारण 2040 तक भारतीय अर्थव्यवस्था में लगभग 450 बिलियन डॉलर यानी करीब 37 लाख करोड़ रुपये का निवेश होने की उम्मीद है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यह दावा किया। नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में दुनिया के सबसे बड़े दूरसंचार कार्यक्रमों में से एक वैश्विक मानक संगोष्ठी को संबोधित करते हुए ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, 'अकेले भारत में, 5त्न से 2040 तक अर्थव्यवस्था में 450 बिलियन डॉलर का निवेश होने का अनुमान है। मंत्री ने जोर देकर कहा कि 5जी केवल तेज इंटरनेट का मामला नहीं है, बल्कि यह स्मार्ट शहरों, उन्नत बुनियादी ढांचे और स्वायत्त नवाचारों के लिए आधार तैयार कर रहा है। सिंधिया ने आगे कहा कि 5त्न पहले ही सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शुरू हो चुका है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि केवल 22 महीनों में 98 प्रतिशत जिलों और 80 प्रतिशत आबादी को इसने कवर कर लिया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि भारत की तकनीकी शक्ति क्षमता के साथ वैश्विक मानकों के अनुसार नवाचार में हमारे बदलाव के प्रयासों को भी दर्शाती है। उन्होंने कहा, 'हम स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और कृषि व विनिर्माण के क्षेत्र में संभावनाओं के नए द्वार खोल रहे हैं। मंत्री ने 5जी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और इंटरनेट ऑफ थिंग्स जैसी तकनीकों की पूरी क्षमता को अनलॉक करने में अंतरराष्ट्रीय सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वैश्विक मानक यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं कि ये तकनीकें सीमाओं के पार सामंजस्यपूर्ण ढंग से काम करें।

ऑटो लोन लेने वालों को छूट दे रहे बैंक, डीलर भी कर रहे ऑफर की पेशकश

नई दिल्ली।त्योहारी सीजन में कारों की रिकॉर्ड बिक्री का अनुमान है। डीलरों ने भी इसके लिए खास तैयारियां की हैं। वे खरीदारों को कार के मॉडल के अनुसार छूट और विभिन्न प्रकार के ऑफर पेश कर रहे हैं। बैंक भी ऑटो लोन पर विभिन्न प्रकार की रियायत दे रहे हैं। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (फाडा) के उपाध्यक्ष साईं गिरधर का कहना है कि यह त्योहारी सीजन कार खरीदने का अच्छा मौका है क्योंकि डीलरों के पास 79,000 करोड़ रुपये के 7.9 लाख वाहनों का स्टॉक पड़ा है। आप भी त्योहारी सीजन में नई कार खरीदना चाहते हैं तो ऑटो लोन लेते समय कुछ बातों का ध्यान रखें। कार लोन लेने से पहले क्रेडिट स्कोर की जांच जरूर करें। इसे देखने के बाद ही बैंक तय करते हैं कि किस खरीदार को कितने ब्याज पर कर्ज देना है। अगर आपका क्रेडिट स्कोर अच्छा है तो आपको कम ब्याज पर आसानी से कार लोन मिल जाएगा। आमतौर पर क्रेडिट स्कोर 750 से कम नहीं होना चाहिए। हालांकि, इससे कम क्रेडिट स्कोर पर भी कुछ बैंक व वित्तीय संस्थान ग्राहकों की प्रोफाइल के आधार पर कार लोन ऑफर करते हैं।

कारखानों की हड़ताल के बीच आई बुरी खबर, बोइंग ने लिया दुनिया भर में 17000 लोगों की छंटनी का फैसला

नई दिल्ली। हवाई जहाज बनाने वाली कंपनी बोइंग के कर्मचारियों के लिए बुरी खबर सामने आई है। बताया जा रहा कि कंपनी ने अपने 10 फीसदी कर्मचारियों को नौकरी से निकालने का फैसला लिया है। इसके पीछे का कारण कारोबार में लगातार जारी दबाव और कर्मचारियों की हड़ताल से बढ़ता नुकसान है।

इन अधिकारियों को भी निकाला जा सकता है

कंपनी के इस फैसले से लगभग 17 हजार कर्मचारियों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ेगा। बोइंग के इस फैसले से उसके उत्पादन में भी देरी होगी। मुख्य कार्यकारी केली ऑर्टबर्ग ने ईमेल के जरिए कहा, वैश्विक स्तर पर होने वाली इस छंटनी में हर स्तर के कर्मचारी, जिसमें एग्जीक्यूटिव, मैनेजर और कर्मचारी सभी शामिल होंगे। यहां तक कि बोइंग ने अपने हथियार और सैन्य उपकरण बनाने वाले व्यापार में भी घाटे की चेतावनी दी है। साथ ही कंपनी ने अपने नए जहाज 777एक्स की डिलिवरी तारीखों को भी आगे बढ़ा दिया है। इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ मशीनिस्ट्स एंड एयरोस्पेस वर्कर्स के बोइंग कर्मचारियों ने अनुबंध प्रस्ताव को भारी बहुमत से अस्वीकार कर 13 सितंबर को काम छोड़ दिया। कंपनी फिलहाल करीब 33 हजार कर्मचारियों की हड़ताल से जूझ रही है जो बीते तीन हफ्ते से जारी है। इससे कामकाज पर बुरा असर पड़ा है। इस हड़ताल का असर कंपनी के सबसे ज्यादा बिकने वाले विमानों के उत्पादन पर भी देखने को मिला है।

आईपीओ लॉन्च होने के पहले ग्रे मार्केट में हुंडई की घटी चमक, 570 से घट कर 60 रुपये के स्तर पर आया प्रीमियम

एजेंसी

नई दिल्ली। हुंडई मोटर इंडिया कल भारतीय शेयर बाजार के इतिहास का सबसे बड़ा आईपीओ लॉन्च करने वाली है। इस आईपीओ का निवेशकों को लंबे समय से इंतजार है। 15 से 17 अक्टूबर तक सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होने वाले इस आईपीओ के जरिए कंपनी ने 27,870 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा है। इस इश्यू के लिए 1,865 से 1,960 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया है। माना जा रहा है कि इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल सकता है। हालांकि ग्रे मार्केट में इस आईपीओ की चमक गिरती जा रही है। इसके ग्रे मार्केट प्रीमियम में लगातार गिरावट आई है। हुंडई मोटर इंडिया के आईपीओ ने फाइनल होने के बाद ग्रे मार्केट में जबरदस्त मजबूती के साथ ट्रेड करना शुरू किया था। ग्रे मार्केट में हुंडई मोटर के शेयर ने 470 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड करना शुरू किया और सिर्फ 24 घंटे में ही इसका प्रीमियम

बढ़कर 570 रुपये हो गया। उम्मीद की जा रही थी कि हुंडई मोटर के शेयर का ग्रे मार्केट में प्रीमियम 750 रुपये तक जा सकता है, लेकिन 570 रुपये के स्तर से ही इसके ग्रे मार्केट प्रीमियम में गिरावट आनी शुरू हो गई।

अब हुंडई मोटर का आईपीओ लांच होने में सिर्फ एक दिन बाकी है, तब ग्रे मार्केट में इसका प्रीमियम घट कर 60 रुपये के स्तर पर आ गया है। ग्रे मार्केट के मौजूदा प्रीमियम को ही अगर अंतिम मान लिया जाए, तो शेयर मार्केट में हुंडई मोटर के शेयरों की लिस्टिंग इसके अपर प्राइस बैंड में 60 रुपये जोड़ कर 2,020 रुपये के स्तर पर हो सकती है। ऐसा होने पर आईपीओ निवेशकों को 3 प्रतिशत के करीब लिस्टिंग गेन हो सकता है। हालांकि ग्रे मार्केट के प्रीमियम को सिर्फ एक संकेत मानना चाहिए, क्योंकि ग्रे मार्केट की स्थिति लगातार बदलती है, जिससे प्रीमियम के स्तर में भी बदलाव होते रहता है। उल्लेखनीय कि हुंडई मोटर का आईपीओ कल लांच होने वाला है, लेकिन उसके पहले एंकर इन्वेस्टर्स के लिए ये आईपीओ आज ही ओपन हो जाएगा। एंकर इन्वेस्टर्स के लिए 8,315.28 करोड़ रुपये के शेयर रिजर्व किए गए हैं। एंकर इन्वेस्टर्स के अलावा दूसरे इन्वेस्टर्स हुंडई मोटर के आईपीओ में 15 अक्टूबर यानी कल से 7 शेयर के लॉट में बोली लगा सकते हैं। इस इश्यू का 50 प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी), 15 प्रतिशत हिस्सा नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) और 35 प्रतिशत हिस्सा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व किया गया है।

आईपीओ के तहत शेयर का अलॉटमेंट 18 अक्टूबर को फाइनल होगा। इसके बाद 22 अक्टूबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर इसकी लिस्टिंग होगी। आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 14,21,94,700 शेयर ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) विंडो के तहत जारी किए जाएंगे। ये शेयर इसकी पैरंट कंपनी बेचेगी। आईपीओ लॉन्च होने के बाद हुंडई मोटर इंडिया में पैरंट कंपनी की हिस्सेदारी 17.5 प्रतिशत कम हो जाएगी।

प्याज-टमाटर बिगाड़ सकते हैं बजट

नई दिल्ली। खाने-पीने की वस्तुओं और खासकर प्याज-टमाटर की कीमतों में तेज उछाल से खुदरा महंगाई सितंबर, 2024 में बढ़कर दो महीने बाद फिर आरबीआई के 4 फीसदी के दायरे बाहर निकलकर 5.03 फीसदी के स्तर पर पहुंच सकती है। इससे पहले जून में खुदरा महंगाई 5.08 फीसदी रही थी, जबकि जुलाई और अगस्त में यह घटकर क्रमशः 3.60 फीसदी एवं 3.65 फीसदी रही थी। सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकनॉमी (सीएमआईई) की रिपोर्ट के मुताबिक, अगस्त के मुकाबले सितंबर में यानी एक महीने में खुदरा महंगाई में 1.38 फीसदी बढ़ सकती है।?खाने-पीने की वस्तुओं की महंगाई दर भी 2.3 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 8 फीसदी के स्तर पर पहुंच सकती है। अगस्त में खाद्य महंगाई 5.7 फीसदी रही थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि दिसंबर, 2023 से जून, 2024 के बीच सब्जियों की महंगाई दर 27-30 फीसदी के दायरे में बनी हुई थी।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट नजर आ रही है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 77,810 रुपये से लेकर 77,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 71,340 रुपये से लेकर 71,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

सोने की तरह ही चांदी की कीमत में भी मामूली गिरावट आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु आज 96,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 77,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,340 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,710

रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,240 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 77,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 77,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,710 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,240 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी मामूली गिरावट की वजह से आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 77,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 71,190 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

कच्चे तेल में गिरावट का रुख , पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

एजेंसी

नई दिल्ली। इजराइल-ईरान जंग के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट का रुख है। ब्रेंट क्रूड 79 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 75 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है।अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पहले दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.92 डॉलर यानी 1.16 फीसदी की गिरावट के साथ 78.12 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.90 डॉलर यानी 1.19 फीसदी लुढ़ककर 75.73 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये, डीजल 92.15 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये, डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

सीसीपीए ने ओला को रिफंड के विकल्प और रसीद देने का आदेश दिया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने टैक्सी सर्विस देने वाली कंपनी ओला को उपभोक्ता अनुकूल बदलाव लागू करने का निर्देश दिया है। इस आदेश में रिफंड के विकल्प देना और 'ऑटो राइड' के लिए रसीदें देना भी शामिल है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि सीसीपीए ने राइड हेलिंग प्लेटफॉर्म यानी टैक्सी सर्विस देने वाली कंपनी ओला को रिफंड मोड के संबंध में उपभोक्ताओं को विकल्प मुहैया करने के लिए तंत्र विकसित करने का निर्देश दिया है। नियामक ने साथ ही ओला को अपने प्?लेटफॉर्म मंच के जरिए बुक की गई सभी 'ऑटो राइड' के लिए बिल जारी करने का आदेश भी दिया है। मंत्रालय के मुताबिक प्राधिकरण की मुख्य आयुक्त निधि खरे के नेतृत्व में सीसीपीए ने यह पाया कि ओला की रिफंड नीति में केवल भविष्य की राइड के लिए कूपन कोड दिए

गए थे, जबकि उपभोक्ताओं को बैंक खाते में रिफंड का विकल्प भी नहीं दिया गया था। सीसीपीए ने ओला को निर्देश दिया कि उपभोक्ताओं को रिफंड का अपना पसंदीदा तरीका चुनने की अनुमति देने वाला तंत्र लागू करे। सीसीपीए ने उपभोक?ताओं को रिफंड सीधे उनके बैंक खाते में या कूपन के माध्यम से करने का विकल्प देने का आदेश दिया है। इसके साथ ही ओला को निर्देश दिया गया है कि वह अपने प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से बुक की गई सभी ऑटो राइड के लिए उपभोक्ताओं को बिल या रसीद या चालान प्रदान करे, ताकि इसकी सेवाओं में अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

टॉप 10 में शामिल देश की 7 कंपनियों के मार्केट कैप में 1.22 लाख करोड़ की गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। कारोबारी सप्ताह के दौरान देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 7 के मार्केट कैप में करीब 1.22 लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। मार्केट कैप में गिरावट होने के मामले में सबसे अधिक नुकसान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को हुआ। बीच के कारोबार में टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 35,638.16 करोड़ रुपये घट कर 15,01,723.41 करोड़ रुपये हो गया। इसी तरह रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 21,351.71 करोड़ रुपये घट कर 18,55,366.53 करोड़ रुपये हो गया। इस सप्ताह मार्केट कैप में गिरावट का सामना करने वाली तीसरी कंपनी आईटीसी रही। आईटीसी का मार्केट कैप 18,761.40 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 6,10,933.66 करोड़ रुपये रह गया। वहीं हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 16,047.71 करोड़ रुपये कम होकर 6,53,315.60 करोड़ रुपये रह गया। इसके अलावा भारतीय जीवन बीमा निगम का मार्केट कैप 13,946.62 करोड़ रुपये घट कर 6,00,179.03 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 11,363.35 करोड़ रुपये घट कर 8,61,696.24 करोड़ रुपये और एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 4,998.16 करोड़ रुपये कम हो कर 12,59,269.19 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। दूसरी ओर भारती एयरटेल का मार्केट कैप 26,330.84 करोड़ रुपये बढ़ कर 9,60,435.16 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इंफोसिस का मार्केट कैप 6,913.33 करोड़ बढ़ कर 8,03,440.41 करोड़ रुपये के स्तर पर और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया का मार्केट कैप 3,034.36 करोड़ बढ़ कर 7,13,968.95 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मार्केट कैप के लिहाज से रिलायंस इंडस्ट्रीज 18,55,366.53 करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) के साथ देश की सबसे अधिक मार्केट कैप वाली कंपनी रही। इसके बाद टीसीएस (कुल मार्केट कैप 15,01,723.41 करोड़ रुपये), एचडीएफसी बैंक (कुल मार्केट कैप 12,59,269.19 करोड़ रुपये), भारती एयरटेल (कुल मार्केट कैप 9,60,435.16 करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (कुल मार्केट कैप 8,61,696.24 करोड़ रुपये), इंफोसिस (कुल मार्केट कैप 8,03,440.41 करोड़ रुपये), स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (कुल मार्केट कैप 7,13,968.95 करोड़ रुपये), हिंदुस्तान यूनिलीवर (कुल मार्केट कैप 6,53,315.60 करोड़ रुपये), आईटीसी (कुल मार्केट कैप 6,10,933.66 करोड़ रुपये) और एलआईसी (कुल मार्केट कैप 6,00,179.03 करोड़ रुपये) के नाम सबसे मूल्यवान टॉप 10 कंपनियों के लिस्ट में दूसरे से दसवें स्थान पर बने रहे।

अगले कारोबारी सप्ताह में टीसीएस समेत 3 कंपनियों के शेयर होंगे एक्स डिविडेंड, 4 शेयर होंगे स्प्लिट

एजेंसी

नई दिल्ली। कारोबारी सप्ताह के दौरान स्टॉक मार्केट में बड़ी हलचल बनी रहने वाली है। अगले सप्ताह के दूसरे दिन यानी 15 अक्टूबर को ही देश का अभी तक का सबसे बड़ा आईपीओ खुलने वाला है। हुंडई मोटर इंडिया का ये आईपीओ 17 अक्टूबर तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला रहेगा। इस भारी भरकम आईपीओ के अलावा कुछ अन्य कंपनियों के शेयर में भी अगले सप्ताह हलचल बनी रहेगी। इनमें से कुछ शेयर एक्स डिविडेंड होने वाले हैं, वहीं कुछ शेयर स्प्लिट होने वाले हैं।

एक्स डिविडेंड का मतलब एक ऐसी खास तारीख होती है या कट ऑफ डेट होता है, जिस दिन तक शेयर की खरीदारी करने से निवेशकों को डिविडेंड मिलता है। उस खास दिन के बाद अगर शेयर की खरीदारी की जाती है, तो निवेशकों को डिविडेंड का फायदा नहीं मिलता है। इसी तरह शेयर स्प्लिट का मतलब किसी खास शेयर का एक तय अनुपात में बंट जाना होता है??।

इसमें निवेशकों के पोर्टफोलियो की वैल्यू में बदलाव नहीं होता है, लेकिन शेयरों की संख्या बढ़ जाती है।

अगले सप्ताह 16 अक्टूबर को एनआरबी बेयरिंग के शेयर एक्स डिविडेंड हो जाएंगे। कंपनी ने निवेशकों को इंटिरिम डिविडेंड के रूप में प्रति शेयर 2.50 रुपये देने का ऐलान किया है। इसी तरह सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 18 अक्टूबर को आनंद राठी वेल्थ के शेयर एक्स डिविडेंड होने वाले हैं। कंपनी ने अपने शेयर होल्डर्स को इंटिरिम डिविडेंड के रूप में प्रति शेयर 7 रुपये देने का ऐलान किया है। इसके अलावा 18 अक्टूबर को ही देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) भी एक्स डिविडेंड होने वाली है। टीसीएस अपने शेयर होल्डर्स को इंटिरिम डिविडेंड के रूप में 10 रुपये प्रति शेयर देगी।

इस सप्ताह चार कंपनियों के शेयर स्प्लिट होने वाले हैं। इनमें अबांस इंटरप्राइजेज और ट्राईडेंट ग्लोबल फाइनेंस अपने एक शेयर के बदले में निवेशकों को 5 शेयर देंगी। स्टॉक स्प्लिट के लिए 15 अक्टूबर को कट ऑफ डेट तय किया गया है। इसी तरह पॉडी ऑक्साइड एंड केमिकल्स के शेयर होल्डर्स को एक शेयर के बदले में दो शेयर मिलेंगे। इस कंपनी ने स्टॉक स्प्लिट के लिए 16 अक्टूबर की तारीख तय की है। इसके अलावा हर्षल एग्रोटेक के एक शेयर के बदले में शेयर होल्डर्स को 10 शेयर मिलेंगे। यानी ये शेयर 1:10 के अनुपात में स्प्लिट हो जाएगा। स्टॉक स्प्लिट के लिए 17 अक्टूबर की तारीख तय की गई है।

शेयर बाजार की चाल पर कंपनियों के तिमाही नतीजों का पड़ेगा असर, ग्लोबल डेटा भी डालेंगे प्रभाव

एजेंसी

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट का तनाव, विदेशी निवेशकों की बिकवाली और वैल्यूएशन से संबंधित चिन्ताओं के कारण पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में लगातार दबाव की स्थिति बनी रही। हालांकि इस सप्ताह बाजार में एक बार फिर तेजी का माहौल बनने और उतार-चढ़ाव में कमी आने की संभावना जताई जा रही है।

मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस सप्ताह इन्वेस्टर की नजर मुख्य रूप से हुंडई मोटर इंडिया के मेगा आईपीओ, चीन की तिमाही जीडीपी के आंकड़ों, अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल (क्रूड) की कीमत और अमेरिकी बाजार में रिटेल सेल और वीकली जॉब के आंकड़ों पर टिकी रहने वाली है। इसके साथ इस सप्ताह देश की कई दिग्गज कंपनियां अपने तिमाही नतीजे जारी करने वाली हैं, जिनमें रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और इंफोसिस जैसी देश की मोस्ट वैल्युएबल कंपनियां शामिल हैं।

धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी को उम्मीद है कि

घरेलू शेयर बाजार हायर जोन में कंसोलिडेट होगा। हालांकि उन्होंने कंसोलिडेशन के साथ ही मार्केट के डाउनग्रेड होने की आशंका भी जताई, जो शॉर्ट से मीडियम टर्म में भारत के प्रीमियम वैल्यूएशन को कम कर सकता है। धामी के अनुसार शुरू होने वाले सप्ताह के दौरान निवेशकों का मुख्य ध्यान तिमाही नतीजों पर होगा। पिछले सप्ताह टीसीएस के कमजोर नतीजे आने के बाद अब सब की निगाहें अगले सप्ताह आने वाले इंफोसिस के तिमाही नतीजों पर टिकी रहने वाली है। इसके अलावा निफ्टी 50 सूचकांक में शामिल रिलायंस इंडस्ट्रीज, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजी, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस, बजाज ऑटो, एक्सिस बैंक, नेस्ले इंडिया, टेक महिंद्रा, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स और एलटी माइंडट्री जैसी कंपनियां भी अपना तिमाही नतीजा जारी करेंगी। निफ्टी में इन कंपनियों का वेटेज 38 प्रतिशत से भी अधिक है। इसलिए अगर इन कंपनियों के नतीजे सकारात्मक रहे, तो सूचकांक में तेजी आएगी। वहीं अगर इनके नतीजे कमजोर रहे, तो बाजार के संवेदी सूचकांक में एक बार फिर गिरावट आ सकती है। इसके अलावा इसी सप्ताह एचडीएफसी ऐसेट मैनेजमेंट कंपनी, जियो फाइनेंशियल सर्विसेज, आरबीएल बैंक, एलएंडटी फाइनेंस, एंजेल वन, सिएट, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, स्टर्लिंग एंड विल्सन रिन्यूएबल एनर्जी, पीवीआर आईनॉक्स, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, आदित्य बिरला मनी, एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज, जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड, इंडियन ओवरसीज बैंक, हैवेल्स इंडिया, टाटा केमिकल्स, टाटा कम्युनिकेशंस, पॉलिकैब इंडिया, एम्फैसिस, आईसीआईसीआई लोंबार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी, एलएंडटी फाइनेंस, जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज, ओबेरॉय रियल्टी, एमसीएक्स इंडिया और जिंदल सॉ लिमिटेड भी अपने तिमाही आंकड़ों की घोषणा करेंगी। इन कंपनियों के नतीजे भी स्टॉक मार्केट की चाल पर असर डालेंगे। निवेशकों की नजर अक्टूबर को ही जारी होने वाले सितंबर के कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) और होलसेल प्राइस इंडेक्स (डब्ल्यूपीआई) पर भी टिकी रहने वाली है। अगस्त में कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स जुलाई के 3.60 प्रतिशत से बढ़ कर 3.65 प्रतिशत हो गया था, जबकि होलसेल प्राइस इंडेक्स जुलाई के 2.04 प्रतिशत से कम होकर अगस्त में 1.31 प्रतिशत के स्तर पर आ गया था। ऐसे में सितंबर में महंगाई दर से संबंधित ये दोनों आंकड़े किस स्तर पर रहे, इस बात से भी बाजार पर असर पड़ेगा। इसके अलावा 15 अक्टूबर को बैलेंस ऑफ ट्रेड के आंकड़ों का ऐलान किया जाएगा। इसी तरह सितंबर के लिए पैसेंजर व्हीकल सेल्स के आंकड़े 17 अक्टूबर को जारी किए जाएंगे। इसके अलावा 11 अक्टूबर को समाप्त हुए कारोबारी सप्ताह के लिए फॉरेन रिजर्व के आंकड़े भी 18 अक्टूबर को जारी होंगे। आर्थिक मानकों से जुड़े इन आंकड़ों पर भी घरेलू शेयर बाजार के निवेशकों की नजर टिकी रहने वाली है।

खाद्य तेलों में उबाल; दालों में मिलाजुला रुख

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर त्योहारी मांग निलकने से से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में 1832 रुपये प्रति क्विंटल तक की उबाल रही जबकि दाल-दलहन में मिलाजुला रुख वहीं अन्य जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अक्टूबर वायदा सप्ताहांत पर 50 रिंगिट चढ़कर 4450 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, अक्टूबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.09 सेंट की गिरावट के साथ 43.89 सेंट प्रति पौंड बोला गया।इस दौरान सरसों तेल 374 रुपये, मूंगफली तेल 18 रुपये, सोया रिफाइंड 952 रुपये, पाम ऑयल 1832 रुपये और वनस्पति तेल 1796 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हो गया। वहीं, सूरजमुखी तेल में 219 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही। सप्ताहांत पर सरसों तेल 15495 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 18332 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 14286 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 14871 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 12088 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 15495 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

दाल-दलहन : बीते सप्ताह दाल-दलहन बाजार में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान चना 50 रुपये और दाल चना 50 रुपये प्रति क्विंटल उतर गई जबकि मसूर दाल 50 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गई। वहीं, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

सप्ताहांत पर चना 7800-7900, दाल चना 8800-8900, मसूर काली 7450-7550, मूंग दाल 9500-9600, उड़द दाल 10600-10700, अरहर दाल 10400-10500 रुपये प्रति क्विंटल रही।

अनाज : अनाज मंडी में टिकाव रहा। इस दौरान गेहूं और चावल के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

इस दौरान (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2700-2800 रुपये और चावल 2900-3000 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

चिकना दिखता है चेहरा, नहीं उग रही दाढ़ी, ऐसे मर्दों को पीना चाहिए ये 5 तरह के जूस, कुछ दिनों में दिखेंगे गबरू जवान

कुछ पुरुषों की दाढ़ी और मूछें जल्दी नहीं आती हैं. उगती भी हैं तो बहुत धीमी रफ्तार से. ऐसे में उनका चेहरा चॉकलेटी बॉय की तरह नजर आता है. यदि आप चाहते हैं घनी दाढ़ी रखना तो आपको जरूर इन जूस का सेवन करना चाहिए. इससे सेहत को कई और भी फायदे होंगे.

कुछ पुरुषों की उम्र तक बढ़ती है, लेकिन देखने में वे कम उम्र के युवा लड़कों की तरह दिखते हैं. कई बार हॉर्मोनल असंतुलन, जेनेटिक्स, खानपान में पौष्टिक चीजों को शामिल न करने से भी दाढ़ी-मूंछ सही से नहीं उग पाती है. हल्की दाढ़ी होती भी है तो उनके उगने की रफ्तार काफी धीमी होती है. ऐसे में जिन लोगों को बड़ी दाढ़ी-मूंछ (grow mustache)रखने का शौक है, उनको थोड़ी बहुत निराशा की बात ये हो सकती है. हालांकि, आप कुछ फलों के जूस को डाइट में शामिल करके धीमी गति से बढ़ती दाढ़ी की रफ्तार को थोड़ा-बुहत बढ़ा सकते हैं. चलिए जानते हैं पुरुषों को कौन से 4 जूस पीना फायदेमंद हो सकता है और फेशियल हेयर ग्रोथ में इजाफा कर सकते हैं.

1. entrepreneur.com में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, पुरुषों और युवाओं को हेल्दी रहने के लिए भी दिनभर कुछ ना कुछ ऐसा खाना-पीना चाहिए, जिससे वे फिजिकली और मेंटली हेल्दी महसूस कर सकें. ऐसे में स्वस्थ रहने के लिए कुछ जूस का सेवन करना शुरू कर दें. जो लोग शारीरिक रूप से बहुत एक्टिव रहते हैं, उन्हें चाय-कॉफी पीने की बजाय जूस का सेवन करना चाहिए. जूस पिएं तो फलों से तैयार जूस पिएं. एडिटिव जैसे शुगर, सॉल्ट और प्रिजर्वेटिव्स-फ्री फलों के जूस में माइक्रोन्यूट्रिएंट्स और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो पुरुषों में होने वाले कुछ कैंसर के रिस्क को कम कर सकता है.

2. संतरे का जूस- अगर आपको लंबी दाढ़ी रखने का शौक है, लेकिन ये जल्दी बढ़ते नहीं हैं तो आप रेगुलर संतरे का जूस पिएं. फेशियल हेयर ग्रोथ नेचुरल तरीके से जल्दी होगा. यह मेल हॉर्मोंस के लिए बेहद ही फायदेमंद जूस है. साथ यह थायरॉइड एक्टिविटी को भी बढ़ाता है, जिससे फेशियल हेयर, नाखून, बालों का ग्रोथ सभी तेजी से होते हैं. इसमें मौजूद विटामिन सी एक बेहद ही आवश्यक माइक्रोन्यूट्रिएंट है, जो चेहरे के हेयर ग्रोथ (Facial hair growth) को बढ़ावा देता है. इससे दाढ़ी घनी भी होती है. साथ ही संतरे के जूस में मौजूद फायदेमंद एंटीऑक्सीडेंट्स हार्ट हेल्थ को प्रमोट कर क्रोनिक डिजीज के रिस्क को कम करते हैं.

3. टमाटर का जूस- अमेरिकन कैंसर सोसायटी के अनुसार, पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर सबसे कॉमन कैंसर है. इस खतरनाक बीमारी के जोखिम को कम करने के लिए टमाटर का जूस मर्दों को जरूर पीना चाहिए. टमाटर का जूस पीने से प्रोस्टेट कैंसर के ट्यूमर का ग्रोथ कम हो सकता है. शोध के अनुसार, जो पुरुष टमाटर और इससे बनी चीजों का सेवन करते हैं, उनमें प्रोस्टेट कैंसर होने का जोखिम काफी हद तक कम हो जाता है. चूंकि, इसमें लाइकोपीन कम्पाउंड होता है, जो कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोक सकता है.

4. चुकंदर का रस- चुकंदर के जूस में नाइट्रेट हह3 से भरपूर होता है. नाइट्रेट रक्त वाहिकाओं और केशिकाओं को चौड़ा करते हैं, जिससे पूरे शरीर में रक्त का प्रवाह बढ़ जाता है. इससे एथलेटिक्स परफॉर्मेंस में सुधार होता है. आसानी से मांसपेशियों में ऑक्सीजन पहुंचता है. इससे बेहतर तरीके से सांस लेने में मदद मिलती है. लिंग में रक्त प्रवाह में वृद्धि होने से पुरुष यौन क्रिया में भी सुधार करता है.

5. कीनू का जूस- कीनू के जूस में शहद मिलाकर पीने से विटामिन ए मिलता है. यह हेल्दी आंखों और इम्यून सिस्टम के लिए फायदेमंद है. यह विटामिन सी, पोटैशियम, एंटीऑक्सीडेंट्स, फोलेट, फॉस्फोरस, कैल्शियम से भी भरपूर होता है. ये विटामिंस कई तरह की बीमारियों से लड़ते हैं. एजिंग को कम करते हैं.

6. अनानास का जूस- पुरुषों के लिए अनानास का जूस पीना भी संपूर्ण सेहत को बनाए रखने का नेचुरल तरीका है. अनानास का जूस पीने से गैस, ब्लोटिंग की समस्या नहीं होती. इससे मैंगनीज मिलता है. यह हेल्दी हड्डियों के लिए जरूरी पोषक तत्व है.

राहुल के खिलाफ साथ खड़े मोदी-भागवत

हरियाणा चुनाव नतीजे में भारतीय जनता पार्टी की जीत से ज्यादा कांग्रेस पार्टी की हार पर चर्चा हो रही है। कारपोरेट मीडिया से लेकर यूट्यूब चैनलों पर कांग्रेस पार्टी की अंदरूनी खींचतान, ईवीएम में गड़बड़ी और राहुल गांधी के नेतृत्व को लेकर चर्चाएं आयोजित की जा रही हैं। यह भी आश्चर्यजनक है कि राहुल गांधी ना तो कांग्रेस के अध्यक्ष हैं और ना ही हरियाणा के प्रभारी, फिर भी निशाने पर राहुल गांधी हैं।

हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनाव संपन्न हो चुके हैं। चुनावी नतीजों की चर्चा में जोर हरियाणा पर है। जबकि जम्मू-कश्मीर में भारतीय जनता पार्टी चुनाव हारी है। वहां पर नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस पार्टी के इंडिया गठबंधन ने स्पष्ट बहुमत प्राप्त किया है। जम्मू-कश्मीर में धारा 370 खत्म होने (5 अगस्त 2019) के बाद यह पहला विधानसभा चुनाव था। लोकतंत्र की बहाली के लिए हुए चुनाव में भाजपा सरकार द्वारा धारा 370 खत्म करने के फैसले को एक तरह से जम्मू-कश्मीर की जनता ने खारिज कर दिया है। नेशनल कांफ्रेंस और कांग्रेस पार्टी के गठबंधन का मुख्य मुद्दा पूर्ण राज्य का दर्जा वापस दिलाना था। जबकि भाजपा सिर्फ परिवारवाद के खिलाफ चुनाव लड़ रही थी। हरियाणा की तरह जम्मू-कश्मीर में भी भाजपा तमाम अघोषित सहयोगियों के भरोसे चुनाव मैदान में थी। भाजपा यहां नए परिसीमन का फायदा उठाना चाहती थी। लेकिन जम्मू-कश्मीर में बीजेपी चुनाव हार गई। आश्चर्य यह है कि जम्मू - कश्मीर में भाजपा की हार और कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस की जीत की कोई चर्चा नहीं हुई। दिलचस्प यह भी है कि जम्मू-कश्मीर में जीत का जश्न मनाने के बजाय इंडिया एलायंस के सहयोगी दल कांग्रेस पर हमलावर हो गए। दूसरी तरफ हरियाणा चुनाव जीतने के बाद नरेंद्र मोदी ने अपने दरकते ब्रांड को पुनः पुष्ट करने के लिए भाजपा कार्यालय में अपने चिर-परिचित अंदाज में जश्न मनाया। गुलाब की पंखुड़ियों की आकाश वर्षा के बीच पूरे राजसी अंदाज में कदमताल करते हुए नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पार्टी और खासकर राहुल गांधी पर जोरदार हमला किया। जाहिर तौर पर यह हमला आने वाले महाराष्ट्र और झारखंड चुनाव को लक्षित करके किया गया है।

हरियाणा चुनाव नतीजे में भारतीय जनता पार्टी की जीत से ज्यादा कांग्रेस पार्टी की हार पर चर्चा हो रही है। कारपोरेट मीडिया से लेकर यूट्यूब चैनलों पर कांग्रेस पार्टी की अंदरूनी खींचतान, ईवीएम में गड़बड़ी और राहुल गांधी के नेतृत्व को लेकर चर्चाएं आयोजित की जा रही हैं। यह भी आश्चर्यजनक है कि राहुल गांधी ना तो कांग्रेस के अध्यक्ष हैं और ना ही हरियाणा के प्रभारी, फिर भी निशाने पर राहुल गांधी हैं। हां,यह जरूर है कि वह कांग्रेस पार्टी के स्टार प्रचारक और सबसे ताकतवर नेता हैं। लेकिन इस बात को नजरअंदाज किया जाता है कि राहुल गांधी आज देश के सबसे लोकप्रिय नेता हैं। विपक्ष ही नहीं बल्कि नौजवानों, किसानों, दलितों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों के लिए राहुल गांधी सबसे बड़ी उम्मीद हैं। ऐसे में राहुल गांधी को हरियाणा की हार का जिम्मेदार बताकर भाजपा और कारपोरेट मीडिया उन उम्मीदों को प्रश्नांकित करना चाहता है। जबकि सच्चाई यह है कि केवल 90 सीटों की विधानसभा वाले राज्य हरियाणा में कांग्रेस की हार से राहुल गांधी की छवि, उनकी विश्वसनीयता और लोकप्रियता पर कोई असर नहीं होने वाला। लेकिन कांग्रेस पार्टी के सांगठनिक ढांचे, हरियाणा के नेताओं की खींचतान और भूपेंद्र सिंह हुड्डा के मनमानेपन ने कांग्रेस को नुकसान पहुंचाया है। जाहिर तौर पर हरियाणा चुनाव के प्रभारी, पर्यवेक्षक और पार्टी के संगठन सचिव से लेकर हरियाणा कांग्रेस के दिग्गज नेताओं की नाकामी की वजह से कांग्रेस पार्टी ने चुनाव गंवाया है।

हरियाणा चुनाव नतीजों के जरिए राहुल गांधी पर हो रहे हमले के क्या मायने है? क्या हरियाणा की हार से राहुल गांधी की जननेता की छवि ध्वस्त हो गई है? राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा से लेकर लोकसभा चुनाव तक जो अपनी विश्वसनीयता और लोकप्रियता हासिल की है, क्या हरियाणा चुनाव में कांग्रेस की हार से खत्म हो जाएगी? दरअसल, इस तरह का परसेप्शन गोदी मीडिया और आईटी सेल के जरिए बनाया जा रहा है। यह धारणा क्यों बनाई जा रही है, इसे समझना भी बहुत मुश्किल नहीं है। जाहिर तौर पर नरेंद्र मोदी को इस समय सबसे ज्यादा खतरा राहुल गांधी से है। इससे पूर्व आरएसएस और गुजरात लॉबी के बीच टकराव की खबरें चल रही थीं। माना जाता है कि आरएसएस मोदी और शाह के पर कतरना चाहता है। इसलिए नरेंद्र मोदी को खतरा आरएसएस से है। लेकिन सच यह है कि आरएसएस मोदी का अपना घर है।

आरएसएस कभी इस तरह का कदम नहीं उठाएगा जिससे भारतीय जनता पार्टी को नुकसान हो। आखिर नरेंद्र मोदी ने आरएसएस के एजेंडे को हर तरह से लागू किया है।अल्पसंख्यकों को अघोषित दोयम दर्जे का नागरिक बनाने से लेकर दलितों - पिछड़ों के आरक्षण को अप्रत्यक्ष तरीके से खत्म करके और पुनः मनुवादी व्यवस्था लागू करने की दिशा में नरेंद्र मोदी बढ़ चुके हैं। लोकसभा चुनाव में किया गया संविधान बदलने का ऐलान, दरअसल, आरएसएस का ही पुराना एजेंडा है। इसलिए मोहन भागवत कभी भी नरेंद्र मोदी के लिए खतरा नहीं बन सकते। भाजपा, आरएसएस और मोदी के लिए आज सबसे बड़ी चुनौती व्यक्ति के तौर पर राहुल गांधी हैं। आज जहां कांग्रेस पार्टी खड़ी है उसमें एकमात्र और सबसे बड़ी भूमिका राहुल गांधी की है। राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी को फिर से लोगों की उम्मीद बनाकर खड़ा किया है। यह राहुल गांधी के संघर्ष और लगातार मोदी सत्ता से जूझते रहने का ही नतीजा है। राहुल गांधी जवाहरलाल नेहरू के बाद कांग्रेस पार्टी के इकलौते नेता हैं जो आरएसएस को खुलकर चुनौती ही नहीं दे रहे हैं बल्कि उससे निपटने के लिए तैयार भी हैं। यही वजह है कि जब मामला राहुल गांधी का होगा तो मोहन भागवत और नरेंद्र मोदी एक साथ खड़े नजर आएंगे।हरियाणा में कांग्रेस पार्टी की हार के लिए राहुल गांधी को जिम्मेदार बताया जा रहा है। इसके जरिए यह भी कहा जा रहा है कि नरेंद्र मोदी के मुकाबले राहुल गांधी नहीं टिक सकते। जबकि सच्चाई यह है कि हरियाणा चुनाव प्रचार के दौरान नरेंद्र मोदी भीड़ नहीं खींच पाने के कारण केवल चार रैलियां करके खामोश हो गए। चुनाव प्रचार के अंतिम दो दिन तो उन्होंने हरियाणा जाने की हिम्मत भी नहीं की।

इसके बरक्स राहुल गांधी लगातार चार दिन अपनी विजय संकल्प यात्रा करते रहे। राहुल गांधी की यात्रा और रैलियों में बहुत भीड़ जुटती रही। इनमें उन्होंने बुनियादी मुद्दों को उठाया और हरियाणा के लोगों के विकास का एजेंडा प्रस्तुत किया। उन्होंने विभाजनकारी धर्म आधारित सांप्रदायिक राजनीति का डटकर मुकाबला किया। प्रेम, सौहार्द और सबको साथ लेकर चलने का उन्होंने वादा किया। किसानों और नौजवानों के सवालों के साथ सामाजिक न्याय के मुद्दों को राहुल गांधी पूरी ईमानदारी और निष्ठा से उठाते रहे हैं। सच बात यह है कि नफरत, हिंसा और पाखंड से बाहर निकालकर भारत की राजनीति को राहुल गांधी ने मानवीय और संवेदनशील बनाया है।

संपादकीय

आत्म मंथन का वक्त

हरियाणा में वापसी को लेकर बनी बड़ी उम्मीदों के बीच आए अप्रत्याशित चुनाव परिणामों से निश्चय ही कांग्रेस पार्टी सांसत में है। पार्टी का केंद्रीय व राज्य नेतृत्व स्तब्ध है कि आखिर ये क्या और कैसे हुआ। भले ही पार्टी ईवीएम व चुनाव प्रणाली को लेकर सवाल खड़े कर रही है, लेकिन इसके बावजूद उसे हरियाणा में शिकस्त और जम्मू-कश्मीर में निराशाजनक प्रदर्शन से सबक लेना चाहिए। निश्चय ही इस प्रदर्शन ने महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की स्थिति को कमजोर कर दिया है। यहां तक कि इंडिया गठबंधन में घटक दलों द्वारा बयानबाजी का दौर तेज हुआ है। वे कांग्रेस के अति आत्मविश्वास को विफलता की वजह बता रहे हैं। निस्संदेह, लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद देश की यह सबसे पुरानी पार्टी पिछले दो आम चुनावों की तुलना में बेहतर स्थिति में नजर आई थी। पार्टी को लोकसभा में प्रमुख विपक्षी दल के रूप में मान्यता भी मिली थी। वहीं पार्टी के युवा तुर्क राहुल गांधी खासे मुखर थे। लेकिन आठ अक्तूबर के नतीजे के बाद स्थितियां बदल गई हैं। इसके कुछ सहयोगियों, जैसे कि शिव सेना-यूबीटी, सीपीआई और आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को आगामी विधान सभा चुनावों के लिये आत्मनिरीक्षण करने की सलाह दी है। साथ ही अपनी आगामी रणनीति की समीक्षा करने की सलाह भी दी है। वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी की सीट बंटवारे की बातचीत फिलहाल अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। शिवसेना-यूबीटी और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी कांग्रेस इस बदले हालात में सीटों के बंटवारे के लिये बेहतर सौदेबाजी करने का अवसर महसूस कर रही हैं। वहीं कांग्रेस ने अपने गठबंधन के सहयोगियों को तुरंत याद दिलाया है कि उसने इस साल हुए लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र में अच्छा प्रदर्शन किया था। उसने जिन 17 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से तेरह पर जीत हासिल की थी।

बहरहाल ऐसे तर्कों के बावजूद कांग्रेस पार्टी द्वारा हरियाणा विधानसभा चुनाव में की गई चूकों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उसके कई फैसलों को लेकर सवाल उठाये जा रहे हैं। गठबंधन में शामिल आप के साथ तालमेल करने के बजाय अकेले चुनाव लड़ना सवालों के घेरे में रहा है। यद्यपि हरियाणा विधानसभा चुनाव में आप को एक भी सीट नहीं मिली, लेकिन पार्टी द्वारा हासिल 1.79 वोट शेयर ने भाजपा और कांग्रेस में कांटेदार टक्कर के बीच नतीजों पर कुछ असर तो डाला ही है। भले ही कांग्रेस आलाकमान अपने फैसलों को लेकर तर्क देता रहे, लेकिन उसे अपने गठबंधन के साझेदारों के प्रति अधिक उदार होने की जरूरत है।

झारखंड में भाजपा के प्रभुत्व के मद्देनजर कांग्रेस को इतना विनम्र तो होना चाहिए कि वह झारखंड मुक्ति मोर्चा के बाद दूसरी भूमिका निभा सके। महाराष्ट्र में भी, उसे इस बात को प्राथमिकता देनी चाहिए कि गठबंधन के लिये क्या बेहतर हो सकता है न कि वह अपने पार्टी हितों को प्राथमिकता दे। यह हकीकत किसी से छिपी नहीं है कि लोकसभा चुनावों में उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन न कर पाने के बाद भारतीय जनता पार्टी अच्छी तरह से एकजुट हो गई है। पार्टी ने अपने अहम? को त्यागकर गठबंधन धर्म की राह पकड़ी है। कांग्रेस को अपने चिर-प्रतिद्वंद्वी से कुछ तो सबक सीखना चाहिए, यह जानते हुए कि हरियाणा और जम्मू कश्मीर के जनादेश से कांग्रेस के लिये राष्ट्रीय राजनीति में मुश्किलें बढ़ेंगी। इस बात का अंदाजा इस घटनाक्रम से लगाया जा सकता है कि चुनाव परिणाम आने के बाद आम आदमी पार्टी व शिव सेना उद्धव ठाकरे गुट ने कांग्रेस को निशाना बनाना आरंभ कर दिया है।

आम आदमी पार्टी ने तो यहां तक घोषणा कर दी है कि दिल्ली विधान सभा के चुनाव पार्टी अकेले ही लड़ेगी। हरियाणा चुनावों के अप्रत्याशित परिणामों की एक व्याख्या यह भी की जा रही है कि भाजपा व राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के बीच की दूरियां कम हो गई हैं।

यह भी कि हरियाणा के अप्रत्याशित चुनावों में संघ की निर्णायक भूमिका रही है। यह तथ्य इसलिये भी महत्वपूर्ण है कि संघ का नागपुर मुख्यालय महाराष्ट्र की राजनीति में प्रभावी घटक भी हो सकता है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सफलता का रहस्य

इस वर्ष 2025 विजयादशमी का पावन पर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष का शुभारम्भ है। हिन्दू संगठन और राष्ट्र को परमवैभव पर ले जाने के जिस उद्देश्य को लेकर सन 1925 में विजयादशमी के दिन नागपुर में डा. केशवराव बलिराम हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की थी। उस ध्येय पथ पर संघ निरन्तर बढ़ता जा रहा है। किसी भी जीवंत संगठन के लिए शताब्दी वर्ष तक की यात्रा बहुत ही महत्वपूर्ण मानी जाती है। कोई भी संगठन किसी निश्चित उद्देश्य से बनता है और दस,बीस, पचास साल में उसकी महत्ता घट जाती है। जबकि संघ में ऐसा नहीं है। अभी भी संघ बूढ़ा नहीं बल्कि चिरयुवा है। इस सुदीर्घ यात्रा में संघ ने राष्ट्र के नवोत्थान का पथ आलोकित किया है। देशवासियों में देश के प्रति निष्ठा व समर्पण का भाव जगाया है।

अब तक की यात्रा में हिन्दू संगठन के साथ-साथ आम लोगों का विश्वास जीतने और राष्ट्र जागरण के प्रयास में संघ पूर्णतया सफल रहा है। देश दुनिया में आरएसएस नाम से विख्यात राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्व का सबसे बड़ा सामाजिक संगठन है। संघ की तुलना किसी दूसरे संगठन से नहीं कर सकते क्योंकि तुलना करने के लिए भी इसके जैसा कोई होना चाहिए। इसीलिए बहुत से लोग स्वार्थवश संघ को बुरा भला कहते हैं। कुछ लोग अज्ञानवश भी संघ की आलोचना करते हैं क्योंकि उनको संघ की असलियत पता नहीं है।

नागपुर से शुरू हुआ संघ विशाल वटवृक्ष का रूप धारण कर चुका है। इस वटवृक्ष की छांव में भारत की संस्कृति और परम्परा पुष्पित पल्लवित हो रही है। आज 50 से अधिक संगठन विविध क्षेत्रों में संघ से प्रेरणा लेकर कार्य कर रहे हैं। यह सभी संगठन स्वायत्त जरूर हैं लेकिन उनके पीछे संघ की शक्ति ही सक्रिय है। विविध क्षेत्रों में कार्य करने वाले संघ के आनुषांगिक संगठन विश्व के शीर्ष संगठनों में शुमार हैं। चाहे किसान संघ हो, मजदूर संघ हो, विद्यार्थी परिषद हो, वनवासी बंधुओं के बीच कार्य करने वाला संगठन वनवासी कल्याण आश्रम हो, शिक्षा के क्षेत्र में विद्या भारती,धर्म के क्षेत्र में सक्रिय विश्व हिन्दू परिषद हो या फिर राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय भारतीय जनता पार्टी। यह सब विश्व में चोटी के संगठन हैं। कुल मिलाकर देखेंगे तो पायेंगे समाजजीवन का ऐसा कोई क्षेत्र अक्षूता नहीं है जिस क्षेत्र में संघ के कार्यकर्ता काम न कर रहे हों। लोगों के लिए यह आश्चर्य का विषय है कि ऐसी कौन सी शक्ति या विजन है कि संघ इतना पुराना संगठन होने के बावजूद उसकी शक्ति नित्य–प्रति बढ़ती जा रहै। लोग कहते हैं कि आखिर संघ की सफलता का रहस्य क्या है? यह जानने के लिए संघ स्थापना की पृष्ठभूमि पर गौर करना आवश्यक होगा। डा. हेडगेवार ने राष्ट्र की समस्याओं का आकलन किया और उनके समाधान के सूत्र खोजे।

जिसमें प्रमुख कारण था देशभक्ति का अभाव। आपसी संबंधों का अभाव। जागरूकता का अभाव। इसके लिए संघ संस्थापक ने शाखा नामक अभिनव कार्यपद्धति विकसित की। डा. हेडगेवार ने कहा कि हम शाखा के माध्यम से स्वयंसेवक तैयार करेंगे और यही स्वयंसेवक ही आगे चलकर समाज में बदलाव लायेंगे।

नित्य प्रति लगने वाली शाखा

डा. केशव बलिराम हेडगेवार ने सन 1925 में विजयादशमी के दिन नागपुर में संघ की स्थापना की। प्रथम संघ की शाखा मोहिते का बाड़ा में शुरू हुई। इसके बाद शाखा का विस्तार होता गया। व्यक्ति निर्माण में शाखा का प्रयोग अद्धितीय अनुपम व अनूठा है। संघ की सफलता का रहस्य शाखा में ही निहित है। अनेकों संगठन संघ की भांति शाखा चलाने की बात करते हैं लेकिन उन्हें यह पता नहीं कि शाखा चलाने के लिए अनेकों स्थानीय कार्यकर्ता व प्रचारकों की लम्बी श्रंखला का कठोर परिश्रम तथा समय लगता है। इसी त्याग तपस्या का प्रतिफल है शाखा। शाखा के माध्यम से संघ ने व्यक्ति निर्माण करने में सफलता प्राप्त की है। शाखा प्रतिदिन 60 मिनट की ही लगती है। शाखा के कार्यक्रम तय हैं। पूरे एक घंटे का शारीरिक व बौद्धिक कार्यक्रमों का नियोजन है। शाखा का प्रारम्भ व विकिर (समापन) सीटी से होता है। शाखा के कार्यक्रमों से स्वयंसेवकों में विविध गुणों का विकास होता है। देश का कार्य करने के लिए अपना शरीर सशक्त होना चाहिए। इसके लिए व्यायाम आवश्यक है। प्रतिदिन शारीरिक कार्यक्रम होते हैं। शाखा में मुख्य शिक्षक की आज्ञा का पालन सब करते हैं चाहे संघ के सरसंघचालक ही क्यों न हों।

मुख्य शिक्षक की आज्ञा होती है अग्रेसर। शाखा में कितनी भी अधिक संख्या क्यों न हो जो स्वयंसेवक अग्रेसर रेखा पर आ गया शेष सब स्वयंसेवक अग्रेसर के पीछे ही खड़े होते हैं,फिर आयु या कद का बंधन नहीं रहता है। उसी तरह संघ में एकसह सम्पत एक आज्ञा होती है। इसका अर्थ होता है एक लाइन में खड़े होना। इसमें भी कोई भी स्वयंसेवक जो पहले आकर खड़ा हुआ उसके बगल में ही सब खड़े होंगे। छोटे बड़े का कोई भेद नहीं। शाखा में आने वाले सभी स्वयंसेवक एक दूसरे को भाई साहब कहकर अभिवादन करते

हैं। पांच साल का स्वयंसेवक भी 70 साल के स्वयंसेवक को भाई साहब ही कहता है। स्वयंसेवकों में यह भाव पैदा किया जाता है कि हम सभी भारत माता के पुत्र हैं तो हम सब आपस में भाई-भाई हैं। संघ शाखा के इसी भाव के द्वारा ही नित्य सिद्ध शक्ति खड़ी होती है।

प्रचारक पद्धति

डा. हेडगेवार ने नागपुर से बाहर अन्य प्रदेशों में संघ कार्य विस्तार के लिए युवाओं को भेजना शुरू किया। तब से प्रचारक पद्धति शुरू हो गयी। संघ में प्रचारक ऋषि परम्परा के समान साधक माने जाते हैं। संघ के स्वयंसेवक प्रचारकों को अपना आदर्श मानते हैं। संघ कार्य की मुख्य धुरी प्रचारक ही होते हैं। इन प्रचारकों के भोजन जलपान इत्यादि की चिंता स्वयंसेवक ही करते हैं। प्रचारक पूरा समय देकर संघ का कार्य करता है। प्रचारक हिन्दू-हिन्दू भाई का केवल गीत नहीं गाते हैं उसे जीवन में उतारते हैं। रज्जू भैया,अशोक सिंघल जैसे अनेकानेक युवा जो प्रचारक निकले क्षमता प्रतिभा की कोई कमी नहीं थी। पर सब कुछ संघ में रहकर भारत मां के चरणों में समर्पित कर दिया। बड़ी संख्या में निकले इन प्रचारकों के कारण ही संघ का काम तेजी से बढ़ा है। संघ के प्रचारक की दिनचर्या प्रातः चार बजे से शुरू होकर रात 11 बजे से पहले सोने का कोई प्रश्न ही नहीं होता। प्रचारक चार बजे अवश्य जग जाता है क्योंकि उसे नित्य प्रभात की शाखा पर प्रवास करना होता है। प्रचारक के नाते जिस क्षेत्र में वह है वहां संघ का काम बढ़े बस यही उसकी अपेक्षा रहती है। प्रचारकों का समय-समय पर स्थान परिवर्तन भी होता रहता है। यह भी गारंटी नहीं कि उनका काम अच्छा रहेगा तो वहीं रहेंगे। उनका कार्यक्षेत्र यहां तक कि एक संगठन से दूसरे संगठन में भी भेजा जाता है। जब पंजाब में खालिस्तानी उग्रवाद चरम पर था। बिना केश कृपाण वालों की कब हत्या हो जाए ऐसे संकट के काल में पूरे देश से प्रचारक पंजाब भेजे गए। अनेक प्रचारकों को अपनी जान भी गंवानी पड़ी। कुछ समय पहले तक यही हाल काश्मीर का भी था। समाज जीवन के विविध क्षेत्रों में जो आज परिवर्तन दिखाई दे रहा है उस परिवर्तन के पीछे संघ से भेजे गये प्रचारकों की मेहनत ही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय,अटल बिहारी बाजपेई, दत्तोपंत ठेंगड़ी, मोरोपंत पिंगले और नरेन्द्र मोदी प्रचारक परम्परा के ही प्रासाद हैं।

संघ कार्य का आधार स्थानीय कार्यकर्ता

संघ में सम्पूर्ण कार्य का मुख्य आधार सामान्य स्वयंसेवक ही है। जो विद्यार्थी है,व्यवसायी है किसान है या गृहस्थी चलाने के लिए अन्य कोई कार्य करता है। संघ का वास्तविक आधार समाज का वही सामान्य नागरिक है। संघचालक,कार्यवाह तथा सामान्य जीवन जीने वाले अन्यान्य स्वयंसेवक सब प्रकार के व्यक्तिगत मोह,ममता,सुख दुख काम धंधे के खतरे को उठाते हुए संघ का काम करते हैं। संघ ने सम्पूर्ण समाज से केवल एक प्रतिशत लोगों को आने के लिए कहा। उन एक प्रतिशत से भी कहा कि आपका केवल 24 घंटे से मात्र एक घंटे ही चाहिए। शाखा लगाने से लेकर संघ के सारे कार्य स्थानीय कार्यकर्ता ही करते हैं। स्थानीय कार्यकर्ताओं के बल पर ही संघ बढ़ता है। प्रचारकों की चिंता से लेकर संगठन की मीटिंग बैठक,कार्यक्रम व वर्गों की व्यवस्था स्वयंसेवक ही करते हैं। संघ के स्वयंसेवक वर्ष में एक बार गुरू दक्षिणा करते हैं। इसी से संघ का खर्चा चलता है।

आत्मीयता

संघ में कहा जाता है कि शुद्ध सात्विक कार्य अपने कार्य का आधार है। तो यह केवल कहा ही नहीं जाता है बल्कि यह वास्तविकता भी है। आत्मीयता ही संघ कार्य का आधार है। संघ के कार्यकर्ता बिना लोभ लालच व राग द्वेष के बिन निःस्वार्थ भाव से अहर्निश संघ कार्य करते हैं। यह सब आत्मीयता के कारण। क्योंकि संघ में प्रचारकों व वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का इतना स्नेह मिलता है कि कार्यकर्ता उस काम को पूरा करने के लिए प्राण प्रण से जुटा रहता है। अपनी नौकरी से समय निकाल लेगा, घर के कामों से संघ के कामों के लिए समय निकाल लेगा। भारतभर में अनेक संगठन हैं लेकिन जो आत्मीयता का भाव संघ में है उस प्रकार की आत्मीयता का भाव अन्य किसी भी संगठन में नहीं है।

धरती का स्वर्ग है 'मुन्नार'

आप प्राकृतिक की गोद में अपना समय बिताना चाहते हैं तो हिल स्टेशन से बढ़िया कोई और जगह नहीं है। भारत में लोगों के बीच हिल स्टेशन का क्रेज जबरदस्त है। मौसम कोई सा भी हो लोग हिल स्टेशन जाना नहीं भूलते। तो देर किस बात की चलिए चलते केरल की खूबसूरत जगह मुन्नार।

मुन्नार केरल का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। दूर-दूर तक फैले खूबसूरत चाय के बागान, हरी-भरी घाटियां, सुहाना मौसम, ऊंची-ऊंची चोटियां, अभयारण्य, प्राकृतिक खुशबू से भरी हवा के अलावा बाकी वह सब कुछ है जिसे देखने के बाद आपको शांति और सुकून ही मिलेगा।

मुन्नार की खूबसूरती को देखकर ऐसा लगता है, जैसे कि यह धरती का स्वर्ग है। मुन्नार की सुन्दरता इतनी अधिक है कि इसे ईश्वर का देश भी कहा जाता है। ऐसा लगता है मानो कि हम किसी ईश्वर की भूमि पर उतर आए। आपको यहा आने के बाद जाने का बिलकुल ही मन नहीं करेगा। यहां की झीलें और घने जंगल इसकी खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं। ब्रिटिश शासन के दौरान अंग्रेजो के लिए मुन्नार दक्षिणी भारत का गर्मियों का रिजॉर्ट हुआ करता था।

वनों की विलक्षण वनस्पति तथा हरे घास के मैदानों के बीच यहां नीलकुरंजी नामक फूल पाया जाता है।

हरे घास के मैदानों में नीलकुरंजी फूल पूरी पहाड़ी को नीला कर देता है। यह फूल बारह वर्षों में केवल एक बार ही खिलता है। जब यह फूल खिलता है तो इसकी सुंदरता देखते ही बनती है।

मुन्नार में देखने लायक जगह हैं आनामुड़ी शिखर, राजमाला, चितीरापुरम, इकोपाइंट और मट्टुपेटी बांध। मुन्नार की खूबसूरती पोतैमेदु में है, जो एक महत्त्वपूर्ण चाय बागान है।

मुन्नार में रोमांच

अगर आप रोमांचक खेल के शौकीन हैं तो मुन्नार में आपके लिए बहुत कुछ है। जैसे ट्रैकिंग, पारा ग्लाइडिंग, रोप क्लाइबिंग बोटिंग और हाइकिंग। वैसे तो आप पूरे साल मुन्नार जा सकते हैं लेकिन यदि आपको इसकी खूबसूरती देखनी है तो दिसंबर और जनवरी का महीना सही माना जाता है।

कैसे पहुंचे

मुन्नार पहुंचने के लिए आप हवाई मार्ग, रेल मार्ग या सड़क मार्ग तीनों का इस्तेमाल कर सकते हैं। कोच्चि अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा मुन्नार के लिए सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है।

नजदीकी रेलवे स्टेशन तमिलनाडु का थेनी है जो मुन्नार से 60 किलोमीटर की दूरी पर है।

प्रकृति प्रेमियों के लिए आदर्श पर्यटन स्थल है जाइरो

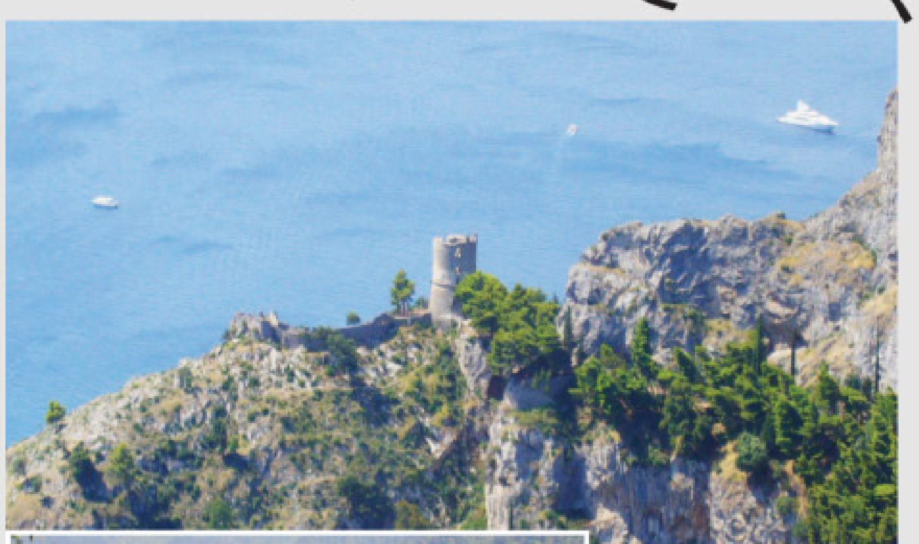

भारत का पूर्वोत्तर राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता और बदलते मौसम की वजह से पूरे विश्वभर में अपनी पहचान रखता है। यहां की कला और हस्तशिल्प की भव्यय विरासत तथा रंग बिरंगे त्यौहार प्रकृति की अपार शक्ति में लोगों के विश्वास को दर्शाता है। ऐसी ही एक जगह है अरुणाचल प्रदेश में समुद्री तल से 5754 फीट (1,780 मीटर) की ऊंचाई पर स्थित जाइरो/जिरो, जो अपने सांस्कृसतिक विरासत और मनमोहक दृश्य के लिए जाना जाता है। अपनी खूबसूरती की वजह से ही यह कस्बा यूनेस्को के विश्व विरासत स्थलों में नामांकित भी हुआ है।

अरूणाचल प्रदेश के सबसे प्रचीन शहरों में से एक, जाइरो एक छोटा सा हिल स्टेशन है जो पाइन के पेड़ों से भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है। पूरे क्षेत्र में फैले घने जंगल ही आदिवासी लोगों के घर हैं। यह क्षेत्र अपनी धान की खेतों की वजह से भी काफी लोकप्रिय है। जाइरो पौधों और जन्तुओं के मामले में काफी धनी है तथा अपनी विविधता की वजह से प्रकृति प्रमियों के लिए आदर्श स्थान बनी हुई है।

जाइरो में आदिवासी लोगों का प्रकति से इतना अधिक लगाव है कि वह प्रकृति को भगवान की तरह पूजते हैं और खुद को इससे जुड़ा हुआ पाते हैं। वहां के लोग खेतो के अलावा हस्तशिल्प तथा हैन्डलूम उत्पादों को बनाकर अपना जीवनयापन करते हैं। अन्य आदिवासी लोगों से अलग अपा टनी के लोग जाइरो क्षेत्र के स्थाई निवासी हैं। अपा टनी द्वारा मनाए जाने वाले कई पर्व हैं जिनमें मार्च में मनाया जाने वाला म्योको त्यौहार, जनवरी में मनाया जाने वाला मुरुंग त्यौहार और जुलाई का द्री त्यौहार प्रमुख हैं। अगर आप जाइरो जाने की योजना बना रहे हैं तो आप हरी-भरी शांन्त टैली घाटी, 5000 हजार साल पुरानी मेघना गुफा मंदिर जा सकते हैं। यही नहीं खूबसूरत पक्षियों और सूर्योदय के खूबसूरत दृश्य देखना है तो आप किले पाखो भी जा सकते हैं। यह यहां का लोकप्रिय पर्यटन स्थल है।

अरूणाचल प्रदेश के सबसे प्रचीन शहरों में से एक, जाइरो एक छोटा सा हिल स्टेशन है जो पाइन के पेड़ों से भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है। पूरे क्षेत्र में फैले घने जंगल ही आदिवासी लोगों के घर हैं।

जाइरो के अन्य पर्यटक स्थल

जीरो पूटु

इसे आर्मी पूटु के नाम से भी जाना जाता है। आजादी के बाद यहां पर अरूणाचल प्रदेश के पहले प्रशासनिक केन्द्र की स्थापना की गई थी। इसके बाद छठे दशक में यहां पर सेना के कैम्प का निर्माण भी किया गया। पहाड़ी क्षेत्र होने की वजह से खूबसूरत दृश्य भी देखे जा सकते हैं।

डोलो मांडो

हपोली से 2 किलोमीटर की दूरी पर स्थित डोलो-मांडो डोलो और मांडो के प्रेम-संबंध के लिए प्रसिद्ध है। यहां से जाइरो और हपोली शहर के खूबसूरत दृश्य देखे जा सकते हैं।

तारीन मछली फार्म

पर्यटकों के लिए पसंदीदा जगहों में से एक 'मछली फार्म' हपोली से 3।5 किमी। की दूरी पर स्थित है। यह बहुत ही खूबसूरत जगह है। यहां आने वाले पर्यटक अनेक प्रजातियों की खूबसूरत मछिलयों को देख सकते हैं।

जाइरो का मौसम

जाइरो की जलवायु मौसम के अनुसार बदलती रहती है। वैसे तो पर्यटक पूरे साल भर जाइरो जाते हैं लेकिन यदि आपको वहां के मनमोहक दृश्य को देखना है अक्टूबर तथा नवम्बर का महीना आपके लिए सही रहेगा।

अतीत की कई कहानियों को बयां करती है यह जगह

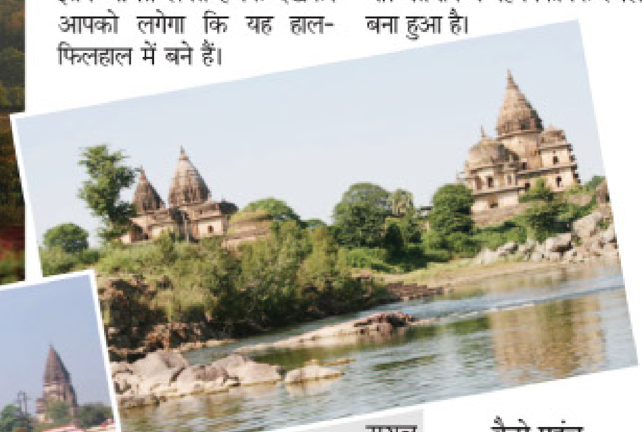

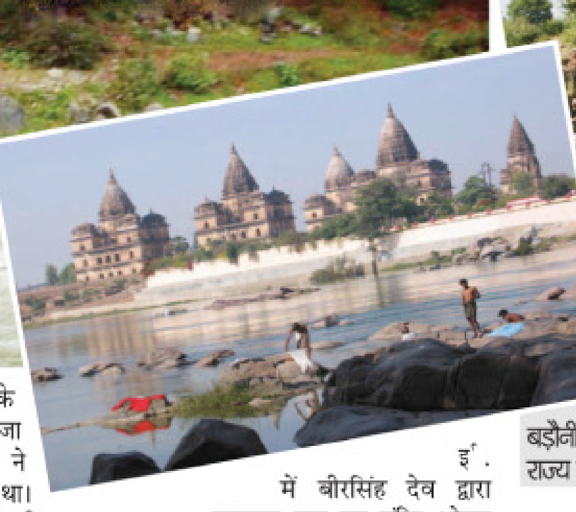

उत्तरी मध्य प्रदेश में बेतवा नदी के किनारे बसा ओरछा अपने भव्य मंदिरों, महलों और किलों के लिए सर्वाधिक प्रसिद्ध है। झांसी से मात्र 16 किमी. की दूरी पर स्थित यह जगह अतीत की कई कहानियों को बयां करती है। हरा-भरा और पहाड़ियों से घिरा ओरछा राजा बीरसिंह देव के काल में बुंदेलखण्ड की राजधानी हुआ करता था।

इतिहास

परिहार राजाओं के बाद ओरछा चन्देलों और फिर बुंदेलों के अधिकार में रहा। हालांकि चन्देल राजाओं के पराभव के बाद ओरछा श्रीहीन हो गया, लेकिन जब बुंदेलों का शासन आया तो ओरछा ने पुनः अपना गौरव प्राप्त किया। बुंदेला राजा रुद्रप्रताप ने 1531 ई. में नए सिरे से इस नगर की स्थापना की। उन्होंने नगर में मंदिर महल और किले का निर्माण करवाया। यही नहीं, उनके बाद के राजाओं ने भी सौंदर्य से परिपूर्ण कलात्मक इमारतें और भवन बनवाए।

मुगल शासन में ओरछा

मुगल शासक अकबर के समय यहां के राजा मधुकर शाह थे जिनके साथ मुगल सम्राट ने कई युद्ध किए थे। जहांगीर ने वीरसिंहदेव बुंदेला को, जो ओरछा राज्य की बड़ौनी जागीर के स्वामी थे, पूरे ओरछा राज्य की गद्दी दी थी। इसके बदले में वीरसिंहदेव ने जहांगीर के कहने से अकबर के शासन काल में अकबर के विद्वान दरबारी अबुलफजल की हत्या करवा दी थी। वहीं जब शाहजहां का शासन काल आया तो मुगलों ने बुन्देलों से कई असफल लड़ाइयां लड़ीं। किंतु अंत में जुझार सिंह को ओरछा का राजा स्वीकार कर लिया गया।

ओरछा की सुंदरता

ओरछा की विरासत यहां की इमारतों में कैद है। आप महल, किले, पवित्र भव्य मंदिर तथा बुंदेलखण्ड के संस्कृति से जुड़ी प्रतिमा और चित्रकला को देखकर अपने कैमरे में कैद किए बिना रह नहीं सकते। मंदिरों और किलों की खूबसूरती का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि इनकी चमक आज भी बरकरार है।

क्या देखें

राज महल-ओरछा के सबसे प्राचीन स्मारकों में से एक 'राजमहल' को 17वीं शताब्दी में मधुकर शाह ने बनवाया था। चतुर्भुज आकार का यह महल अपनी शिल्प कला तथा भित्तिचित्रों के लिए प्रसिद्ध है।

जहांगीर महल- बुन्देलों और मुगल शासक जहांगीर की दोस्ती की निशानी है जहांगीर महल। जहांगीर महल के प्रवेश द्वार पर दो झुके हुए हाथी बने हुए हैं जो अपने आप में वास्तुकला का बेहतरीन नमूना है।

चतुर्भुज मंदिर- कमल की आकृति और अन्य आकृतियों से परिपूर्ण यह मंदिर चार भुजाधारी भगवान विष्णु को समर्पित है। इस मंदिर का निर्माण 1558 से 1573 के बीच राजा मधुकर ने करवाया था। अपने समय की यह उत्कृष्ठ रचना यूरोपीय कैथोड्रल से समान है।

लक्ष्मीनारायण मंदिर- 622 ई. में बीरसिंह देव द्वारा बनवाया गया यह मंदिर ओरछा गांव के पश्चिम में एक पहाड़ी पर बना है। मंदिर में सत्रहवीं और उन्नीसवीं शताब्दी के चित्र बने हुए हैं, जो तब के इतिहास को बयां कर रहे हैं। चित्रों के चटकीले रंग इतने जीवंत लगते हैं कि देखकर आपको लगेगा कि यह हाल-फिलहाल में बने हैं।

फूलबाग-मंदिर और महलों के अलावा आप ओरछा में बुन्देल राजाओं द्वारा बनवाया गया फूलों का बगीचा भी देख सकते हैं। पालकी महल के निकट स्थित यह बाग बुन्देल राजाओं का आरामगाह था। वर्तमान में यह पिकनिक स्थल बना हुआ है।

मुगल शासक अकबर के समय यहां के राजा मधुकर शाह थे जिनके साथ मुगल सम्राट ने कई युद्ध किए थे। जहांगीर ने वीरसिंहदेव बुंदेला को, जो ओरछा राज्य की बड़ौनी जागीर के स्वामी थे, पूरे ओरछा राज्य की गद्दी दी थी।

कैसे पहुंच

ओरछा का नजदीकी हवाई अड्डा खजुराहो है जो 163 किमी. की दूरी पर है। खजुराहो से आप टैक्सी, ऑटो के जरिए ओरछा पहुंच सकते हैं। अगर आप ट्रेन के जरिए ओरछा पहुंचना चाहते हैं तो झांसी ओरछा का नजदीकी रेलवे स्टेशन है। दिल्ली, आगरा, भोपाल, मुंबई, ग्वालियर आदि प्रमुख शहरों से झांसी के लिए काफी संख्या में ट्रेने हैं।

जानकारी

कहीं इस वजह से तो नहीं हो रहा आपका बच्चा बेकाबू?

बच्चे की परवरिश करना शायद दुनिया का सबसे मुश्किल काम है। अगर आपका बच्चा बहुत हिंसक है तो इसके पीछे ये वजह हो सकती है।

बच्चे की परवरिश

अगर आपके बच्चे को बहुत ज्यादा गुस्सा आता है या फिर वह बहुत ज्यादा आक्रामक रहता है तो इसके पीछे की वजह चीनी हो सकती है। रिसर्च के मुताबिक, जो बच्चे ज्यादा चीनी खाते हैं, उनके हिंसक, एल्कोहॉलिक और सिगरेट पीने की लत पड़ने की ज्यादा संभावना होती है। कई अध्ययनों का विश्लेषण करने पर पता चला कि ज्यादा शुगर खाने या पीने से 11 से 15 साल के बच्चों के बीच हिंसक रवैये का खतरा बढ़ जाता है। एक स्टडी के मुताबिक, अगर कोई बच्चा ज्यादा मिठाइयां और एनर्जी ड्रिंक लेता है तो उसके दूसरों के लिए खतरा बनने की संभावना ज्यादा रहती है। जबकि एक दूसरी स्टडी में बताया गया कि बच्चों में शुगर का हाई लेवल होने पर उनके झगड़े में पड़ने की चांसेज दोगुनी हो जाती है जबकि 95 फीसदी बच्चों को नशे की लत लगने की आशंका होती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि एनर्जी ड्रिंक चॉकलेट और मिठाइयों से भी ज्यादा बच्चों के व्यवहार पर बुरा असर डालती हैं क्योंकि इनमें कैफीन भी होता है। इजरायल की बार इलन यूनिवर्सिटी ने 137,284 बच्चों पर स्टडी की जिसमें 11, 13 या 15 वर्ष के बच्चों को शामिल किया गया। वैज्ञानिकों ने पाया कि बच्चों के व्यवहार का शुगर की मात्रा से बहुत गहरा संबंध है। इस स्टडी में यह स्पष्ट तौर पर नहीं बताया गया कि शुगर की कितनी मात्रा खतरनाक हो सकती है। हालांकि नैशनल हेल्थ सर्विस इंग्लैंड की गाइडलाइन्स के मुताबिक, 11 वर्ष की उम्र वाले बच्चों को 30 ग्राम से ज्यादा ऐडेड शुगर नहीं लेनी चाहिए। कोकाकोला के एक कैन में ही 35 ग्राम शुगर होती है। 4-6 साल की उम्र वाले बच्चों को दिन भर में 19 ग्राम से ज्यादा शुगर नहीं लेनी चाहिए। स्टडी के लेखक ने बताया, बच्चों की खान-पान की आदतें आपको इस बात का संकेत पहले से ही दे सकती हैं कि टीनेजर में वे किन समस्याओं का सामना करने वाले हैं। स्टडी के मुताबिक, अधिकतर मामलों में बच्चों की शुगर इनटेक और व्यवहार के बीच के संबंध पर इस बात का फर्क नहीं पड़ा कि उनका परिवार कितना समृद्ध है। यह रिसर्च जर्नल सोशल साइंस ऐंड मेडिसिन में प्रकाशित की गई है।

डार्क सर्कल की समस्या

बाजार में कई ऐसे रासायनिक उत्पाद मौजूद हैं जो डार्क सर्कल खत्म करने का दावा करते हैं लेकिन कई बार सेंसटिव स्किन वाले इन उत्पादों को यूज नहीं कर पाते हैं। ऐसे में इन घरेलू नुस्खों को अपनाकर डार्क सर्कल्स को दूर किया जा सकता है।

डार्क सर्कल

किसी ने वाकई सच ही कहा कि आंखें एक साथ हजार शब्दों को बयां करती हैं। पर अगर आपकी आंखों के नीचे डार्क सर्कल हैं तो अवॉइड करने के बजाय उसे भी समझने की कोशिश करें। ये डार्क सर्कल आपकी हेल्थ के बारे में काफी कुछ कहते हैं।

डार्क सर्कल किसी को भी हो सकते हैं। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि आप स्त्री है या पुरुष।

क्या हो सकते हैं कारण

डार्क सर्कल होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। कई बार बहुत अधिक तनाव लेने की वजह से आंखों के नीचे काले घेरे बन जाते हैं। इसके अलावा कम सोने, हार्मोन्स में परिवर्तन होने, अव्यवस्थित लाइफस्टाल होने या फिर हेरेडेट्री होने की वजह से भी आंखों के नीचे काले घेरे बन जाते हैं।

हालांकि बाजार में कई ऐसे रासायनिक उत्पाद मौजूद हैं जो डार्क सर्कल खत्म करने का दावा करते हैं, लेकिन कई बार सेंसटिव स्किन वाले इन उत्पादों को यूज नहीं कर पाते हैं। ऐसे में इन घरेलू नुस्खों को अपनाकर डार्क सर्कल्स को दूर किया जा सकता है

- डार्क सर्कल दूर करने के लिए टमाटर सबसे कारगर उपाए है। ये नेचुरल तरीके से आंखों के नीचे के काले घेरे को खत्म करने का काम करता है। साथ ही इसके इस्तेमाल से त्वचा भी कोमल और फ्रेश बनी रहती है। टमाटर के रस को नीबू की कुछ बूंदों के साथ मिलाकर लगाने से जल्दी फायदा होता है।
- डार्क सर्कल दूर करने के लिए आलू का भी प्रयोग किया जा सकता है। आलू के रस को भी नीबू की कुछ बूंदों के साथ मिला लें। इस मिश्रण को रूई की सहायता से आंखों के नीचे लगाने से काले घेरे समाप्त हो जाएंगे ।
- ठंडे टी-बैग्स के इस्तेमाल से भी डार्क सर्कल जल्दी समाप्त हो जाते हैं। टी-बैग को कुछ देर पानी में डुबोकर रख दें। उसके बाद इसे फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें। कुछ देर बाद इसे निकालकर आंखों पर रखकर लेट जाएं। 10 मिनट तक रोज ऐसा करने से फायदा होगा।
- ठंडे दूध के लेप से भी आंखों के नीचे का कालापन दूर हो जाता है। कच्चे दूध को ठंडा होने के लिए रख दें। उसके बाद कॉटन की मदद से उसे आंखों के नीचे लगाएं। ऐसे दिन में दो बार करने से जल्दी फायदा होगा।
- संतरे के छिलके को धूप मे सुखाकर पीस लें। इस पाउडर में थोड़ी सी मात्रा में गुलाब जल मिलाकर लगाने से काले घेरे खत्म हो जाएंगे।

आंखों की सूजन दूर करने के 3 अचूक उपाए

अगर आपको अक्सर ही आंखों में सूजन रहती है और आप सारे उपाए करके हार चुकी हैं तो एक इन उपायों को जरूर आजमाएं। आंखों में कई बार सूजन आ जाती है जिसके कारण वह फूली हुई नजर आती हैं। ऐसा कई बार थकान की वहज से या फिर नींद न पूरी होने की वजह से होता है लेकिन अगर आप इस समस्या से अक्सर ही दो चार होते हैं तो इसका आसान उपाय आपके घर पर ही आपको मिल सकता है। आइए जानें, आंखों की सूजन को कम करने के लिए कैसे करे दूध का इस्तेमाल।

1-आंखों की सूजन कम करने के लिए बर्फ जमाने वाली ट्रे में दूध डालकर छोटे-छोटे क्यूब्स में जमा लें और उस क्यूब को निकालकर किसी कपड़े में लेकर आंखों पर सेंक करें। इस उपाए को करने से सूजन तो कम होती ही है साथ ही आंखों की थकान भी दूर हो जाती है।

2-दूसरा तरीका ये है कि एक चम्मच कॉफी पाउडर में दो चम्मच कच्चा दूध मिलाकर पेस्ट बना लें और इस लेप को आंखों के नीचे लगाकर 5 से 10 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर धो लें। आपको खुद फर्क महसूस होगा और आंखों की सूजन कम होने लगेगी।

3-कॉटन बॉल्स को ठंडे दूध में डुबोकर आंखों पर सेंक दें। इससे आपको बहुत आराम मिलेगा।

सुझाव

पैरों की बदबू से हैं परेशान? तो ये 5 टिप्स आएंगे काम

अगर आप भी पैरों की बदबू से परेशान हैं तो इन टिप्स की मदद से राहत पा सकेंगे। कई लोगों को पैरों में अधिक पसीना आता है। जब स्किन पर मौजूद बैक्टीरिया पसीने के संपर्क में आता है तो पैरों से बदबू आने लगती है। गर्मी और बरसात के मौसम में ज्यादा पसीना आने के कारण पैरों से बदबू भी अधिक आने लगती है। इसकी वजह से अक्सर कई लोगों को शर्मिंदगी का एहसास होता है।

आइए जानते हैं पैरों की बदबू को दूर करने के उपाए-

अदरक और सिरका: आप चाहें तो पानी में सामान्य सिरका मिलाकर उससे पैर धो सकते हैं या फिर अदरक के रस को पैर पर मल लें और बाद में गुनगुने पानी से पैर धो लीजिए। ऐसा करने से पैरों की बदबू चली जाती है।

लैवेंडर ऑयल: लैवेंडर ऑयल न केवल अच्छी खुशबू देता है बल्कि यह बैक्टीरिया को मारने में भी असरदार है। इस तेल में एंटी-फंगल गुण पाए जाते हैं जो पैरों की बदबू को दूर करने में बहुत फायदेमंद रहते हैं। हल्के गर्म पानी में कुछ बूंदें लैवेंडर ऑयल की डालकर पैरों को उसमें कुछ देर के लिए डुबोकर रखें। दिन में दो बार ऐसा करना फायदेमंद रहेगा।

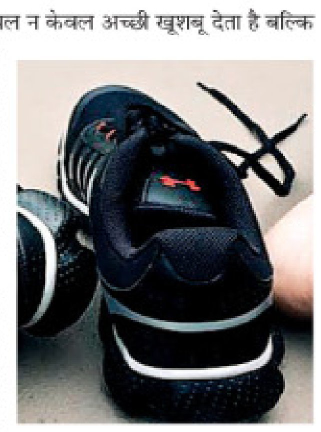

बेकिंग सोडा: सोडियम कार्बोनेट को ही साधारण शब्दों में बेकिंग सोडा के नाम से जाना जाता है। पैरों से आने वाली बदबू को दूर करने का यह एक बेहद कारगर और आसान उपाए है। यह पसीने के लेवल को सामान्य रखता है और बैक्टीरिया को नियंत्रित करने में कारगर होता है। हल्के गुनगुने पानी में बेकिंग सोडा मिला लें। 15 से 20 मिनट तक पैर पानी में ही डुबोए रखें। कुछ हफ्तों तक यह उपाए करने से फायदा होगा।

फिटकरी: फिटकरी कसैली होती है और इसमें एंटी-सेप्टिक गुण भी पाया जाता है। यह बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकती है। एक चम्मच फिटकरी पाउडर को एक मग पानी में डालकर उससे पैर धोएं। कुछ दिनों में बदबू की समस्या दूर हो जाएगी।

पैर रखें साफ: सबसे आखिर में मगर सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जूते पहनने से पहले आप यह सुनिश्चित कर लें कि आपके पैर तो साफ हैं न। क्योंकि ऐसा पाया गया कि गंदे पैर जूते पहनने से ज्यादा बदबू आती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेंगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। शुभांक-3-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2617

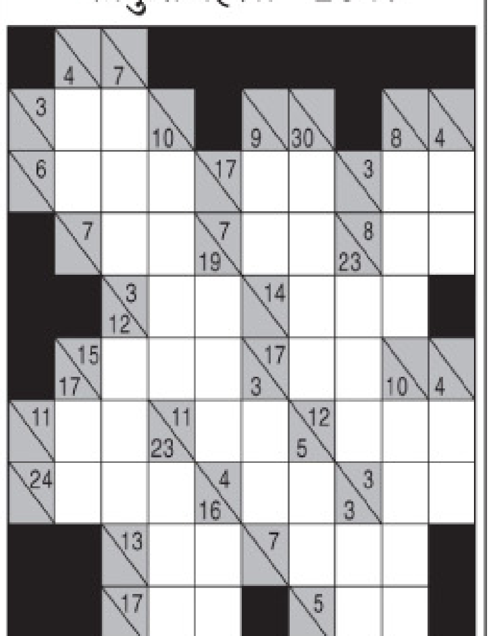

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

15 → 1 2 3 4 5; 24 ↓ 7 8 9

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2616 का हल

लॉफिंग जोक्स

एक साधु बाजार में घूम रहा था। रास्ते में वह एक दुकानदार से बोला– बच्चा! साधु बाबा को कुछ दक्षिण दे दें। प्रभु की लीला हुई तो तेरी किस्मत पूरी तरह बदल जाएगी।

दुकानदार बोला– साधु बाबा, आप तो मुझे माफही करो। मुझे प्रभु की लीला नहीं चाहिए, पहले ही मैं अपनी एक लीला से परेशान हूं। दूसरी लीला का मैं क्या करूँगा।

□ □ □

एक नवविवाहित पति–पत्नी एक बहुत शानदार मकान में जीवन व्यतीत कर रहे थे। कुछ दिन बाद ही शहर में कुछ प्रसिद्ध कलाकारों का आगमन हुआ, उनके पास डाक से नाटक के दो टिकट आए।

टिकटों के साथ एक पर्चा था, जिस पर लिखा हुआ था– यह उपहार मैं भेज रहा हूँ। भेजने वाला बाद में आएगा।

पति–पत्नी खुश होकर नाटक देखने गए। जब आधी रात को घर लौटे तो देखा कि घर की सभी वस्तुओं का सफाया हो चुका था।

मेज पर कागज का एक पर्चा पड़ा था, जिस पर लिखा था– अब पता चला टिकट किसने भेजे थे?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2617

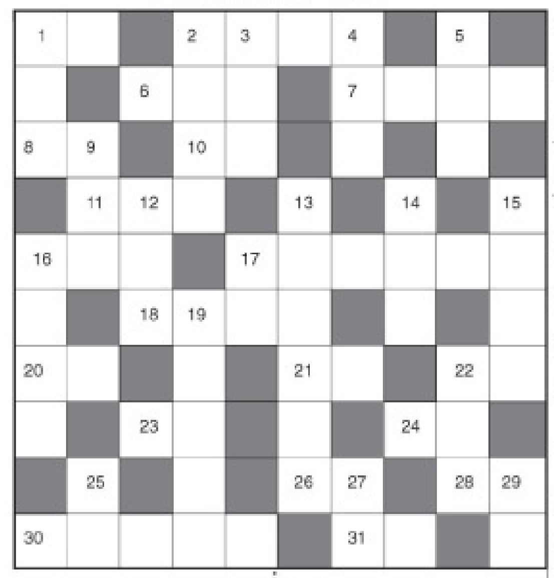

बायें से दायें:-

१. फिल्म 'कर्ज' में नायिका कौन थी-२
२. फिल्म 'चला मुरारी हीरो बनने' का नायक कौन था-४
६. फिल्म 'अभय' में दोहरी भूमिका करने वाला नायक -३
७. 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'विश्वनाथ' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ नायिका कौन थी-२
१०. फिल्म 'मैं ने प्यार किया' में सलमान खान की माँ की भूमिका किसने की थी-२
११. हेमा मालिनी वाली फिल्म 'प्रेमनगर' का नायक कौन था ?-३
१६. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
१७. संजय, चंद्रचूड़, महिमा चौधरी की फिल्म-२,१,३
१८. 'मेरे दिल ने जो माँगा' गीत वाली फिल्म-४
२०. फिल्म जिसमें राजकपूर का डबल रोल था-२
२१. 'तू कितने बरस की' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२३. ऋषिकपूर, जेबा की 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
२४. फिल्म 'शोले' में अमिताभ के किरदार का क्या नाम था ?-२
२६. फिल्म जगत में राजेश खन्ना का प्रचलित नाम-२
२८. सलमान, रेवती की 'आजा गिव मी ए किस' गीत वाली फिल्म-२
३०.'इस जहाँ की' गीत वाली जैकी, अनु अग्रवाल, नगमा की फिल्म-२,३
३१. लोकप्रिय गीत 'इश्क कमीना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बहुत खूबसूरत गजल' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
२. फिल्म 'गदर' में अमीषा पटेल के पिता की भूमिका किसने की थी ?-४
३. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
४. 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
५. विश्वजीत, राजश्री की ' ना ये जमीं थी ना आसमाँ' गीत वाली फिल्म-३
९. 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१२. 'हम प्यार में जलनेवालों को' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'तुम मुझे यूँ' गीत वाली फिल्म जिसमें शम्मी ने पागल की भूमिका की-३,२,१
१४. 'आला रे पाउस आला' गीत वाली फिल्म-३
१५. बॉबी, टि्वंकल खन्ना की 'तेरी अदाओं पे मरता हूँ' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'अच्छा जी मैं हारी' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
१७. 'रू तू तू दिल में है तू' गीत वाली अक्षय कुमार, रवीना टंडन की फिल्म-२
१९. 'आजा सजन आजा' गीत वाली फिल्म-५
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की एक फिल्म-३
२५. संजयदत्त, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२९. नाना, पुरु, अनुपमा की 'बहुत खूबसूरत हैं आँखें तुम्हारी' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2616

सूडोकु -2617

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1			
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2618 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

शब्द पहेली - 2617

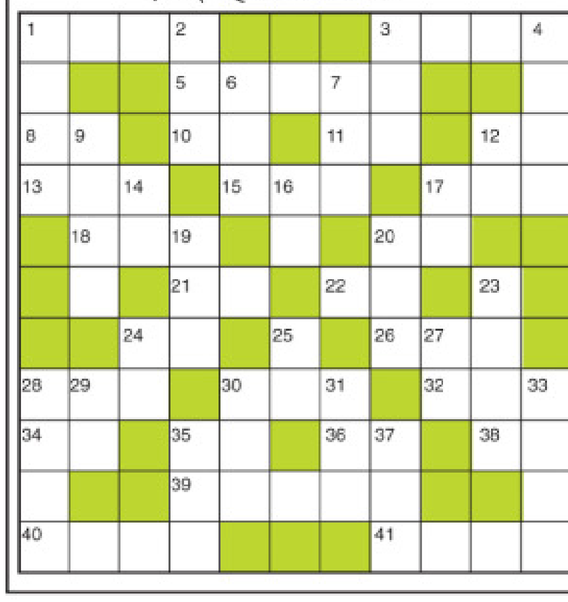

बाएँ से दाएँ

1.पक्षियों का शोर-4
3.मुठभेड़,भिड़ंत-4
5.क्रोधित होवा-5
8.लाश,पार्थिव देह-2
10.नवीन-2
11.सरिता-2
12.संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13.दोजख,नर्क-3
15.नमकीन लवण-3
17.बेकार-3
18.आंचल-3
20.फायदा,लाभ-2
21.चिट्ठी,पत्र-2
22.जी,चित-2
24.संपूर्ण-2
26.कुचलना,दबाना-3
28.दाड़म,एक फल-3
30.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32.खिचड़ी,पुलाव-3
34.मां,आई-2
35.भाग्य (अंग्रेजी-2)
36.सौतन-2
38.लीन-2
39.चमकीला-5
40.नसीब,किस्मत-4
41.चुनौती-4

ऊपर से नीचे

1.दलाली-4
2.स्वदेश,जन्मभूमि-3
3.ढौंडी पीटना-3
4.बेमिसाल-4
6.इसमें तलवार रखते हैं-3
7.मापदंड,आदर्श-3
9.इच्छित वस्तु-4
12.जीरक,कणिका-2
14.थोड़ा,जरा-2
16.आनंद-2
17.क्रोधित,रुष्ट-2
19.अदा-3
20.पति की बहन-3
23.मन को हरने वाला-4
24.निष्कर्ष-2
25.उम्मीद-2
27.वोट,अभिमत-2
28.धरोहर,थाती-4
29.रिश्ता-2
30.नक्द राशि,रोकड़-3
31.संधिपत्र,मसविदा-3
33.रीति अनुसार-4
35.अदृढ़,तर्कहीन-3
37.द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली -2616 का हल

जानकारी

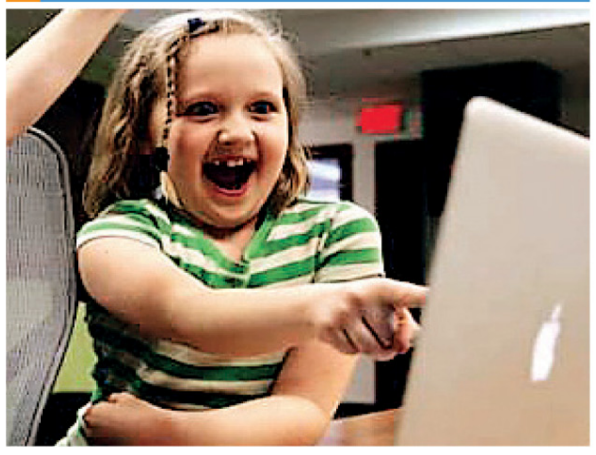

कहीं इस वजह से तो नहीं हो रहा आपका बच्चा बेकाबू?

बच्चे की परवरिश करना शायद दुनिया का सबसे मुश्किल काम है। अगर आपका बच्चा बहुत हिंसक है तो इसके पीछे ये वजह हो सकती है।

बच्चे की परवरिश

अगर आपके बच्चे को बहुत ज्यादा गुस्सा आता है या फिर वह बहुत ज्यादा आक्रामक रहता है तो इसके पीछे की वजह चीनी हो सकती है। रिसर्च के मुताबिक, जो बच्चे ज्यादा चीनी खाते हैं, उनके हिंसक, एल्कोहॉलिक और सिगरेट पीने की लत पड़ने की ज्यादा संभावना होती है। कई अध्ययनों का विश्लेषण करने पर पता चला कि ज्यादा शुगर खाने या पीने से 11 से 15 साल के बच्चों के बीच हिंसक रवैये का खतरा बढ़ जाता है। एक स्टडी के मुताबिक, अगर कोई बच्चा ज्यादा मिठाइयां और एनर्जी ड्रिंक लेता है तो उसके दूसरों के लिए खतरा बनने की संभावना ज्यादा रहती है। जबकि एक दूसरी स्टडी में बताया गया कि बच्चों में शुगर का हाई लेवल होने पर उनके झगड़े में पड़ने की चांसेज दोगुनी हो जाती है जबकि 95 फीसदी बच्चों को नशे की लत लगने की आशंका होती है। वैज्ञानिकों का कहना है कि एनर्जी ड्रिंक चॉकलेट और मिठाइयों से भी ज्यादा बच्चों के व्यवहार पर बुरा असर डालती हैं क्योंकि इनमें कैफीन भी होता है। इजरायल की बार इलन यूनिवर्सिटी ने 137,284 बच्चों पर स्टडी की जिसमें 11, 13 या 15 वर्ष के बच्चों को शामिल किया गया। वैज्ञानिकों ने पाया कि बच्चों के व्यवहार का शुगर की मात्रा से बहुत गहरा संबंध है। इस स्टडी में यह स्पष्ट तौर पर नहीं बताया गया कि शुगर की कितनी मात्रा खतरनाक हो सकती है। हालांकि नैशनल हेल्थ सर्विस इंग्लैंड की गाइडलाइन्स के मुताबिक, 11 वर्ष की उम्र वाले बच्चों को 30 ग्राम से ज्यादा ऐडेड शुगर नहीं लेनी चाहिए। कोकाकोला के एक कैन में ही 35 ग्राम शुगर होती है। 4-6 साल की उम्र वाले बच्चों को दिन भर में 19 ग्राम से ज्यादा शुगर नहीं लेनी चाहिए। स्टडी के लेखक ने बताया, बच्चों की खान-पान की आदतें आपको इस बात का संकेत पहले से ही दे सकती हैं कि टीनेजर में वे किन समस्याओं का सामना करने वाले हैं। स्टडी के मुताबिक, अधिकतर मामलों में बच्चों की शुगर इनटेक और व्यवहार के बीच के संबंध पर इस बात का फर्क नहीं पड़ा कि उनका परिवार कितना समृद्ध है। यह रिसर्च जर्नल सोशल साइंस ऐंड मेडिसिन में प्रकाशित की गई है।

डार्क सर्कल की समस्या

बाजार में कई ऐसे रासायनिक उत्पाद मौजूद हैं जो डार्क सर्कल खत्म करने का दावा करते हैं लेकिन कई बार सेंसटिव स्किन वाले इन उत्पादों को यूज नहीं कर पाते हैं। ऐसे में इन घरेलू नुस्खों को अपनाकर डार्क सर्कल्स को दूर किया जा सकता है।

डार्क सर्कल

किसी ने वाकई सच ही कहा कि आंखें एक साथ हजार शब्दों को बयां करती हैं। पर अगर आपकी आंखों के नीचे डार्क सर्कल हैं तो अवॉइड करने के बजाय उसे भी समझने की कोशिश करे। ये डार्क सर्कल आपकी हेल्थ के बारे में काफी र्कछ कहते हैं।

डार्क सर्कल किसी को भी हो सकते हैं। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता है कि आप स्त्री है या पुरुष।

क्या हो सकते हैं कारण

डार्क सर्कल होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। कई बार बहुत अधिक तनाव लेने की वजह से आंखों के नीचे काले घेरे बन जाते हैं। इसके अलावा कम सोने, हार्मोन्स में परिवर्तन होने, अव्यवस्थित लाइफस्टाल होने या फिर हेरेडेट्री होने की वजह से भी आंखों के नीचे काले घेरे बन जाते हैं।

हालांकि बाजार में कई ऐसे रासायनिक उत्पाद मौजूद हैं जो डार्क सर्कल खत्म करने का दावा करते हैं, लेकिन कई बार सेंसटिव स्किन वाले इन उत्पादों को यूज नहीं कर पाते हैं। ऐसे में इन घरेलू नुस्खों को अपनाकर डार्क सर्कल्स को दूर किया जा सकता है

- डार्क सर्कल दूर करने के लिए टमाटर सबसे कारगर उपाए है। ये नेचुरल तरीके से आंखों के नीचे के काले घेरे को खत्म करने का काम करता है। साथ ही इसके इस्तेमाल से त्वचा भी कोमल और फ्रेश बनी रहती है। टमाटर के रस को नींबू की कुछ बूंदों के साथ मिलाकर लगाने से जल्दी फायदा होता है।
- डार्क सर्कल दूर करने के लिए आलू का भी प्रयोग किया जा सकता है। आलू के रस को भी नींबू की कुछ बूंदों के साथ मिला लें। इस मिश्रण को रूई की सहायता से आंखों के नीचे लगाने से काले घेरे समाप्त हो जाएंगे ।
- ठंडे टी-बैग्स के इस्तेमाल से भी डार्क सर्कल जल्दी समाप्त हो जाते हैं। टी-बैग को कुछ देर पानी में डुबोकर रख दें। उसके बाद इसे फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें। कुछ देर बाद इसे निकालकर आंखों पर रखकर लेट जाएं। 10 मिनट तक रोज ऐसा करने से फायदा होगा।
- ठंडे दूध के लेप से भी आंखों के नीचे का कालापन दूर हो जाता है। कच्चे दूध को ठंडा होने के लिए रख दें। उसके बाद कॉटन की मदद से उसे आंखों के नीचे लगाएं। ऐसे दिन में दो बार करने से जल्दी फायदा होगा।
- संतरे के छिलके को धूप में सुखाकर पीस लें। इस पाउडर में थोड़ी सी मात्रा में गुलाब जल मिलाकर लगाने से काले घेरे खत्म हो जाएंगे।

आंखों की सूजन दूर करने के 3 अचूक उपाए

अगर आपको अक्सर ही आंखों में सूजन रहती है और आप सारे उपाए करके हार चुकी हैं तो एक इन उपायों को जरूर आजमाएं। आंखों में कई बार सूजन आ जाती है जिसके कारण वह फूली हुई नजर आती हैं। ऐसा कई बार थकान की वहज से या फिर नींद न पूरी होने की वजह से होता है लेकिन अगर आप इस समस्या से अक्सर ही दो चार होते हैं तो इसका आसान उपाय आपके घर पर ही आपको मिल सकता है। आइए जानें, आंखों की सूजन को कम करने के लिए कैसे करे दूध का इस्तेमाल।

1-आंखों की सूजन कम करने के लिए बर्फ जमाने वाली ट्रे में दूध डालकर छोटे-छोटे क्यूब्स में जमा लें और उस क्यूब को निकालकर किसी कपड़े में लेकर आंखों पर सेंक करें। इस उपाए को करने से सूजन तो कम होती ही है साथ ही आंखों की थकान भी दूर हो जाती है।

2-दूसरा तरीका ये हैं कि एक चम्मच कॉफी पाउडर में दो चम्मच कच्चा दूध मिलाकर पेस्ट बना लें और इस लेप को आंखों के नीचे लगाकर 5 से 10 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर धो लें। आपको खुद फर्क महसूस होगा और आंखों की सूजन कम होने लगेगी।

3-कॉटन बॉल्स को ठंडे दूध में डुबोकर आंखों पर सेंक दें। इससे आपको बहुत आराम मिलेगा।

सुझाव

पैरों की बदबू से हैं परेशान? तो ये 5 टिप्स आएंगे काम

अगर आप भी पैरों की बदबू से परेशान हैं तो इन टिप्स की मदद से राहत पा सकेंगे। कई लोगों को पैरों में अधिक पसीना आता है। जब स्किन पर मौजूद बैक्टीरिया पसीने के संपर्क में आता है तो पैरों से बदबू आने लगती है। गर्मी और बरसात के मौसम में ज्यादा पसीना आने के कारण पैरों से बदबू भी अधिक आने लगती है। इसकी वजह से अक्सर कई लोगों को शर्मिंदगी का एहसास होता है।

आइए जानते हैं पैरों की बदबू को दूर करने के उपाए-

अदरक और सिरका: आप चाहें तो पानी में सामान्य सिरका मिलाकर उससे पैर धो सकते हैं या फिर अदरक के रस को पैर पर मल लें और बाद में गुनगुने पानी से पैर धो लीजिए। ऐसा करने से पैरों की बदबू चली जाती है।

लैवेंडर ऑयल: लैवेंडर ऑयल न केवल अच्छी खूशबू देता है बल्कि यह बैक्टीरिया को मारने में भी असरदार है। इस तेल में एंटी-फंगल गुण पाए जाते हैं जो पैरों की बदबू को दूर करने में बहुत फायदेमंद रहते हैं। हल्के गर्म पानी में कुछ बूंदें लैवेंडर ऑयल की डालकर पैरों को उसमें कुछ देर के लिए डुबोकर रखें। दिन में दो बार ऐसा करना फायदेमंद रहेगा।

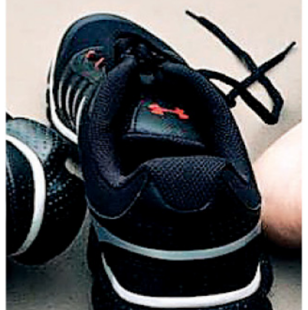

बेकिंग सोडा: सोडियम कार्बोनेट को ही साधारण शब्दों में बेकिंग सोडा के नाम से जाना जाता है। पैरों से आने वाली बदबू को दूर करने का यह एक बेहद कारगर और आसान उपाए है। यह पसीने के लेवल को सामान्य रखता है और बैक्टीरिया को नियंत्रित करने में कारगर होता है। हल्के गुनगुने पानी में बेकिंग सोडा मिला लें। 15 से 20 मिनट तक पैर पानी में ही डुबोए रखें। कुछ हफ्तों तक यह उपाए करने से फायदा होगा।

फिटकरी: फिटकरी कसैली होती है और इसमें एंटी-सेप्टिक गुण भी पाया जाता है। यह बैक्टीरिया को बढ़ने से रोकती है। एक चम्मच फिटकरी पाउडर को एक मग पानी में डालकर उससे पैर धोएं। कुछ दिनों में बदबू की समस्या दूर हो जाएगी।

पैर रखें साफ: सबसे आखिर में मगर सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जूते पहनने से पहले आप यह सुनिश्चित कर लें कि आपके पैर तो साफ हैं न। क्योंकि ऐसा पाया गया कि गंदे पैर जूते पहनने से ज्यादा बदबू आती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। लाभकारी गतिविधियों में संक्रियता रहेगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। परिवारजनों के सहयोग से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। थाड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। शुभ कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवारजन का सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान करेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। बौद्धिक उलझनें बनी रहेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। शुभांक-2-6-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। शुभांक-3-4-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ मिलेगा। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2617

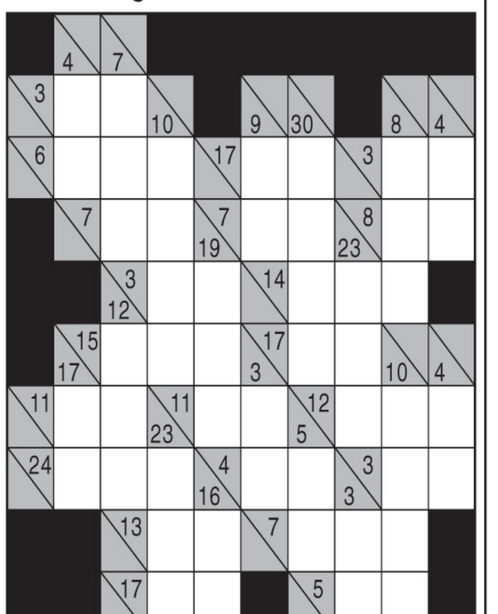

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

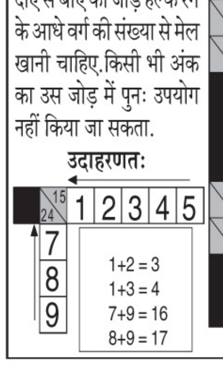

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2616 का हल

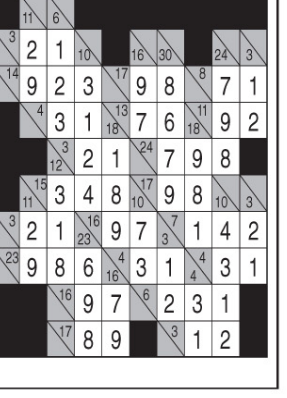

लॉफिंग जोक्स

एक साधु बाजार में घूम रहा था। रास्ते में वह एक दुकानदार से बोला- बच्चा! साधु बाबा को कुछ दक्षिण दे दें। प्रभु की लीला हुई तो तेरी किस्मत पूरी तरह बदल जाएगी।

दुकानदार बोला- साधु बाबा, आप तो मुझे माफही करो। मुझे प्रभु की लीला नहीं चाहिए, पहले ही मैं अपनी एक लीला से परेशान हूं। दूसरी लीला का मैं क्या करूँगा।

□ □ □

एक नवविवाहित पति-पत्नी एक बहुत शानदार मकान में जीवन व्यतीत कर रहे थे। कुछ दिन बाद ही शहर में कुछ प्रसिद्ध कलाकारों का आगमन हुआ, उनके पास डाक से नाटक के दो टिकट आए।

टिकटों के साथ एक पर्चा था, जिस पर लिखा हुआ था- यह उपहार मैं भेज रहा हूँ। भेजने वाला बाद में आएगा।

पति-पत्नी खुश होकर नाटक देखने गए। जब आधी रात को घर लौटे तो देखा कि घर की सभी वस्तुओं का सफाया हो चुका था।

मेज पर कागज का एक पर्चा पड़ा था, जिस पर लिखा था- अब पता चला टिकट किसने भेजे थे?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2617

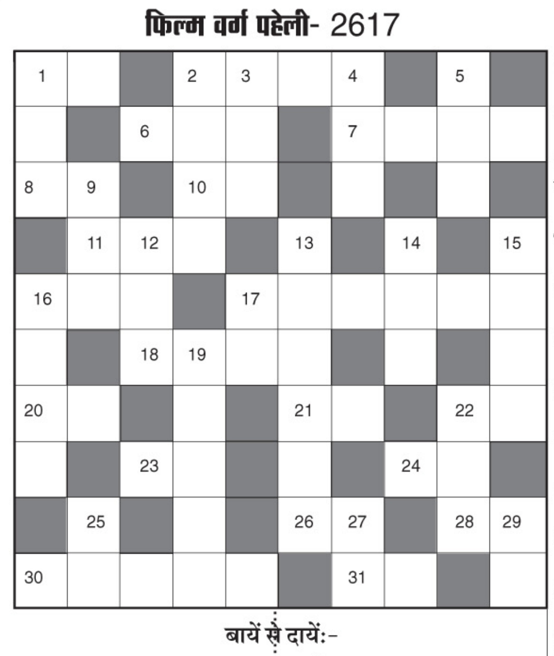

बायें से दायें:-

१. फिल्म 'कर्ज' में नायिका कौन थी-२
२. फिल्म 'चला मुरारी हीरो बनने' का नायक कौन था-४
६. फिल्म 'अभय' में दोहरी भूमिका करने वाला नायक -३
७. 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'विश्वनाथ' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ नायिका कौन थी-२
१०. फिल्म 'मैं ने प्यार किया' में सलमान खान की माँ की भूमिका किसने की थी-२
११. हेमा मालिनी वाली फिल्म 'प्रेमनगर' का नायक कौन था?-३
१६. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
१७. संजय, चंद्रचूड़, महिमा चौधरी की फिल्म-२,१,३
१८. 'मेरे दिल ने जो माँगा' गीत वाली फिल्म-४
२०. फिल्म जिसमें राजकपूर का डबल रोल था-२
२१. 'तू कितने बरस की' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२३. ऋषिकपूर, जेबा की 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
२४. फिल्म 'शोले' में अमिताभ के किरदार का क्या नाम था?-२
२६. फिल्म जगत में राजेश खन्ना का प्रचलित नाम-२
२८. सलमान. रेवती की 'आजा गिव मी ए किस' गीत वाली फिल्म-२
३०.'इस जहाँ की' गीत वाली जैकी, अनु अग्रवाल, नगमा की फिल्म-२,३
३१. लोकप्रिय गीत 'इश्क कमीना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बहुत खूबसूरत गजल' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
२. फिल्म 'गदर' में अमीषा पटेल के पिता की भूमिका किसने की थी?-४
३. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
४. 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
५. विश्वजीत, राजश्री की ' ना ये जमीं थी ना आसमाँ' गीत वाली फिल्म-३
९. 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१२. 'हम प्यार में जलनेवालों को' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'तुम मुझे यूँ' गीत वाली फिल्म जिसमें शम्मी ने पागल की भूमिका की-३,२,१
१४. 'आला रे पाउस आला' गीत वाली फिल्म-३
१५. बॉबी, टिवंकल खन्ना की 'तेरी अदाओं पे मरता हूँ' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'अच्छा जी मैं हारी' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
१७. 'रू तू तू दिल में है तू' गीत वाली अक्षय कुमार, रवीना टंडन की फिल्म-२
१९. 'आजा सजन आजा' गीत वाली फिल्म-५
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की एक फिल्म-३
२५. संजयदत्त, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२९. नाना, पुरू, अनुपमा की 'बहुत खूबसूरत हैं आँखें तुम्हारी' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2616

सूडोकु -2617

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1			
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2618 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

शब्द पहेली - 2617

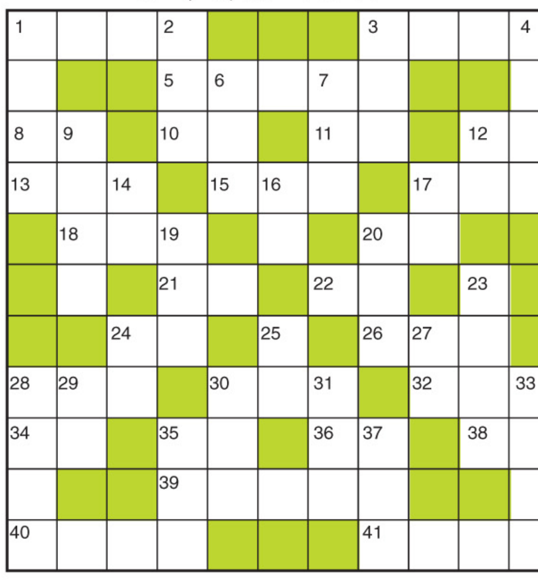

बाएँ से दाएँ

1.पक्षियों का शोर-4
3.मुठभेड़,भिड़ंत-4
5.क्रोधित होवा-5
8.लाश,पार्थिव देह-2
10.नवीन-2
11.सरिता-2
12.संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13.दोजख,नर्क-3
15.नमकीन लवण-3
17.बेकार-3
18.आंचल-3
20.फायदा,लाभ-2
21.चिट्ठी,पत्र-2
22.जी,चित-2
24.संपूर्ण-2
26.कुचलना,दबाना-3
28.दाड़म,एक फल-3
30.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32.खिचड़ी,पुलाव-3
34.मां,आई-2
35.भाग्य (अंग्रेजी-2)
36.सौतन-2
38.लीन-2
39.चमकीला-5
40.नसीब,किस्मत-4
41.चुनौती-4

ऊपर से नीचे

1.दलाली-4
2.स्वदेश,जन्मभूमि-3
3.दौंडी पीटना-3
4.बेमिसाल-4
6.इसमें तलवार रखते हैं-3
7.मापदंड,आदर्श-3
9.इच्छित वस्तु-4
12.जीरक,कणिका-2
14.थोड़ा,जरा-2
16.आनंद-2
17.क्रोधित,रुष्ट-2
19.अदा-3
20.पति की बहन-3
23.मन को हरने वाला-4
24.निष्कर्ष-2
25.उम्मीद-2
27.वोट,अभिमत-2
28.धरोहर,थाती-4
29.रिश्ता-2
30.नकद राशि,रोकड़-3
31.संधिपत्र,मसविदा-3
33.रीति अनुसार-4
35.अदृढ,तर्कहीन-3
37.द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली -2616 का हल

हर रिश्ता बड़ी ही ईमानदारी से निभाया भगवान श्रीकृष्ण ने

भगवान श्रीकृष्ण ने हर रिश्ता बड़ी ही ईमानदारी से निभाया और हर रिश्तों को उन्होंने महत्व दिया। आओ जानते हैं कि इस संबंध में कुछ खास जानकारी।

मित्रता का रिश्ता

भगवान श्रीकृष्ण के हजारों सखा या कहें कि मित्र थे। श्रीकृष्ण के सखा सुदामा, श्रीदामा, मधुमंगल, सुबाहु, सुबल, भद्र, सुभद्र, मणिभद्र, भोज, तोककृष्ण, वरूथप, मधुकंड, विशाल, रसाल, मकरन्द, सदानन्द, चन्द्रहास, बकुल, शारद, बुद्धिप्रकाश, अर्जुन आदि थे। श्रीकृष्ण की सखियां भी हजारों थीं। राधा, ललिता आदि सहित कृष्ण की 8 सखियां थीं।
ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार सखियों के नाम इस तरह हैं- चन्द्रावली, श्यामा, शैव्या, पद्या, राधा, ललिता, विशाखा तथा भद्रा। कुछ जगह ये नाम इस प्रकार हैं- चित्रा, सुदेवी, ललिता, विशाखा, चम्पकलता, तुंगविद्या, इन्दुलेखा, रंगदेवी और सुदेवी। कुछ जगह पर ललिता, विशाखा, चम्पकलता, चित्रादेवी, तुंगविद्या, इन्दुलेखा, रंगदेवी और कृत्रिमा (मनेली)। इनमें से

गईं सभी महिलाएं कृष्ण की सखियां थीं। द्रौपदी भी श्रीकृष्ण की सखी थीं। श्रीकृष्ण ने सभी के साथ अंत तक मित्रता का संबंध निभाया।

प्रेमी कृष्ण

कृष्ण को चाहने वाली अनेक गोपियां और प्रेमिकाएं थीं। कृष्ण-भक्त कवियों ने अपने काव्य में गोपी-कृष्ण की रासलीला को प्रमुख स्थान दिया है। पुराणों में गोपी-कृष्ण के प्रेम संबंधों को आध्यात्मिक और अति श्रांगारिक रूप दिया गया है। महाभारत में यह आध्यात्मिक रूप नही मिलता, लेकिन पुराणों में मिलता है। उनकी प्रेमिका राधा, रुक्मिणी और ललिता की ज्यादा चर्चा होती है।

पति कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण की 8 पत्नियां थीं- रुक्मिणी, जाम्बवंती, सत्यभामा, मित्रवंदा, सत्या, लक्ष्मणा, भद्रा और कालिंदी। इनसे श्रीकृष्ण को लगभग 80 पुत्र हुए थे।

भाई कृष्ण

कृष्ण की 3 बहनें थीं- एकानंगा (यह यशोदा की पुत्री थीं), सुभद्रा और द्रौपदी (मानस भगिनी)। कृष्ण के भाइयों में नेमिनाथ, बलराम और गद थे।

श्रीकृष्ण के माता पिता

श्रीकृष्ण के माता पिता वसुदेव और देवकी थे, परंतु उनके पालक माता पिता नंदबाबा और माता यशोदा थीं। श्रीकृष्ण ने इन्हीं के साथ अपनी सभी सौतेली माता रोहिणी आदि सभी के सात बराबरी का रिश्ता रखा।

अन्य रिश्तों में श्रीकृष्ण

श्रीकृष्ण ने अपनी बुवाओं से भी खूब रिश्ता निभाया था। कुंती और सुतासुभा से भी रिश्ता निभाया। कुंती को वचन दिया था कि मैं तुम्हारे पुत्रों की रक्षा करूंगा और सुतासुभा को वचन दिया था कि मैं तुम्हारे पुत्र शिशुपाल के 100 अपराध क्षमा करूंगा। इसी प्रकार सुभद्रा का विवाह कृष्ण ने अपनी बुआ

पुत्र साम्ब का विवाह दुर्योधन की पुत्री लक्ष्मणा से किया था। श्रीकृष्ण के रिश्तों की बात करें तो वे बहुत ही उलझे हुए थे। श्रीकृष्ण ने अपने भांजे अभिमन्यु को शिक्षा दी थी और उन्होंने ही उसके पुत्र की गर्भ में रक्षा की थी।

शत्रुता का रिश्ता

इसी तरह श्रीकृष्ण ने अपनी शत्रुता का रिश्ता भी अच्छे से निभाया था। उन्होंने कंस, जरासंध, शिशुपाल, भौमासुर, कालय यवन, पौंड्रक आदि सभी शत्रुओं को सुधरने के भरपूर मौका दिया और अंत में उनका वध कर दिया।

रक्षक कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण ने किशोरावस्था में ही चाणूर और मुष्टिक जैसे खतरनाक मल्लों का वध किया था, साथ ही उन्होंने इंद्र के प्रकोप के चलते जब वृंदावन आदि ब्रज क्षेत्र में जलप्रलय हो चली थी, तब गोवर्धन पर्वत अपनी अंगुली पर उठाकर सभी ग्रामवासियों की रक्षा की थी।

शिष्य कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण के गुरु सांदीपनी थे। उनका आश्रम अवंतिका (उज्जैन) में था। कहते हैं कि उन्होंने जैन धर्म में 22वें तीर्थंकर नेमीनाथजी से भी ज्ञान ग्रहण किया था। श्रीकृष्ण गुरु दीक्षा में सांदीपनी के मृत पुत्र को यमराज से मुक्ति कराकर ले आए थे।

चंद्र की उत्पत्ति कैसे हुई? क्या कहते हैं पुराण? चंद्रमा की जन्म कथा

सुंदर सलोने चंद्रमा को देवताओं के समान ही पूजनीय माना गया है। चंद्रमा के जन्म की कहानी पुराणों में अलग-अलग मिलती है। ज्योतिष और वेदों में चंद्र को मन का कारक कहा गया है। वैदिक साहित्य में सोम का स्थान भी प्रमुख देवताओं में मिलता है। अग्नि, इंद्र, सूर्य आदि देवों के समान ही सोम की स्तुति के मंत्रों की भी रचना ऋषियों द्वारा की गई है।

पुराणों के अनुसार चंद्र की उत्पत्ति

मत्स्य एवं अग्नि पुराण के अनुसार जब ब्रह्मा जी ने सृष्टि रचने का विचार किया तो सबसे पहले अपने मानसिक संकल्प से मानस पुत्रों की रचना की। उनमें से एक मानस पुत्र ऋषि अत्रि का विवाह ऋषि कर्दम की कन्या अनुसुइया से हुआ जिससे दुर्वासा, दत्तात्रेय व सोम तीन पुत्र हुए। सोम चंद्र का ही एक नाम है। पद्म पुराण में चंद्र के जन्म का अन्य वृतांत दिया गया है। ब्रह्मा ने अपने मानस पुत्र अत्रि को सृष्टि का विस्तार करने की आज्ञा दी। महर्षि अत्रि ने अनुत्तर नाम का तप आरंभ किया। तप काल में एक दिन महर्षि के नेत्रों से जल की कुछ बूंदें टपक पड़ी जो बहुत प्रकाशमय थीं। दिशाओं ने स्त्री रूप में आकर पुत्र प्राप्ति की कामना से उन बूंदों को ग्रहण कर लिया जो उनके उदर में गर्भ रूप में स्थित हो गया। परंतु उस प्रकाशमान गर्भ को दिशाएं धारण न रख सकीं और त्याग दिया।
उस त्यागे हुए गर्भ को ब्रह्मा ने पुरुष रूप दिया जो चंद्रमा के नाम से प्रख्यात हुए। देवताओं, ऋषियों व गंधर्वों आदि ने उनकी स्तुति की। उनके ही तेज से पृथ्वी पर दिव्य औषधियां उत्पन्न हुईं। ब्रह्मा जी ने चंद्र को नक्षत्र, वनस्पतियों, ब्राह्मण व तप का स्वामी नियुक्त किया।
स्कंद पुराण के अनुसार जब देवों तथा दैत्यों ने क्षीर सागर का मंथन किया था तो उस में से चौदह रत्न निकले थे। चंद्रमा उन्हीं चौदह रत्नों में से एक है जिसे लोक कल्याण हेतु, उसी मंथन से प्राप्त कालकूट विष को पी जाने वाले भगवान शंकर ने अपने मस्तक पर धारण कर लिया। पर ग्रह के रूप में चंद्र की उपस्थिति मंथन से पूर्व भी सिद्ध होती है। स्कंद पुराण के ही माहेश्वर खंड में गर्गाचार्य ने समुद्र मंथन का मुहूर्त निकालते हुए देवों को कहा कि इस समय सभी ग्रह अनुकूल हैं। चंद्रमा से गुरु का शुभ योग है। तुम्हारे कार्य की सिद्धि के लिए चंद्र बल उत्तम है। यह गोमंत मुहूर्त तुम्हें विजय देने वाला है। अत: यह संभव है कि चंद्रमा के विभिन्न अंशों का जन्म विभिन्न कालों में हुआ हो। चंद्र का विवाह दक्ष प्रजापति की नक्षत्र रूपी 27 कन्याओं से हुआ जिनसे अनेक प्रतिभाशाली पुत्र हुए। इन्हीं 27 नक्षत्रों के भोग से एक चंद्र मास पूर्ण होता है।

इस मंदिर में मूर्तियों से निकलती हैं आवाजें

पत्थर की होती है, लेकिन जिस भी देवी या देवता की यह मूर्ति बनाई गई है उन देवी या देवताओं के अस्तित्व और उनकी शक्ति को नहीं नकारा जा सकता। आए दिन देवी या देवता अपने होने का अहसास कराते रहते हैं। इसी अहसास को चमत्कार कहा जाता है। ऐसा ही एक चमत्कार बिहार के बक्सर में स्थित देवी के एक मंदिर में देखने को मिला। यहां आकर आपको दुर्गा शक्ति के होने पर यकीन हो जाएगा क्योंकि यहां की मूर्तियां आपसे बात करती है। जब वैज्ञानिकों ने इसकी खोज की तो उन्होंने भी इस बात से इनकार नहीं किया। यह मंदिर 400 वर्ष पुराना है। प्रसिद्ध तांत्रिक भवानी मिश्र ने करीब 400 वर्ष पहले इस मंदिर की स्थापना की थी। तब से आज तक इस मंदिर में उन्हीं के परिवार के सदस्य पुजारी बनते रहे हैं। तंत्र साधना से ही यहां माता की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। दरअसल, तंत्र साधना के लिए प्रसिद्ध बिहार के इस इकलौते राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर में यहां पर किसी के नहीं होने पर आवाजें सुनाई तेती हैं। इस मंदिर में दस महाविद्याओं काली, त्रिपुर भैरवी, धुमावती, तारा, छिन्न मस्ता, षोडसी, मातंगड़ी, कमला, उग्र तारा, भुवनेश्वरी की मूर्तियां स्थापित हैं। इसके अलावा यहां

काल भैरव व मातंगी भैरव की प्रतिमा स्थापित की गई है। यहां साधना करने वाले हर साधकों की हर तरह की मनोकामना पूर्ण होती है। देर रात तक साधक इस मंदिर में साधना में लीन रहते हैं। मंदिर में प्रधान देवी राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी है। तांत्रिकों की आस्था इस मंदिर के प्रति अटूट

तरह की आवाजें सुनाई देती हैं। राज राजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी मंदिर की सबसे अनोखी मान्यता यह है कि निस्तब्ध निशा में यहां स्थापित मूर्तियों से बोलने की आवाजें आती हैं। मध्य-रात्रि में जब लोग यहां से गुजरते हैं तो उन्हें आवाजें सुनाई पड़ती हैं। वैज्ञानिकों की मानें, तो यह कोई वहम नहीं है। इस

पर शब्द भ्रमण करते रहते हैं। वैज्ञानिकों ने यह भी मान लिया है कि हा पर कुछ न कुछ अजीब घटित होता है, जिससे कि यहां पर आवाज आती है। मानो या न मानो यह एक चमत्कार ही है कि यहां अजीब तरह के आवाजें आती है जो कि किसी मानव की आवाजों की तरह की है। माना जाता है कि संपूर्ण अखंड भारत में जहां भी माता के शक्तिपीठ हैं वे सभी जागृत और सिद्ध शक्तिपीठ हैं।

क्या गाय, कुत्ते और पक्षियों को पानी पिलाने से खुल जाते हैं किस्मत के दरवाजे

हिन्दू धर्म में कुछ पशु और पक्षियों को बहुत ही शुभ माना जाता है। मान्यता के अनुसार इन्हें अन्न और जल देने से जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं। प्रत्येक हिन्दू घर में जब भोजन बनता है तो पहली रोटी गाय के लिए और अंतिम रोटी कुत्ते के लिए होती है। भोजन करने के पूर्व अग्नि को उसका कुछ भाग अर्पित किया जाता है जिसे अग्निहोत्र कर्म कहते हैं। प्रत्येक हिन्दू को भोजन करते वक्त थाली में से 3 ग्रास (कोल) निकालकर अलग रखना होता है। यह तीन कोल ब्रह्मा, विष्णु और महेश के लिए या मन कथन के अनुसार गाय, कौए और कुत्ते के लिए भी रखा जा सकता है।

गाय - गाय को पत्ते पर भोजन परोसकर जल देने से भाग्य जागृत होता है। गाय में सकारात्मक ऊर्जा का भंडार होता है, जो भाग्य को जागृत करने की क्षमता रखती है। गाय को अन्न और जल देने से सभी तरह के संकट दूर होकर घर में सुख, शांति और समृद्धि के द्वारा खुल जाते हैं। प्रतिदिन गाय को रोटी खिलाने गुरु और शुक्र बलवान होता और धन-समृद्धि बढ़ती है।

कुत्ता - कुत्त को पत्ते पर भोजन परोसकर जल पिलाने से भैरव महाराज प्रसन्न होते हैं और हर तरह के आकस्मिक संकटों से वे भक्त की रक्षा करते हैं। कुत्ता आपकी राहु, केतु के बुरे प्रभाव और यमदूत, भूत प्रेत आदि से रक्षा करता है। कुत्ते को प्रतिदिन भोजन देने से जहां दुश्मनों का भय मिट जाता है वहीं व्यक्ति निडर हो जाता है। ज्योतिषी के अनुसार केतु का प्रतीक है कुत्ता। कुत्ता पालने या कुत्ते की सेवा करने से केतु का अशुभ प्रभाव समाप्त हो जाता है। पितृ पक्ष में कुत्तों को मीठी रोटी खिलानी चाहिए।

कौवा- कौए के लिए छत या भूमि पर भोजन परोसकर सकोरे में उसके लिए जल रखा जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कौआ को यमदूत, पितर और देवपुत्र भी माना गया है। कौए को भविष्य में घटने वाली घटनाओं का पहले से ही आभास हो जाता है। कहते हैं कि यदि कौआ आपका भोजन ग्रहण कर ले तो समझो आपके पितर आपसे प्रसन्न और तृप्त हैं और यदि नहीं करें तो समझो कि आपके पितर आपसे नाराज और अतृप्त हैं।

चींटी - चींटियों के लिए पत्ते पर भोजन परोसा जाता। उनके बिल हों, वहां चूरा कर भोजन डाला जाता है। इससे सभी तरह के संकट मिट जाते हैं और घर परिवार में सुख एवं समृद्धि आती है।

देवता - देवबलि अर्थात पत्ते पर देवी देवतों और पितरों को भोजन परोसा जाता है। बाद में इसे उठाकर घर से बाहर उचित स्थान रख दिया जाता है।

पक्षी - पक्षियों को जल अर्पित करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और साथ ही हमारे जीवन के संकट मिट जाते हैं। नियमित जल पिलाने से भाग्य जागृत हो जाते हैं और किसी कार्य में आ रही रुकावट दूर होती है। हर कार्य आसानी से होने लगते हैं।

कुंडली की जांचे पन्ना पहनने के नुकसान भी है

पन्ना बुध ग्रह का रत्न है। बुध ग्रह वाणी, व्यापार, बहन, बुआ, मौसी आदि का कारक है। यह रत्न गहरे से हल्के हरे रंग का होता है। पन्ना मुख्यतः 5 रंगों में पाया जाता है। तोते के पंख के समान रंग वाला, पानी के रंग जैसा, सरेस के पुष्प के रंगों वाला, मयूरपंख जैसा और हलके संदुल पुष्प के समान होता है। पन्ना रत्न किसे पहनना चाहिए और किसे नहीं यह जानना भी जरूरी है, क्योंकि कुंडली की जांच किए बगैर इसे पहनने के नुकसान भी है।

किसे पन्ना धारण करना चाहिए

- लग्न कन्या या मिथुन है तो पन्ना रत्न धारण किया जा सकता है, लेकिन यह भी देखना जरूरी है कि लग्न में कौनसा ग्रह है या लग्न के सामने सप्तम भाव में कौनसा ग्रह है।
- कुंडली को देखकर यदि किसी रोगी को पन्ना पहनाया जाता है तो उसके बल में वृद्धि होती है आरोग्य का सुख मिलता है।
- मिथुन लग्न वाले यदि पन्ना धारण करे तो पारिवारिक परेशानी कम होती है।
- कन्या लग्न यदि पन्ना धारण करे तो राज्य, व्यापार, पिता, नौकरी, शासकीय कार्यों में लाभ पा सकते हैं।
- यदि बुध की महादशा या अंतरदशा चल रही हो और बुध 8वें या 12वें भाव में नहीं हो तो पन्ना पहनने से लाभ मिलेगा।
- यदि बुध, मंगल, शनि, राहु या केतु के साथ स्थित हो या उस पर शत्रु ग्रहों की दृष्टि हो तो पन्ना पहना जा सकता है। इससे नौकरी व्यवसाय में रुकावट दूर होगी।
- लाल किताब अनुसार यदि किसी घर में कोई ग्रह सोया हुआ हो तो उस घर को और उस ग्रह के प्रभाव को जाग्रत करने के लिए उस घर का रत्न धारण करें। जैसे यदि तीसरे में बुध नहीं है तो तीसरे के लिए बुध का रत्न धारण करें। इससे बुध के अच्छे प्रभाव मिलना प्रारंभ होंगे।
- यदि आपकी कुंडली में बुध मीन राशि का होकर बुरा प्रभाव दे रहा है तो पन्ना पहन सकते हैं।

पन्ना किसे धारण नहीं करना चाहिए

- लाल किताब के अनुसार बुध तीसरे या 12वें हो तो पन्ना नहीं पहनना चाहिए इससे नुकसान होगा।
- ज्योतिष के अनुसार 6, 8, 12 का बुध स्वामी हो तो पन्ना पहनने से अचानक नुकसान हो सकता है। इसलिए पहले किसी ज्योतिष को कुंडली दिखाएं फिर ही पहनें।
- यदि बुध की महादशा चल रही है और बुध 8वें या 12वें भाव में बैठा है तो भी पन्ना धारण करने से समस्या उत्पन्न हो सकती है।
- नकली, अशुद्ध, टूटा-फूटा, धब्बेदार, चमकदार, स्वर्ण रंग का या अन्य रंग का पन्ना धारण करने से धन, समृद्धि और संतान पक्ष का नाश हो जाता है।
- उचित धातु, नक्षत्र, दिन और ग्रहों की स्थिति देखे बगैर पन्ना धारण किया है तो वह भी नुकसानदायक सिद्ध हो सकता है।

पन्ना पहनने के फायदे

- पन्ना धारण करने से स्मरण शक्ति बढ़ती है। इससे बुद्धि तेज होने लगती है।
- हाजमा अच्छा करने के लिए भी इसे धारण करते हैं।
- नौकरी और व्यापार में उन्नति के लिए भी इसे धारण करने की सलाह दी जाती है।
- पन्ना धारण करने से वाणी प्रभावशाली हो जाती है।
- पन्ना धारण करने से अधूरी तमन्नाएं पूरी होने लगती हैं।
- घर में पन्ना रत्न उचित स्थान पर रखने से अन्न-धन्न आदि में वृद्धि होती है, सुयोग्य संतान का सुख मिलता है।
- पन्ना पहनने से यदि बुद्ध उतम प्रभाव देने लगता है तो जातक की बहन की जिंदगी में भी परेशानियां कम हो जाती है।

ओलंपिक पदक विजेता भारतीय कप्तान हरमनप्रीत पर लगी बड़ी बोली, सूरमा हॉकी क्लब ने 78 लाख रुपये में अपने साथ जोड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। सात साल बाद वापस आ रही हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 के प्लेयर ऑक्शन की शुरुआत हो चुकी है। ऑक्शन के पहले दिन खिलाड़ियों पर जमकर पैसों की बरसात हो रही है। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के ओलंपिक पदक विजेता कप्तान हरमनप्रीत सिंह पर सबसे बड़ी बोली लगी है। उन्हें सूरमा हॉकी क्लब ने 78 लाख रुपये की भारी भरकम खर्च कर अपने साथ जोड़ा है। वहीं बेहतरीन मिडफील्डर एवं उप-कप्तान हार्दिक सिंह को यूपी रुद्रास ने 70 लाख रुपये में अपने नाम किया। नई दिल्ली में 13 से 14 अक्टूबर तक आयोजित ऑक्शन में सबसे पहली बोली फॉरवर्ड गुरजंत सिंह पर लगी। उन्हें सूरमा हॉकी क्लब ने 19 लाख की रकम के साथ अपने साथ जोड़ा है। गुरजंत के बाद मनदीप सिंह पर बोली लगी। मनदीप सिंह को 25 लाख में और मनप्रीत सिंह को 42 लाख में टीम गोनासिका ने अपने नाम किया। सुखजीत सिंह को बंगाल टाइगर्स ने 42 लाख में खरीदा। अभिषेक 72 लाख रुपये की बड़ी रकम में श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स में गए। डिफेंडर अमित रोहिदास को तमिलनाडु ड्रैगन्स ने 48 लाख, नीलकंठ शर्मा को हैदराबाद तूफान ने 36 लाख, ललित कुमार उपाध्याय को यूपी रुद्रास ने 28 लाख में, उभरते सितारे विवेक सागर प्रसाद 40 लाख में सूरमा हॉकी क्लब में तथा जुगराज सिंह 48 लाख में श्राची रढ़ बंगाल टाइगर्स में शामिल हुए।

आठ फ्रेंचाइजी ने नीलामी में पहले दिन 18 विदेशी सहित 54 खिलाड़ी खरीदे

नयी दिल्ली। हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2024-25 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी के पहले दिन सभी आठ फ्रेंचाइजी ने 18 विदेशी सहित 54 खिलाड़ियों को 16 करोड़ 88 लाख 50 हजार रुपये की बोली लगाकर खरीदा।फ्रेंचाइजी कलिंगा लांसर्स ने सर्वाधिक 257 लाख रुपये खर्च किये। इसके बाद यूपी रुद्र ने 206 लाख रुपये, हैदराबाद तूफान ने 204 लाख रुपये, तमिलनाडु ड्रैगन्स ने 196 लाख रुपये, दिल्ली एसजी पाइपर्स ने 181 लाख रुपये, सूरमा हॉकी क्लब ने 162 लाख रुपये, श्राची रढ़ बंगाल टाइगर्स ने 144 लाख रुपये और टीम गोनासिका ने 161 लाख रुपये खर्च किये। सूरमा हॉकी क्लब ने भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह को 78 लाख रुपये की सबसे बड़ी बोली लगाकर टीम में शामिल किया। वहीं अभिषेक को श्राची रढ़ बंगाल टाइगर्स ने 72 लाख रुपये में खरीदा। हरमनप्रीत सिंह उर्फ सरपंच साहब को जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के स्वामित्व वाले सूरमा हॉकी क्लब ने खरीदा। क्लब ने इससे पहले गुरजंत सिंह को (19 लाख) में खरीदा था। क्लब ने स्टार ड्रैग-फ्लिकर और भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह (78 लाख) की बोली लगाकर अपनी टीम शामिल किया। नीलामी में अभिषेक दूसरे सबसे महंगी खिलाड़ी रहा। जिन्हें श्राची रढ़ बंगाल टाइगर्स ने 72 लाख में खरीदा जबकि हार्दिक सिंह को यूपी रुद्रस ने 70 लाख में खरीदा।

बंगाल के गेंदबाजों ने उत्तर प्रदेश को बढ़त लेने से रोका

लखनऊ। कप्तान आर्यन जुयाल (92) और सिद्धार्थ यादव (73) के साहसिक प्रदर्शन के बावजूद बंगाल के गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के चलते मेजबान उत्तर प्रदेश रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप सी मुकाबले में अपने घरेलू मैदान पर पहली पारी में मेहमान टीम से बढ़त हासिल नहीं कर सका। इकाना स्टेडियम पर बंगाल की पहली पारी के 311 रन के जवाब में उत्तर प्रदेश की पहली पारी में 292 रन पर सिमट गयी। तीसरे दिन का खेल खत्म होने के समय बंगाल ने अपनी दूसरी पारी में बगैर विकेट खोये 141 रन बना लिये थे। अभिमन्यु ईश्वरन 78 और सुदीप चटर्जी 59 रन बना कर क्रीज पर मौजूद थे। मैच के चौथे और अंतिम दिन सोमवार को बंगाल की कोशिश पहले सत्र में तेज खेल कर एक चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा करने की होगी ताकि वे मेजबान टीम पर दबाव बना कर सीधी जीत दर्ज कर सकें वहीं यूपी का प्रयास ड्रा मैच से एक अंक बटोरने का होगा। यूपी की पहली पारी में बढ़त लेने के इरादों पर अनुभवी मुकेश कुमार (43 रन पर चार विकेट) और शाहबाज अहमद 96 रन पर चार विकेट) ने पानी फेरा। शतक की ओर बढ़ रहे आर्यन को मुकेश ने पगबाधा आउट किया। वह अपने कल के स्कोर पर मात्र दो रन ही जोड़ सके वहीं अपने अगले ही ओवर में उन्होंने अक्षदीप नाथ (0) का विकेट लेकर मेजबान टीम को जोर का झटका दिया।

‘ऑनर रन’ में दौड़े सेना के जवान व नागरिक

जयपुर। राजस्थान में जयपुर में भारतीय सेना के शूरवीरों के सम्मान में ‘ऑनर रन’ के तहत आयोजित दौड़ में 500 से अधिक सेना के जवान और अन्य गणमान्य नागरिकों ने पूरे उत्साह से भाग लिया। सैन्य प्रवक्ता कर्नल अमिताभ शर्मा ने बताया कि ‘एक दौड़ शूरवीरों के नाम’ विषय पर आधारित इस आयोजन का उद्देश्य भारतीय सेना के शूरवीरों के साहस और बलिदान को सम्मानित करना और साथ ही फिटनेस एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल हरविन्दर सिंह वन्द्रा ने धावकों को ध्वज दिखाकर रवाना किया। उन्होंने बताया कि यह दौड़ विजय द्वार, वैशाली नगर से शुरू होकर गाण्डीव स्टेडियम पर समाप्त हुई। प्रसिद्ध मैराथन चैम्पियन अनीता जानू ने भी इस आयोजन में भाग लिया और धावकों का मार्गदर्शन किया। साथ ही जयपुर के धावकों में ‘जयपुर रनर्स’ के सह संस्थापक रवि गोएनका और मुकेश मिश्रा सहित जयपुर रनर्स के अध्यक्ष प्रवीण तिजारिया सहित अन्य धावक शामिल हुए। कर्नल शर्मा ने बताया कि यह आयोजन केवल एक फिटनेस कार्यक्रम नहीं, बल्कि देशभक्ति और शूरवीरों के प्रति सम्मान का प्रतीक बना। यह दौड़ भारतीय सेना के वीरों को सम्मान देने और फिटनेस को बढ़ावा देने के प्रयास का एक प्रेरणादायक उदाहरण बनी।

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को पांच विकेट से हराया

एजेंसी

दांबुला। वेस्टइंडीज ने सलामी बल्लेबाजों ब्रैडन किंग (63) तथा एविन लुइस (50) के शानदार अर्द्धशतकीय पारियों की मदद से श्रीलंका को पहले टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पांच विकेट से हरा दिया हैं। श्रीलंका के 179 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज टीम के सलामी बल्लेबाजों ने टीम को शानदार शुरुआत दिलाते हुए पहले विकेट के लिए 107 रनों की साझेदारी की।

दसवें ओवर में पतिराना ने एविन लुइस (50) को विक्रमसिंघे के हाथों कैच आउट कराकर वेस्टइंडीज को पहला झटका दिया। अगले ही ओवर में हसरंगा ने नये बल्लेबाज शे होप को अपनी ही गेंद पर लपक लिया। होप केवल सात रन बना पाए। 12वें की चौथी गेंद पर कामिंडु ने ब्रैडन किंग (63) को कुसल के हाथों कैच आउट करा श्रीलंका को तीसरी सफलता दिला दी। श्रीलंका के गेंदबाज तीक्षणा ने 17वें रोवमन पॉवेल (13) को हसरंगा के हाथों कैच कराकर और 18वें ओवर में पतिराना रॉस्टन चेज (19) को मेंडिस के हाथों कैच आउट करा कर टीम के लिए जीत की उम्मीद जगाई लेकिन शरफेन

रदरफोर्ड नाबाद (14) और रोमारियो शेफर्ड (एक) नाबाद ने पांच गेंद शेष रहते टीम को जीत दिला दी। श्रीलंका की ओर से मतीशा पतिराना ने दो तथा महीश तीक्षणा, वानिंदु हसरंगा तथा कामिंडु मेंडिस ने एक-एक विकेट लिए।

इससे पहले श्रीलंका ने कप्तान चरित असलंका (59) तथा कामिंडु मेंडिस (51) के अर्द्धशतकों की बदौलत 179 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया था। वेस्टइंडीज ने आज रंगिरी दांबुला अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम खेले जा रहे इस मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। श्रीलंका की शुरुआत हालांकि अच्छी नहीं रही और तीसरे ही ओवर में शेफर्ड ने सलामी बल्लेबाज पतुम निसंका (11) को होप के हाथों कैच कराकर वेस्ट इंडीज को पहली सफलता दिलायी। उस समय टीम का स्कोर 20 रन था। टीम के स्कोर में अभी सात रन और जुडे ही थे कि अगले ही ओवर में मोती ने कुसल परेरा को जोसेफ ने शमार के हाथों कैच आउट करा दूसरा झटका दे दिया। परेरा ने छह रन बनाए। तीसरे विकेट के रुप में मोती ने कुसल मेंडिस (छह) को बोल्ड आउट कर इंडीज को तीसरी सफलता दिला दी।

इसके बाद कामिंड मेंडिस और कप्तान असलंका ने संभलकर खेलते हुए टीम के स्कोर को 140 रनों तक पहुंचाया। इसी स्कोर पर स्प्रिंगर ने कामिंड मेडिंस को (51) चेज के हाथों कैच आउट कराकर इस साझेदारी को तोड़ा।

जोसेफ ने पांचवें विकेट के रुप में असलंका को लुइस के हाथों कैच कराया। असलंका ने सर्वाधिक 59 रनों का योगदान दिया। भानुका राजापाक्षा को शेफर्ड ने मोती के हाथों कैच आउट करा जबकि वानिंदु हसरंगा रन आउट हुए।चामिंदु विक्रमसिंघे तथा महीश तीक्षणा दोनों चार-चार रन पर नाबाद रहे। वेस्ट इंडीज की ओर से रोमारियो शेफर्ड ने दो तथा अल्जारी जोसेफ , शमार जोसेफ , गुडाकेश मोती तथा शमार स्प्रिंगर ने एक-एक विकट लिया।

वेस्टइंडीज़ ने आज का मैच जीतकर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त बना ली।

एचआईएलः सूरमा हॉकी क्लब ने सरदार सिंह, रानी रामपाल को बनाया कोच

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) में जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के स्वामित्व वाली फ्रैंचाइज सूरमा हॉकी क्लब की कमान भारतीय हॉकी के दिग्गज सरदार सिंह और रानी रामपाल संभालेंगे। सरदार सिंह सूरमा हॉकी क्लब में पुरुष मेंटर और भारतीय कोच के रूप में शामिल होंगे, जबकि रानी महिला मेंटर और भारतीय कोच की जिम्मेदारी संभालेंगी। सूरमा हॉकी क्लब की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पुरुष टीम की कोचिंग व्यवस्था में सरदार सिंह के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय कोच जेरोन बार्ट, एनालिटिकल कोच माइकल कॉस्मा और तकनीकी सलाहकार अर्जुन हलप्पा शामिल होंगे। वहीं, रानी के अलावा जूड मेनेजेस (अंतरराष्ट्रीय कोच), हरविंदर सिंह (सहायक कोच) और सीन डांसर (एनालिटिकल कोच) महिला टीम की कमान संभालेंगे। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व कप्तान सरदार सिंह भारत के लिए 314 मैच खेल चुके हैं। सरदार, 2013 में एचआईएल के पहले संस्करण में, दिल्ली वेवराइडर्स के साथ प्लेयर ऑफ़ द टूर्नामेंट चुने गए थे। उन्होंने तब से लीग के सभी संस्करण खेले हैं और रिटायरमेंट के बाद भारतीय सब जूनियर और हॉकी5 टीमों को कोचिंग दी है।सरदार ने कहा, जेएसडब्ल्यू ने मुझ पर अपार विश्वास दिखाया है और मुझे सूरमा हॉकी क्लब की पुरुष टीम का मेंटर चुना है। हॉकी इंडिया लीग युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों और कोचों के लिए एक बेहतरीन मंच है। यह खेल के प्रशंसकों के लिए भी एक शानदार उत्पाद है। मैं अपना ज्ञान साझा करने और भारत के युवा खिलाड़ियों को बाकी कोचिंग टीम के साथ नई ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद करने के लिए उत्सुक हूं। यह एक रोमांचक परियोजना है और हम इसे सफल बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

‘भारतीय हॉकी क्वीन’ के नाम से मशहूर रानी ने भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए अपने शानदार प्रदर्शन से महिलाओं की एक पीढ़ी को इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित किया है। उन्होंने राष्ट्रीय टीम के लिए 254 मैचों में 205 गोल किए हैं और टीम का अहम हिस्सा रही हैं, जिसने 2020 में टोक्यो ओलंपिक के तीसरे/चौथे स्थान के लिए क्वालीफाई करके अभूतपूर्व ऊंचाई हासिल की थी। रानी ने कहा, मैं हॉकी के खेल में खिलाड़ी होने के अलावा अन्य क्षेत्रों को तलाशने की कोशिश कर रही थी। इसलिए, जब सूरमा हॉकी क्लब के लिए मेंटर और कोच बनने का मौका मेरे पास आया, तो मैंने इसे स्वीकार करने का फैसला किया। यह पहली बार है जब देश में महिलाओं के लिए इस स्तर की लीग आयोजित की जा रही है और यह हॉकी के मानक को बढ़ाने में मदद करेगी।

ऑस्ट्रेलिया ने रोमांचक मुकाबले में भारत को नौ रन से हराया

एजेंसी

शारजाह। ग्रेस हैरिस (40), कप्तान तालिया मैक्ग्रा (32) और एलिस पेरी (32) की शानदार पारियों के बाद गेंदबाजों के आखिरी ओवरों में बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने महिला टी-20 विश्वकप के 18वें मैच में भारत को रोमांचक मुकाबले में नौ रनों से हार का सामना करना पड़ा।सोफी मोलिन्यू को उनकी बेहतरीन गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया। ऑस्ट्रेलिया के 151 रनों के जवाब में भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ओवर में शेफाली वर्मा (20) का विकेट गवां दिया। शेफाली को एश्ली गार्डनर ने आउट किया। इसके बाद छठें ओवर में सोफी मोलिन्यू नेस्मृति मंधाना (छह) को पगबाधा आउट किया। दीप्ति शर्मा ने 25 गेंदों में तीन चौके लगाते हुए 29 रनों की जूझारू पारी खेली। ऋचा घोष (एक) पर रनआउट हुई। कप्तान हरमनप्रीत कौर की ने 47 गेंदों में (नाबाद 54) की अर्द्धशतकीय पारी खेली। आखिरी ओवर में यह अलाम था कि हरमनप्रीत कौर एक छोड़ पर खड़ी रह गयी और विकेट गिरते गये। भारत निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 142 रन ही बना सका और नौ रन से मैच हार गया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से सोफी मोलिन्यू और ऐनाबेल सदरलैंड ने दो- दो विकेट लिये। मेगन शूट और एश्ली गार्डनर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां ऑस्ट्रेलिया की कप्तान तालिया मैक्ग्रा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और तीसरे ही ओवर में 17 के स्कोर पर रेणुका सिंह ने एक के बाद एक दो विकेट झटके। बेथ मूनी (2) और

जॉर्जिया वेयरहम (शून्य) पर आउट हुई। इसके बाद कप्तान तालिया मैक्ग्रा ने ग्रेस हैरिस के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने तीसरे विकेट के लिय 62 रन जोड़े। दीप्ति ने ऐलिस पेरी (32) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। एश्ली गार्डनर (6) वस्त्रकर का शिकार बनी। ग्रेस हैरिस 40 को दीप्ति शर्मा ने आउट किया। ऐनाबेल सदरलैंड (10) और सोफी मोलिन्यू (शून्य) पर आउट हुई। फीबी लिचफील्ड (15) रन बनाकर नाबाद रही। ऑस्ट्रेलिया ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 151 रन बनाये।

भारत की ओर से रेणुका सिंह और दीप्ति शर्मा ने दो-दो विकेट लिये। श्रेयंका पाटिल, पूजा वस्त्रकर और राधा यादव ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

ऑस्ट्रेलिया से हार के बाद हरमनप्रीत ने कहा-हम कुछ ढीली गेंदों को हिट नहीं कर सके

एजेंसी

शारजाह। आईसीसी महिला टी 20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नौ रन से मिली हार के बाद भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि वह और दीप्ति शर्मा अपनी साझेदारी के दौरान कुछ ढीली गेंदों को सही से हिट नहीं कर सकीं,जिसके कारण अंततः टीम की हार हुई। एनाबेल सदरलैंड के शानदार अंतिम ओवर की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने शारजाह में आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप मैच में मात्र नौ रन से जीत दर्ज की।

हरमनप्रीत ने पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन में कहा कि दोनों टीमों के बीच मुख्य अंतर यह था कि ऑस्ट्रेलियाई टीम केवल एक या दो खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं थी और उसके पास कुछ बेहतरीन ऑलराउंडर भी थे। हरमनप्रीत ने कहा, मुझे लगता है कि उनकी पूरी टीम योगदान देती है, वे एक या दो खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं रहते हैं, उनके पास कई ऑलराउंडर हैं जो योगदान देते हैं। हमने भी अच्छी योजना बनाई थी और हम खेल में मौजूद थे।

उन्होंने आसानी से रन नहीं दिए और इसे मुश्किल बना दिया। वे एक अनुभवी टीम हैं। यह कुछ ऐसा है जो आपके नियंत्रण में नहीं है, आपको हमेशा अपने प्लेइंग इलेवन को तैयार रखना होता है, भले ही एक या दो खिलाड़ी बाहर हों। उन्होंने कहा, राधा ने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की, वह खेल में थी और उसने अच्छा क्षेत्ररक्षण भी किया। आपको टीम में ऐसे चरित्र की आवश्यकता होती है जो हमेशा मौजूद रहे। यह एक ऐसा लक्ष्य था जिसे हासिल किया जा सकता था।

जब मैं और दीप्ति बल्लेबाजी कर रहे थे, तो हम कुछ ढीली गेंदों को हिट नहीं कर पाए। हम ऑस्ट्रेलिया से बहुत कुछ सीख सकते हैं।

जो कुछ भी हमारे हाथ में था, हम उसे करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन यह हमारे नियंत्रण में नहीं था। अगर हमें एक और गेम खेलने का मौका मिलता है, तो यह बहुत अच्छा होगा। लेकिन अन्यथा, जो भी टीम सेमीफाइनल में होने का हकदार है, वह वहां होगी।

कैमरन ग्रीन के पीठ की होगी सर्जरी, भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर

एजेंसी

मेलबर्न। आस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन की रीढ़ की हड्डी में तनाव फ्रैक्चर के लिए सर्जरी होगी, जिससे वह भारत के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की घरेलू श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। टीम के प्रवक्ता ने सोमवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, रिकवरी का समय लगभग छह महीने होने का अनुमान है। सर्जरी के लिए आगे बढ़ने का फैसला कैमरनके एक ऑलराउंडर के रूप में दीर्घकालिक भविष्य को ध्यान में रखते हुए किया गया है। ग्रीन को इंग्लैंड में एकदिवसीय श्रृंखला के दौरान पीठ के निचले हिस्से में तनाव फ्रैक्चर का पता चला था, जिससे भारत के खिलाफ टेस्ट मैचों के लिए उनकी उपलब्धता के बारे में अटकलें

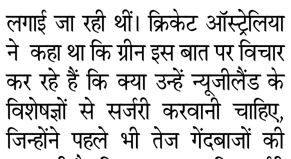

लगाई जा रही थीं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने कहा था कि ग्रीन इस बात पर विचार कर रहे हैं कि क्या उन्हें न्यूजीलैंड के विशेषज्ञों से सर्जरी करवानी चाहिए, जिन्होंने पहले भी तेज गेंदबाजों की मदद की है। विकल्प यह था कि सर्जरी के बिना ही उन्हें ठीक किया जाए और ग्रीन को भारत सीरीज में केवल बल्लेबाज के रूप में खेलने दिया जाए। हालांकि, ग्रीन की स्थिति अधिक जटिल थी, इसलिए सर्जरी बेहतर थी। प्रवक्ता ने कहा, जबकि तेज गेंदबाजों में रीढ़ की हड्डी में तनाव फ्रैक्चर असामान्य नहीं है,पूरी तरह से परामर्श के बाद यह तय किया गया कि कैमरनको सर्जरी से लाभ होगा और भविष्य में इसके फिर से होने का जोखिम कम होगा। ग्रीन की अनुपस्थिति का मतलब ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव होगा, क्योंकि 25 वर्षीय ग्रीन ने अपने पिछले चार टेस्ट मैचों में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी की है।

अफरीदी, नसीम पाकिस्तान की टेस्ट टीम से बाहर

एजेंसी

मुल्तान। पाकिस्तान ने फिटनेस और फॉर्म का हवाला देते हुए इंग्लैंड के होने वाले दूसरे और तीसरे टेस्ट के लिए बाबर आजम, शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह को टीम से बाहर कर दिया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक बयान में कहा गया है कि मुख्य खिलाड़ियों के स्थायी फॉर्म और फिटनेस को ध्यान में रखते हुए इन तीन खिलाड़ियों को टीम से बाहर किया गया है। नयी चयन समिति में नियुक्त किए गए आकिब जावेद ने इन तीन खिलाड़ियों को बाहर किये जाने पर कहा, ÷हमें विश्वास है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से यह ब्रेक इन खिलाड़ियों को अपनी फिटनेस, आत्मविश्वास और मानसिक स्थिरता वापस पाने में मदद करेगा, जिससे वे भविष्य की चुनौतियों के लिए बेहतर स्थिति में लौटेंगे। वे अभी भी हमारे सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से हैं और पाकिस्तान क्रिकेट में योगदान देने के लिए तैयार हैं। हम इस अवधि के दौरान उन्हें पूरी तरह से समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि वे और भी मज़बूत होकर वापसी कर सकें।

चयनकर्ताओं ने पाकिस्तान की टीम में अनकैप्ड खिलाड़ी कमरान गुलाम, हसीबुल्लाह और स्पिनर मेहरान मुमताज को टीम में शामिल किया है। साथ ही अनुभवी स्पिनर साजिद खान और नोमान अली को भी टीम में जगह दी है।

एचआईएल नीलामी के पहले दिन के बाद श्रीजेश ने कहा-हमने ज्यादातर भारतीय खिलाड़ियों को चुना

एजेंसी

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की नीलामी के पहले दिन विभिन्न फ्रैंचाइज़ियों के प्रमुख लोगों ने अपनी टीम की संरचना और नीलामी प्रक्रिया पर अपने विचार साझा किए, जिससे आने वाले सत्र के लिए उनका आत्मविश्वास और उत्साह झलका। दिल्ली एसजी पाइपर्स के निदेशक और सहायक कोच पीआर श्रीजेश ने टीम के चयन पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने टीम की संतुलित प्रकृति पर जोर दिया, जिसमें अनुभवी विदेशी और प्रतिभाशाली भारतीय खिलाड़ियों का मिश्रण शामिल है। श्रीजेश ने कहा, हमने एक अच्छी टीम चुनी है, जिसमें एक विदेशी गोलकीपर भी शामिल है। ज़्यादातर, हमने भारतीय खिलाड़ियों को चुना है, जिससे डिफेंस और मिडफील्ड में पर्याप्त खिलाड़ियों के साथ एक संतुलित टीम तैयार हुई है। अह हमें फॉरवर्ड और मिडफील्ड पोजीशन पर ध्यान

केंद्रित करने की ज़रूरत है। टीम के साथ अपनी परिचितता को दर्शाते हुए, उन्होंने कहा, मैं उन खिलाड़ियों को जानता हूँ जो हमारे साथ हैं; वे मेरे जूनियर हैं। एक खिलाड़ी आपको खेल नहीं जिता सकता; जीत तो टीम को ही मिलती है। दिल्ली एसजी पाइपर्स के कोच ग्राहम रीड, जो टोक्यो ओलंपिक में भारत के कांस्य पदक विजेता कोच थे, ने कहा, भारत में वापस आकर बहुत अच्छा लगा। मैं सभी भारतीय खिलाड़ियों, खासकर युवा खिलाड़ियों और रोहित से खुश हूं। श्रीजेश, शिवा और फिजियो के साथ हमारी टीम में कुछ सुधार हुआ है। ओलंपिक के बाद मैंने शायद लाखों बातें कही हैं; भारतीय हॉकी बेहतर से बेहतर होती जा रही है। मुझे हॉकी इंडिया को इसे एक साथ लाने के लिए बधाई देनी होगी। यह खेल के लिए अद्भुत है। यह हॉकी के लिए बहुत बढ़िया है, दर्शकों के लिए बहुत बढ़िया है, हॉकी को टीवी पर वापस देखना अच्छा होगा।यूपी रुद्रास टीम के कोच, पॉल वैन ऐस ने तनावपूर्ण लेकिन पुरस्कृत नीलामी प्रक्रिया पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने उनके चयन में रणनीतिक योजना पर जोर दिया। उन्होंने कहा, मुझे यह बहुत पसंद आया; यह बहुत अच्छा था। भारतीय ओलंपिक खिलाड़ियों के लिए बहुत तनाव था, और इसमें अधिक समय लगा क्योंकि हर कोई उनके लिए बोली लगा रहा था। यह भारतीय हॉकी के लिए एक प्लस है। मैं अपेक्षाकृत शांत था क्योंकि हमारे पास अच्छी योजनाएँ थीं। हमें हार्दिक मिला, जो मुझे दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक लगता है। मैं सभी खिलाड़ियों से खुश हूँ। जैसे-जैसे एचआईएल नीलामी आगे बढ़ रही है, टीमें और कोच प्रतिस्पर्धी टीमों के निर्माण पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जो आगामी सत्र के लिए बढ़ते उत्साह और प्रत्याशा को दर्शाता है। रणनीतिक योजना पर जोर और अनुभवी और युवा प्रतिभाओं का मिश्रण हॉकी के एक रोमांचक सत्र का वादा करता है।

केन्याई धावक रूथ चेपनगेटिच ने शिकागो में तोड़ा महिला मैराथन का विश्व रिकॉर्ड

एजेंसी

न्यूयॉर्क। केन्या की रूथ चेपनगेटिच ने इतिहास रचते हुए शिकागो में महिलाओं की मैराथन का विश्व रिकार्ड तोड़ दिया। उन्होंने पिछले सर्वश्रेष्ठ से लगभग दो मिनट पीछे रहकर दो घंटे, नौ मिनट और 56 सेकंड का अनौपचारिक समय लेकर दौड़ पूरी की। चेपनगेटिच ने शिकागो में अपना तीसरा खिताब जीता और इथियोपिया की टिगस्ट अस्सेफा के पिछले साल बर्लिन में बनाए गए 2:11:53 के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इथियोपिया की सुतुमे केबेडे ने दो घंटे 16 मिनट और 36 सेकंड बाद रेखा पार की, जबकि केन्या की इरीन चेप्टाई (2:17:51) तीसरे स्थान पर रहीं।

रिकॉर्ड तोड़ने के बाद चेपनगेटिच ने कहा, मेरा सपना सच हो गया है,जिसका समय मूल रूप से 2:09:57 दर्ज किया गया था, लेकिन बाद में इसे समायोजित कर दिया गया। चेपनगेटिच ने शुरू से ही

तेज रफ़्तार पकड़ी, पहले पाँच किलोमीटर 15 मिनट में दौड़ीं और आधे रास्ते तक उन्होंने खुद और केबेडे के बीच 14 सेकंड का अंतर बना लिया। 2019 की विश्व चैंपियन चेपनगेटिच रेस पूरी करने के बाद थककर झुक गईं और अपने प्रदर्शन को हमवतन केल्विन किप्टम को समर्पित किया, जिन्होंने एक साल पहले शिकागो में पुरुषों का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा था और चार महीने बाद एक कार दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई थी।

उन्होंने कहा, विश्व रिकॉर्ड मेरे दिमाग में था, शिकागो, जैसा कि मैंने पहले भी कहा, मेरे घर जैसा है।

केन्या के कोरिर ने जीता पुरुष वर्ग का खिताब

केन्या के जॉन कोरिर ने 2 घंटे 2 मिनट 44 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय लेकर पुरुषों की शिकागो मैराथन का खिताब जीता। 27 वर्षीय कोरिर ने अपनी पहली बड़ी मैराथन जीत हासिल की। दूसरे नंबर पर इथियोपिया के मोहम्मद ईसा (2:04:39) और तीसरे नंबर पर केन्याई अमोस किप्रूटो (2:04:50) रहे।

नेपाल के खिलाफ टी20 श्रृंखला के लिए यूएसए टीम घोषित

एजेंसी

न्यूयॉर्क। पूर्व कप्तान स्टीवन टेलर को इस सप्ताह के अंत में नेपाल के खिलाफ होने वाली टी20आई सीरीज के लिए टीम से बाहर कर दिया गया है, वहीं तेज गेंदबाज अली खान की वापसी हुई है। 31 वर्षीय टेलर, विश्व कप और नीदरलैंड में 50 ओवर की सीरीज में खराब फॉर्म से जूझ रहे थे। वह नीदरलैंड में टी20आई टीम का हिस्सा थे, लेकिन सीरीज से पहले एकदिनी श्रृंखला में चोट लगने के बाद उन्हें ‘आराम’ दिया गया था। विश्व कप के बाद से अपनी पिछली 7 पारियों में 13 की औसत से रन बनाने वाले नीतीश कुमार को भी बाहर का रास्ता दिखाया गया। कनाडा के पूर्व कप्तान, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में टी20 विश्व कप में टीम की अगुवाई की थी, ने भारत के खिलाफ 27 रनों की प्रभावशाली पारी के बाद अपना फॉर्म खो दिया। समित पटेल एक बार फिर कमर की चोट के कारण छह सप्ताह तक खेल से बाहर रहेंगे, जिससे वह टी20 सीरीज के बाद 50 ओवर की त्रिकोणीय सीरीज से भी बाहर हो जाएंगे। हालांकि यूएसए अपने करिश्माई तेज गेंदबाज अली खान से उत्साहित होगा। 33 वर्षीय खिलाड़ी नीदरलैंड दौरे को छोड़ने और पैर की चोट के कारण एक्शन से बाहर रहने के बाद विश्व कप के बाद पहली बार यूएसए की टीम में खेलने के लिए तैयार है, जिसके कारण उन्हें ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के साथ सीपीएल सीजन से बाहर होना पड़ा। एरॉन जोन्स नामीबिया दौरे के बजाय यूएसए के साथ सेंट लूसिया किंग्स के लिए सीपीएल में खेलने को प्राथमिकता देने के बाद फिर से टीम में शामिल हो गए हैं। यह समझा जाता है कि जोन्स को नेपाल श्रृंखला के लिए नजरअंदाज किया जा सकता था। मोनांक पटेल टीम की कप्तानी करेंगे, क्योंकि नामीबिया में टी20 मैचों में कंधे की चोट के कारण उन्हें आराम दिया गया था। उत्कर्ष श्रीवास्तव ने लगातार तीसरे यूएसए दौरे के लिए टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है। 17 वर्षीय श्रीवास्तव ने टीम में अपनी घोषणा के बाद से यूएसए के लिए खेले गए 15 मैचों में से केवल एक में ही हिस्सा लिया है।

नेपाल के खिलाफ टी-20 श्रृंखला के लिए यूएसए की टीम: मोनांक पटेल (कप्तान), एंड्रीज गौस, अभिषेक पराडकर, अयान देसाई, हरमीत सिंह, जुआनॉय ड्रिस्डेल, मिलिंद कुमार, अली खान, नोस्तुषा केंजीगे, जसदीप सिंह, एरॉन जोन्स, सैतेजा मुक्कमल्ला, शायन जहांगीर, उत्कर्ष श्रीवास्तव, यासिर मोहम्मद।

तेलंगाना के नितिन ने मध्य प्रदेश के श्रृषभ को दी मात, राजस्थान के प्रेम सिंह ने दिल्ली के शौर्य को हराया

एजेंसी

लखनऊ। सनराईज डा. अखिलेश दास गुप्ता मेमोरियल आल इंडिया सीनियर रैंकिंग बैडमिंटन टूर्नामेंट में क्वालिफाइंग राउंड खेले गये। शहर के कई स्टेडियमों प्रतियोगिता दोपहर बाद से शुरू होकर देर शाम तक चलती रही। इसमें खिलाड़ियों ने जमकर उत्साह दिखाया। एकल मुकाबले में तेलंगाना के नितिन राघवेन्द्र ने मध्यप्रदेश के ऋषभ को कड़ी टक्कर में 12-15, 15-8, 15-9 से हरा दिया। राजस्थान के प्रेम सिंह चौहान ने दिल्ली के शौर्य को सीधे मुकाबले में 19-17, 15-12 से हराया। हरियाणा के जसकरन सिंह ने उप्र के अरुण श्रीवास्तव को कड़ी टक्कर में 15-5, 10-15, 15-3 से मात देकर बढ़त बना ली।

उत्तरांचल के तुषार भंडारी ने उप्र के आर्यन चौधरी को 15-8, 15-12 से हरा दिया। तेलंगाना के अभिनव कृष्णा ने दिल्ली के विशु 15-5, 15-9 से मात दे दी। वहीं तमिलनाडु के किर्थी लक्ष्मी को उत्तराचंल के कनक को कड़ी टक्कर में 15-10, 7-15, 15-7 से हरा दिया। जम्मू-कश्मीर उन्नाती ने उप्र के गरीमा रावत को 15-9, 15-5 से हरा दिया। आंध्र प्रदेश के फरीहा सनी ने हरियाणा के कोमल को 15-6, 15-9 से मात दे दी।

जब झूठ बोलकर बुरी फंसी थी पलक, मां

श्वेता तिवारी

के सामने ऐसे आया था सच

टीवी से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली मशहूर एक्ट्रेस श्वेता तिवारी (Shweta Tiwari) इन दिनों काफी चर्चा में हैं. वजह बेहद खास है, श्वेता तिवारी इस साल की सबसे बड़ी हिंदी फिल्म 'सिंघम अगेन' में नजर आने वाली हैं. अजय देवगन की पिक्चर में रोहित शेट्टी ने श्वेता को भी कास्ट किया है. फिल्म के ट्रेलर में भी श्वेता तिवारी की झलक देखने को मिली है. इससे पहले उन्हें रोहित शेट्टी की 'इंडियन पुलिस फोर्स' में भी देखा गया था. श्वेता अपने काम से सभी को इंप्रेस करती हैं.इसी बीच श्वेता तिवारी से जुड़ा एक पुराना किस्सा सामने आया है. दरअसल श्वेता ने अपनी बेटी पलक तिवारी (Palak Tiwari) के झूठ के बारे में सभी से बात की थी. श्वेता ने कपिल शर्मा के शो में पलक के बचपन का एक झूठ बताया था. महज 13 साल की उम्र में पलक ने अपनी मां से फिल्म देखने के लिए बड़ा झूठ बोला था. श्वेता कि मानें को वो झूठ बोलकर अपने दोस्तों के साथ पिक्चर देखने चली गई थीं.

13 साल की उम्र में बोला था बड़ा झूठ

श्वेता तिवारी के मुताबिक पलक 13 साल की थीं और उन्हें कहीं भी अकेले जाने की इजाजत नहीं थीं. ऐसे में उन्होंने उनसे कहा कि उनकी दोस्त भूमि के पापा अस्पताल में भर्ती हैं और वो उन्हें देखने जा रही है. श्वेता ने ये बात सुनकर पलक को जाने तो दिया, लेकिन जब उन्होंने भूमि को फोन किया पलक से बात कराने को कहा, तो उसने कहा कि वो अभी वो पापा को देखने अंदर गई है. दूसरे दोस्त को फोन किया, तो उसने कहा कि वो वॉशरूम में हैं.

श्वेता तिवारी जब वॉक के लिए थोड़ी देर बाद निकलीं, तो उन्हें पकल की दोस्त भूमि के पिता भी वॉक करते हुए मिल गए. श्वेता ने उनसे कहा कि बच्चों ने बताया कि आप अस्पताल में भर्ती हैं. श्वेता की बात सुनकर जब उन्होंने भूमि को फोन किया, तो उसने कहा कि पलक की मम्मी हॉस्पिटल में एडमिट हैं, उन्हें देखने आए हैं.

लीप के बाद रोनित रॉय लेंगे 'अनुपमा' में एंट्री? एक्टर ने खुद बताया सच

टीवी के पॉपुलर शोज में से एक अनुपमा में 15 साल का जेनरेशन लीप आने वाला है. रूपाली गांगुली और गौरव खन्ना स्टारर इस शो में लीप के बाद कहानी और इसके कलाकारों में काफी बदलाव देखने को मिलेगा. लीप के बाद शो का प्रोमो सामने आ चुका है, जिसमें कई नए कलाकार भी नजर आए हैं. बीते दिनों ऐसी खबरें सामने आई थी कि लीप के बाद अनुपमा में रोनित रॉय नजर आ सकते हैं.अनुपमा में आ रहे लीप की वजह से कई कलाकारों ने हाल ही में शो को अलविदा कह दिया, जिसके बाद मेकर्स ने नए स्टार्स को शो में कास्ट किया है. लीप के बाद शो में काफी कुछ बदलने जा रहा है जिसे देखने के लिए अनुपमा फैन्स एक्साइटेड हैं. ऐसा कहा जा रहा है कि अनुपमा में रोनित रॉय एंट्री ले सकते हैं. अब एक्टर ने खुद इसे लेकर सच बताया है.

अनुपमा का हिस्सा होंगे रोनित रॉय ?

ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि एक्टर रोनित रॉय जल्द ही अनुपमा में एक अहम किरदार निभाते हुए दिखाई दे सकते हैं. शो में जेनरेशन गैप की वजह से मेकर्स कहानी को और ज्यादा रोमांचक बनाने के लिए सितारों की तलाश कर रहे हैं. लोगों का कहना था कि रोनित रॉय शो में शामिल हो सकते हैं लेकिन रोनित रॉय अनुपमा का हिस्सा नहीं होंगे.

नहीं दिया कोई ऑडिशन

टाइम्स नाउ से बातचीत करते हुए रोनित रॉय ने इस खबर को महज अफवाह बताया है. एक्टर ने इस बात की पुष्टि की कि ये रिपोर्ट झूठी है और इसमें कुछ भी सच नहीं है. रोनित रॉय ने बताया कि मैंने शो के लिए कोई ऑडिशन नहीं दिया है.

नए किरदारों की झलक

शो के मेकर्स राजन शाही और डायरेक्टर्स कट प्रोडक्शन (डीकेपी) ने हाल ही में जेनरेशन लीप की एक झलक जारी की है. प्रोमो क्लिप में शिवम खजूरिया उर्फ प्रेम और आध्या उर्फ अलीशा परवीन जैसे नए किरदारों की झलक देखने को मिली थी. अब ये देखना दिलचस्प होगा कि शो की कहानी आगे कैसे बढ़ती है.

सलमान खान से लेकर संजय दत्त तक, इन सितारों को मिल चुकी है जान से मारने की धमकी, एक की तो हो गई थी मौत

एनसीपी (अजित पवार) के नेता बाबा सिद्दीकी को सरेआम चलती सड़क पर गोली मार दी गई. इसके बाद उन्हें अफरा-तफरी में अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई. यह घटना 12 अक्टूबर की है. बाबा सिद्दीकी का कनेक्शन राजनीति के साथ ही साथ बॉलीवुड की तमाम छोटी-बड़ी हस्तियों के साथ भी था. जानकारी के मुताबिक, पिछले 15 दिनों से बाबा सिद्दीकी की सिक्योरिटी बढ़ा दी गई थी, क्योंकि उन्होंने ये जाहिर किया था कि उनकी जान को खतरा है.बाबा सिद्दीकी के मर्डर के बाद से कई जगह ये भी बताया जा रहा है कि उन्हें कुछ दिन पहले जान से मारने की धमकी मिली थी. हालांकि, इनके जैसे ही कई बॉलीवुड स्टार्स को इस तरह की धमकियां मिल चुकी हैं, जिसमें कई बड़े-बड़े सेलिब्रिटी का भी नाम शामिल है. कुछ पर तो गोलियां भी चल चुकी हैं.

गुलशन कुमार

टी-सीरीज इंडस्ट्री का बहुत बड़ा नाम है, जिसके मालिक गुलशन कुमार को भी जान से मारने की धमकी दी गई थी. हालांकि, ये धमकी ऐसी ही नहीं थी, उन पर ताबड़तोड़ गोली चलाई गई थी, जिसमें उनकी मौत हो गई थी. गुलशन कुमार की मौत के बाद उनकी मौत की जिम्मेदारी दाऊद इब्राहिम ने ली थी.

राकेश रोशन

बॉलीवुड के फेमस फिल्म मेकर राकेश रोशन को भी एक बार नहीं बल्कि कई बार जान से मारे जाने की धमकी दी जा चुकी है. एक बार तो इन धमकियों के बीच उन पर गोली भी चला दी गई थी, हालांकि यह गोली उनके हाथ में लगी थी. अस्पताल में कुछ दिन का ट्रीटमेंट कराने के बाद वो पूरी तरह से ठीक हो गए थे.

महेश भट्ट

फिल्ममेकर महेश भट्ट भी अंडरवर्ल्ड के चंगुल से बच नहीं पाए हैं. एक रिपोर्ट के मुताबिक, 12-13 लोगों के एक ग्रुप ने महेश भट्ट पर अटैक करने की प्लानिंग की थी. हालांकि, मुंबई पुलिस ने अंडरवर्ल्ड की इस साजिश को नाकामयाब कर दिया.

शाहरुख खान

बॉलीवुड के बादशाह कहे जाने वाले शाहरुख खान को भी अंडरवर्ल्ड की तरफ से कई बार धमकी दी जा चुकी है. उन पर लगातार अंडरवर्ल्ड के साथ काम करने का प्रेशर दिया गया है और साथ ही फिल्मों की कमाई से हिस्सा भी मांगा गया है.

अक्षय कुमार

गैंगस्टर रवि पुजारा की तरफ से अक्षय कुमार को भी मारने की धमकी मिल चुकी है. दरअसल, ये धमकी उन्हें तब मिलनी शुरू हुई जब उन्होंने अपने यहां काम करने वाले नौकर को नौकरी से निकाल दिया था. गैंगस्टर ने कहा था कि अक्षय ने उस नौकर को काम से हटाकर अच्छा नहीं किया है.

किसके साथ रिलेशनशिप में हैं

श्रद्धा कपूर

शादी पर एक्ट्रेस ने क्या बताया?

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर 'स्त्री 2' बॉक्स ऑफिस पर एक ब्लॉकबस्टर फिल्म बन गई है. इस फिल्म की सक्सेस की खुशी में फिल्म से जुड़े सभी स्टार्स आज भी झूम रहे हैं. 'स्त्री 2' क बाद से श्रद्धा कपूर की फैन फॉलोइंग में काफी इजाफा हुआ है. हालांकि, श्रद्धा की प्रोफेशनल लाइफ से लेकर पर्सनल लाइफ के बारे में उनके फैन्स काफी बेताब रहते हैं. एक इंटरव्यू में श्रद्धा ने अपने रिलेशनशिप में होने की बात का खुलासा किया है.

श्रद्धा कपूर हाल ही में रिलेशनशिप के बारे में बात की, इसके साथ ही उन्होंने शादी के बारे में भी अपने विचार सामने रखे. श्रद्धा ने अपनी शादी के बारे में बात करते हुए बताया कि ये डिसीजन एक अच्छे पार्टनर पर डिपेंड करता है. उन्होंने अपने पार्टनर के बारे में बात करते हुए ये भी बताया कि उन्हें अपने पार्टनर के साथ टाइम बिताना बहुत अच्छा लगता है. इन बातों के साथ ही उन्होंने रिश्तों के लेकर सुझाव भी दिया है.

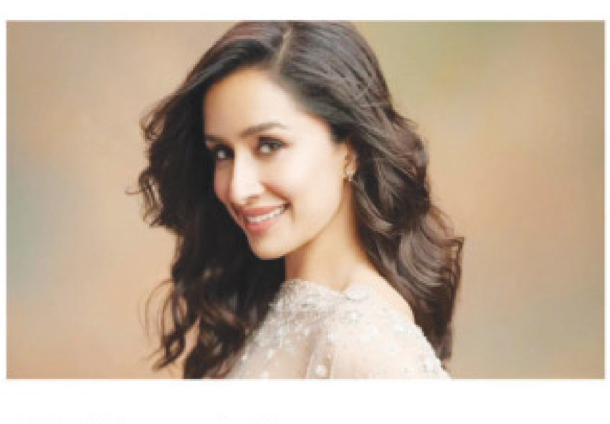

पार्टनर के साथ समय बिताना है पसंद

श्रद्धा कपूर ने बताया कि उन्हे फेरीटेल लव स्टोरी काफी अट्रैक्ट करती है. साथ ही ये भी कहा कि जब तक वो अपने पार्टनर के साथ हैं तब तक उन्हें किसी और की जरूरत नहीं है. कॉस्मोपॉलिटन के साथ हुए एक इंटरव्यू में उन्होंने बिना नाम लिए अपने पार्टनर के बारे में बात की. श्रद्धा ने अपने पार्टनर के साथ समय बिताने की बात करते हुए कहा कि मुझे अपने पार्टनर के साथ वक्त बिताना काफी अच्छा लगता है, मुझे उनके साथ फिल्में देखना, डिनर पर जाना और घूमना बहुत पसंद है.

शादी के लिए चाहिए सही साथी

इंटरव्यू के दौरान जब श्रद्धा शादी के बारे में सवाल किया गया और इसके साथ ही शादी को लेकर आज की जेनरेसन के बारे में भी पूछा गया. इस पर श्रद्धा ने बताया कि शादी के लिए सही साथी के साथ होना चाहिए. अभी की जेनरेशन के बारे में उन्होंने ये भी बताया कि कुछ लोग शादी नहीं करना चाहते वो भी अपनी जगह सही होते हैं.कई मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, श्रद्धा राहुल मोदी के साथ रिलेशनशिप में हैं. हालांकि, दोनों में से किसी ने भी इस खबर की पुष्टि नहीं की है.